मास्क भी वैक्सीन-मेरा मास्क मेरे साथ

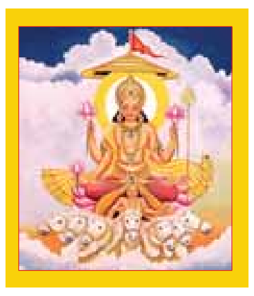

भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

विश्वसनीय साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित

jagrukjanta.net
/jagrukjanta
/jagrukjantanews
jagruk_janta

फाल्गुन, पक्ष - शुक्ल, तिथि - सप्तमी, संवत 2078 | पृष्ठ : 8 | जयपुर, बुधवार | वर्ष-8, अंक-2, 9 मार्च - 15 मार्च, 2022 | मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

पाठकों का प्यार ही है जिससे 7 सोपान पार हुआ

सटीक

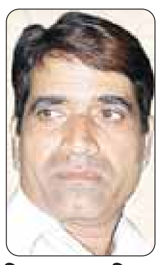

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

इच्छा शक्ति और दृढ़ संकल्प के बूते प्रत्येक मनुष्य अपने लक्ष्य को प्राप्त कर ही लेता है। मनुष्य अकेला ही जब लक्ष्य प्राप्त कर सकता है तो फिर उसके साथ उसकी टीम हो और उसके फालोअर्स हो तो कठिन रास्ता भी आसान हो जाता है। एक समय कोरोना महामारी के चलते पूरी दुनिया में सन्नाटा छाया हुआ था और सड़कों पर भी लोग नजर नहीं आ रहे थे। ऐसे समय में भी पाठकों का प्यार जागरूक जनता को मिल रहा था। जब किसी के घर में शिशु का जन्म होता है तो बड़ी ही खुशी होती है और पूरे घर में एक प्रकार का आनन्दोत्सव मनाया जाता है। ठीक इसी प्रकार 7 वर्ष पूर्व जागरूक जनता नाम के समाचार पत्र का जन्म हुआ। जिस प्रकार बच्चे के जन्म से पूर्व जो उधेड़बुन परिजनों के दिमाग में चलती है ठीक वैसे ही इस अखबार के प्रकाशन की उधेड़बुन दिमाग में चली। लग रहा था कि कैसे चलेगा। कहां से व्यवस्था होगी। क्योंकि किसी भी कार्य को आगे बढ़ाने के लिए आर्थिक व्यवस्था पहले देखनी होती है। मगर ईश्वर का नाम लेकर इसके प्रकाशन की प्रक्रिया को पूरा करने में लग गए। प्रकाशन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद इसके सम्पादक मंडल और प्रबंधन टीम ने 8 मार्च 2015 को इसका प्रकाशन प्रारंभ कर दिया। प्रथम अंक बड़े उत्साह के साथ निकाला गया। फिर तो एक के बाद एक अंक निकलते चले गए। और सुधि पाठकों के लिए अच्छी सामग्री प्रस्तुत करने का ध्येय लिए आगे बढ़ते रहे। निष्पक्ष रूप से खबरों का संकलन कर पाठकों तक पहुंचाया जाता रहा। और पाठकों का प्रेम और हमारी मार्केटिंग टीम के आमजन से जुड़ाव के चलते मुश्किलें आसान होती चली गई। क्योंकि इस समय समाचार-पत्र और सोशल मीडिया के चलते किसी नए अखबार को अपनी जगह बनाना आसान काम नहीं रह गया है। इन सबके बीच आज जागरूक जनता अपनी रफ्तार से आगे बढ़ता रहा। यह भी एक संयोग ही कहा जाएगा कि जिस दिन जागरूक जनता पत्र का प्रकाशन प्रारंभ किया गया उस दिन अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए पाठकों से रूबरू होने और महिला शक्ति के सम्मान को ध्यान में रखते हुए 'जागरूक वुमन अवार्ड' कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। मगर कोरोना के कारण फिलहाल ये कार्यक्रम नहीं हो पाया। अब धीरे-धीरे स्थितियां बदल रही हैं। पाठकों के साथ विज्ञापनदाताओं का प्यार भी इसी प्रकार मिलता रहेगा। इसी उम्मीद के साथ हम और आप आगे बढ़ते रहेंगे।

shivdayalmishra@gmail.com

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम

अधिक महिलाओं को मिले आत्मरक्षा कौशल का प्रशिक्षण-मुख्यमंत्री

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में महिलाओं को सुरक्षित वातावरण प्रदान करने एवं उनके सशक्तीकरण के लिए कृतसंकल्प है। उन्होंने महिलाओं का आह्वान किया कि वे अन्याय, अत्याचार एवं उत्पीड़न के खिलाफ पूरी ताकत से अपनी आवाज उठाएं। इसके लिए राज्य सरकार उन्हें आत्मरक्षा कौशल प्रदान करने में किसी प्रकार की धन की कमी नहीं आने देगी।

गहलोत मंगलवार को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में बिड़ला सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर इंदिरा महिला शक्ति प्रोत्साहन एवं सम्मान योजना के तहत उल्लेखनीय कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया। उन्होंने उड़ान योजना के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए पुस्तिका एवं पोस्टर का विमोचन किया और प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। गहलोत ने कहा कि वर्तमान में निर्भया स्क्वाड के माध्यम से शिक्षण संस्थाओं एवं पुलिस लाइन में महिलाओं एवं बालिकाओं को आत्मरक्षा कौशल का प्रशिक्षण दिया जाता है। हमारा प्रयास है कि प्रदेश की अधिक से अधिक महिलाएं यह प्रशिक्षण लें।

प्रत्येक महिला एवं किशोरी तक पहुंचे स्वास्थ्य सुरक्षा का संदेश

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं एवं किशोरियों की स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने उड़ान योजना लागू की है। इस महत्वाकांक्षी योजना के माध्यम से हमारा प्रयास है कि हैल्थ एवं हाईजीन के प्रति जागरूकता का संदेश प्रदेश के गांव-ढ़ाणी में बसी प्रत्येक माता-बहन तक पहुंचे। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा सहयोगिनियों, सहायिकाओं, एएनएम, पटवारी सहित सभी की जिम्मेदारी है कि वे

इस योजना को निचले स्तर तक सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें और प्रदेश की प्रत्येक महिला एवं किशोरी तक निःशुल्क सेनेटरी नैपकिन पहुंचे। चिरंजीवी योजना से जुड़ी 1 करोड़ 33 लाख महिला मुखियाओं को हम तीन साल की इंटरनेट कनेक्टिविटी के साथ स्मार्टफोन उपलब्ध कराएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते तीन साल में प्रदेश में 123 कॉलेज खोले गए हैं, जिनमें से 33 महिला महाविद्यालय हैं। इस बार बजट में 36 और महिला कॉलेज खोलने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने हाल ही में जो बजट पेश किया है उसका सभी वर्गों ने स्वागत किया है। हम 'इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना' लागू करने जा रहे हैं। राजस्थान पहला प्रदेश है जहां शहरी क्षेत्र में निवास करने वाले परिवारों को भी प्रतिवर्ष 100 दिवस का रोजगार उपलब्ध हो सकेगा। से विश्व में भारत की ताकत का लोहा मनवाया।

आईएम शक्ति योजना में राज्य सरकार का शत-प्रतिशत अंशदान

महिला एवं बाल विकास मंत्री ममता भूपेश ने कहा कि राज्य सरकार ने अपने शत-प्रतिशत अंशदान से महिलाओं के बहुआयामी विकास के लिए एक हजार करोड़ रूपए की इंदिरा महिला शक्ति योजना लागू की है, जिसके जरिए महिलाओं एवं बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ने, कौशल विकास के जरिए उन्हें स्वावलंबी बनाने तथा उद्यमिता विकास जैसी गतिविधियां प्रमुखता से संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के कारण ड्रॉप आउट 75 हजार बालिकाओं को शिक्षा सेतु योजना के जरिए पुनः शिक्षा से जोड़ा गया। मुख्य सचिव उषा शर्मा ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी महिला एवं पुरूष समानता के प्रबल पक्षधर थे। यूएनएफपीए की भारत में कंट्री रिप्रजेंटेटिव आंद्रिया वॉनर ने कहा कि बालिका विवाह तथा शिशु मृत्यु दर को कम करने की दिशा में राजस्थान तेजी से आगे बढ़ रहा है। महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रेया गुहा ने बताया कि राज्य में महिला नीति का सफल क्रियान्वयन किया जा रहा है। आपदा प्रबंधन एवं सहायता मंत्री गोविन्दराम मेघवाल, राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रेहाना रियाज तथा राज्य समाज कल्याण बोर्ड की अध्यक्ष डॉ. अर्चना शर्मा भी कार्यक्रम में उपस्थित थीं। महिला अधिकारिता आयुक्त रश्मि गुप्ता ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाएं तथा महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में कार्य कर रही संस्थाओं की प्रतिनिधि, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता आदि उपस्थित थीं।

एग्जिट पोल

यूपी और उत्तराखंड में भाजपा पंजाब में आप, गोवा में कांग्रेस!

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। सोमवार को यूपी में अंतिम और सातवें चरण की वोटिंग होते ही विभिन्न सर्वे एजेंसियों ने पांच राज्यों के एग्जिट पोल जारी किए गए। पंजाब में आप, गोवा में कांग्रेस, यूपी और उाराखंड में खिलेगा कमल। पांचों राज्यों के चुनावों का परिणाम कल सुबह से ही जारी होने लगेंगे।

उत्तर प्रदेश — कुल सीट : 403, बहुमत : 202

सर्वे एजेंसी	भाजपा+	सपा+	बसपा	कांग्रेस
एबीपी-सी वोटर	228-244	132-148	13-21	04-08
इंडिया न्यूज जन की बात	222-260	135-165	4-9	1-3
न्यूज 24-चाणय	294	105	2	1
टाइस नाऊ	225	151	14	9
जागरूक जनता नेटवर्क	**235-240**	**140**	**17**	**0-0**

पंजाब — कुल सीट : 117, बहुमत : 59

सर्वे एजेंसी	कांग्रेस	आप	अकाली+	भाजपा+
एबीपी-सीवोटर	22-28	51-61	20-26	07-13
टीवी 9 भारतवर्ष	24-29	56-61	22-26	1-6
इंडिया टुडे एसिस	19-31	76-90	7-11	1-4
रिपलिक टीवी	23-31	62-70	16-24	0-0

उत्तराखंड — कुल सीट : 70, बहुमत : 36

सर्वे एजेंसी	भाजपा	कांग्रेस	बसपा	आप
एबीपी-सीवोटर	26-32	32- 38	0-0	0-2
जी न्यूज-डिजाइन बॉस	26-30	35-40	2-3	0-0
टीवी 9 भारतवर्ष	31-33	33-35	0-0	0-3
टाइस नाऊ	37	31	0-0	01

गोवा — कुल सीट : 40, बहुमत : 21

सर्वे एजेंसी	भाजपा	कांग्रेस+	एमजीपी+
इंडिया टीवी सीएनएस	16-22	11-17	1-2
जी न्यूज	13-18	14-19	2-5
इंडिया टीवी	10-14	20-25	3-5
इंडिया न्यूज, जन की बात	13-19	14-19	3-5

मणिपुर — कुल सीट : 60, बहुमत : 31

सर्वे एजेंसी	भाजपा	कांग्रेस+	एनपीएफ+
जी न्यूज	32-38	12-17	3-5
देशबन्धु	23-27	21-25	0-0
इंडिया टीवी	26-31	12-17	2-6

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित | जागरूक जनता www.jagrukjanta.net | बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 फोन : 0141-3587886

सम्पर्क करें | विज्ञापन प्रकाशित करवाने के लिए 9928022718 jagrukjantanews@gmail.com | समाचार प्रकाशित करवाने के लिए 9829329070 jagrukjantanews@gmail.com

तापमान

	अधि.	न्यू.
जयपुर	31°C	19°C
जोधपुर	35°C	20°C
अजमेर	31°C	19°C
उदयपुर	30°C	18°C

सूर्योदय › प्रात: 06:44 बजे सूर्यास्त › सांय : 06:23 बजे चन्द्रोदय › 10:32 बजे चन्द्रास्त › 12:55 बजे

450 रूट पर दौड़ेंगे निगम के 450 हूपर

ग्रेटर नगर निगम ने बना रहा है सफाई का नया प्लान

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। नगर निगम ग्रेटर बीवीजी से छुटकारा पाने की दिशा में काम कर रहा है। इसके लिए बैठकों के दौर शुरू हो चुके हैं और सफाई के नए प्लान पर काम शुरू हो गया है। अगर सबकुछ सही दिशा में चला तो ग्रेटर के 450 वार्डों में 450 हूपर के जरिए डोर टू डोर कचरा संग्रहण किया जाएगा। इसमें हर वार्ड में 3 हूपर चलाने का प्लान है। लेकिन वार्ड की साइज के अनुसार इस कम–ज्यादा किया जाएगा। अभी ग्रेटर निगम में बीवीजी कंपनी 320 हूपर से कचरा उठा रही है। इसके अलावा 62 हूपर के जरिए नगर निगम भी कचरा उठवा रही है। मगर जोन रिपोर्ट के अनुसार हर वार्ड में 2 या 3 हूपर की जरूरत बताई है। इसे देखते हुए पिछले दिनों कमिश्नर ने बैठक ली थी। इसमें ग्रेटर नगर निगम में 450 हूपर का प्लान तैयार किया गया है। जल्द ही हूपर किराए पर लेने के लिए टेंडर जारी होंगे। जोन वाइज भी टेंडर किए जा सकते हैं। इसमें घर–घर कचरा संग्रहण और कचरा ट्रांसफर का टेंडर अलग हो सकता है। आपको बता दें कि निगम ग्रेटर बीवीजी को बाहर का रास्ता दिखाने के लिए फ्री है। वर्तमान में चल रहे स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 की वजह से अगले माह तक कंपनी बाहर की जाएगी। तब तक टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। इस बार निगम इस तरह काम कर रहा है कि हड़ताल पर भी सफाई व्यवस्था नही गड़बड़ाए। हैरिटेज निगम पहले कंपनी को बाहर कर चुका है। हालांकि अभी तक सफाई व्यवस्था पटरी पर नहीं आ पाई है।

जागरूक खबरें

राजस्थान ब्राह्मण महासभा विद्याधर नगर इकाई की बैठक आयोजित

जयपुर @ जागरूक जनता। जयपुर। विद्याधर नगर सेक्टर 4 स्थित परशुराम भवन में राजस्थान ब्राह्मण महासभा विद्याधर नगर इकाई की बैठक एस.के. शर्मा (रि. इनकम टैक्स आफीसर एवं परशुराम भवन छात्रावास प्रभारी) के सान्निध्य में सम्पन्न हुई। बैठक में निष्क्रिय पड़ी इकाई को पुन: सक्रिय करने पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि शास्त्री नगर एवं विद्याधर नगर इकाई का सामूहिक होली मिलन समारोह आयोजित किया जाना चाहिए। आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को सहयोग देने के लिए उनका सर्वे करना, गरीब और असहाय महिलाओं के लिए कुछ रोजगार उपलब्ध कराने, नए सदस्य बनाने के लिए अभियान चलाने का प्रस्ताव पास हुआ। यह भी तय हुआ कि प्रत्येक माह एक मीटिंग रखी जाएगी जिसमें उस महीने में जन्मे सदस्य का जन्मदिन भी मनाया जाएगा। बैठक में जयदेव शर्मा अध्यक्ष, रवि शंकर शर्मा महामंत्री, मुकेश बीवाल (अध्यक्ष सेन्ट्रल स्पाइन व्यापार मंडल), महेन्द्र पारीक रि. पुलिस अधिकारी, शिवदयाल मिश्रा सम्पादक (जागरूक जनता), चन्द्र मोहन शर्मा, ओम प्रकाश पारीक, नंद किसोर शर्मा सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे।

प्रदेश की नारी शक्ति को मिला उत्कृष्ट सेवाओं के लिए नारी शक्ति सम्मान

जयपुर @ जागरूक जनता। मानवता एवं परोपकार के लिये कार्य कर रही श्री नारायण मानव सेवा समिति द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर नारी शक्ति सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि अर्चना शर्मा (अध्यक्ष-समाज कल्याण विभाग, राजस्थान) विशिष्ट अतिथि रोजी शर्मा- इंटरनेशनल कत्थक गुरु, डॉ. दिवा मेहता, सहायक आयुक्त- वाणिज्य कर विभाग, जयपुर एवं सुशीला वर्मा, अपर प्रशासनिक अधिकारी, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, जयपुर ग्रामीण रही। समिति संस्थापक चन्द्रमोहन चहेता ने बताया कि प्रदेश का नाम रोशन करने वाली सूरतगढ़ से कंचन पारीक समाज सेविका, पाली से शीतल कुमारी समाज सेविका, डॉ. दिव्या श्रीवास्तव को उत्कृष्ट शिक्षा के क्षेत्र में एवं कल्पना गुप्ता को उद्योग जगत में ऐसी कुल 8 महिलाओं को नारी शक्ति सम्मान से नवाजा गया। कार्यक्रम बबीता शर्मा, इंदिरा बंसल एवं ललिता टांक की संयोजकता में संपन्न किया गया।

ऑर्गेनिक सेनेटरी पैड का निशुल्क वितरण

जयपुर @ जागरूक जनता। शांति देवी फाउंडेशन एनजीओ के महिला दिवस पर 3 साल पूरे होने पर फाउंडेशन द्वारा गवर्नमेंट गर्ल्स स्कूल, छोटी चोपड़, जयपुर में लड़कियों को 500 से ज्यादा ऑर्गेनिक सेनेटरी पैड का निशुल्क वितरण किया गया। फाउंडेशन के संस्थापक श्रवण शर्मा ने सभी लड़कियों को महिला दिवस की बधाई देते हुए उन्हें बताया कि कैसे सेनेटरी पैड को उपयोग कर सकते हैं और इसके बाद इसे कैसे इको वेस्ट में बदल सकते हैं, जिससे ये किसी के लिए भी हानिकारक नहीं होता है। इस अवसर पर फाउंडेशन के सह संस्थापक संकल्प फैड्रिक, कुलदीप शर्मा, रितेश सोनी, तथा दिनेश सोनी अन्य सदस्य मौजूद रहे।

इंट्रा स्टेट फ्लाइट सर्विस जुलाई से

एयर कनेक्टिविटी से जुड़ेंगे कोटा, जोधपुर, श्रीगंगानगर, बीकानेर

2000 से 4000 रुपए तक होगा किराया

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेशवासियों के लिए राहत भरी खबर है। 3 साल से बंद इंट्रा स्टेट हवाई सेवा को सरकार ने दोबारा शुरू करने की तैयारी की है। जुलाई से जोधपुर, श्रीगंगानगर, बीकानेर और कोटा के लिए 'छोटे विमान' उड़ान भरेंगे और किराया 2000 से 4000 रुपए के बीच होगा। राज्य सरकार जल्दी ही इस संबंध में एयरपोर्ट प्रशासन और एयरलाइंस कंपनियों से बातचीत कर इंट्रा स्टेट हवाई सेवा को मूर्त रूप देगी।

तीन साल पहले जयपुर से श्रीगंगानगर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा, बीकानेर आदि शहरों के लिए फ्लाइट संचालित हो रही थी। 7 अगस्त 2018 में श्रीगंगानगर की लालगढ़ जाटान हवाई पट्टी पर हादसा होने के बाद विमानन सेवा बंद कर दी गई थी। इसके बाद कोरोनाकाल के दौरान जोधपुर, बीकानेर और कोटा के लिए उड़ान बंद कर दी गई थी। हर दिन इन शहरों के लिए 100 यात्री हर दिन उड़ान भरते थे।

अभी इंट्रा स्टेट एयर कनेक्टिविटी की स्थिति...

जयपुर से उदयपुर के लिए इंडिगो और स्पाइसजेट की रोज 2 फ्लाइट और जैसलमेर की स्पाइसजेट की एक फ्लाइट है। अन्य शहरों के लिए हवाई सेवा बंद है। प्रदेश के छोटे शहरों में हवाई पट्टियां बनी हुई हैं, ऐसे में बड़े विमानों को उतारना संभव नहीं है। इन पर 10 सीटर विमानों का संचालन ही होगा। राज्य सरकार को इसमें निजी एयरलाइन को घाटा होने की स्थिति में वायबिलिटी गैप फंड के जरिए आर्थिक मदद मुहैया करानी होगी।

बजट में हवाई सेवा के लिए 15 करोड़ का प्रावधान : पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के कार्यकाल में प्रदेश में इंट्रा स्टेट हवाई सेवा शुरू की गई थी। लेकिन बाद में इसे तमाम कारणों से बंदकर दिया गया था। 23 फरवरी को बजट में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश के एक से दूसरे शहरों को जोड़ने के लिए इंट्रा स्टेट हवाई सेवा शुरू करने की बात कही है। इसके लिए हाल ही में पेश किए गए बजट में मुख्यमंत्री गहलोत ने 15 करोड़ के बजट का प्रावधान किया है। ऐसे में अब प्रदेशवासियों को एक बार फिर सस्ती हवाई यात्रा का सौगात मिल सकेगी।

सुबह 5 बजे पहली फ्लाइट श्रीगंगानगर, आखिरी शाम 7 बजे उदयपुर के लिए

» निजी एयरलाइन सुप्रीम एविएशन के प्रस्ताव के मुताबिक जयपुर से पहली फ्लाइट सुबह 5 बजे श्रीगंगानगर के लिए उड़ान भरेगी। यह फ्लाइट सुबह 6:30 बजे गंगानगर पहुंचेगी। वापसी में श्रीगंगानगर से 6:45 बजे उड़ान भरकर 8:15 बजे जयपुर आएगी।

» सुबह 8:30 बजे जयपुर से फ्लाइट उड़ान भरेगी और 9:45 बजे जोधपुर पहुंचेगी। वापसी में जोधपुर से 10 बजे उड़ान भर 11:15 बजे जयपुर आएगी।

» सुबह 11:30 बजे जयपुर से फ्लाइट उड़ान भरेगी और दोपहर 12:30 बजे बीकानेर पहुंचेगी। वापसी में बीकानेर से दोपहर 12:45 बजे रवाना होकर 1:45 बजे जयपुर एयरपोर्ट पर पहुंचेगी।

» दोपहर 2 बजे जयपुर से विमान उड़ान भरेगा और 2:45 बजे कोटा पहुंचेगा। कोटा से दोपहर 3 बजे उड़ान भरकर 3:45 बजे जयपुर पहुंचेगा।

» शाम 4 बजे फ्लाइट जाएगी और सवा 5 बजे जोधपुर पहुंचेगी। जोधपुर से 5:30 बजे रवाना होगी।

» जयपुर से शाम 7 बजे उड़ान भरकर विमान रात 8 बजे उदयपुर पहुंचेगा। उदयपुर से 8:15 बजे रवाना होकर 9:15 बजे जयपुर आगमन होगा।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 शुरू

जोन उपायुक्त करेंगे सफाई व्यवस्था का निरीक्षण

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

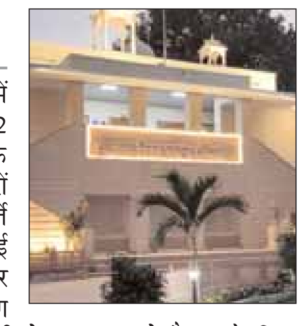

जयपुर। पूरे देशभर में स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 शुरू हो चुका है। इसके साथ ही देशभर के शहरों में खुद को अव्वल दर्जे पर लाने की होड़ मच गई है। जयपुर के दोनों नगर निगम भी स्वच्छता रैंकिंग सुधारने की दिशा में तेजी से काम कर रहे है। इसके लिए दोनों ही नगर निगम ने दर्जनों अधिकारियों और कर्मचारियों को सफाई व्यवस्था के निरीक्षण में लगाया है। लेकिन अब हैरिटेज नगर निगम आयुक्त ने सभी जोन उपायुक्तों को भी सफाई निरीक्षण में लगा दिया है। दरअसल जोन को स्वच्छ रखने की पहली जिम्मेदारी जोन उपायुक्त की होती है। लेकिन ज्यादातर जोन उपायुक्त सफाई व्यवस्था को लेकर गंभीर नहीं है। स्वच्छता का अलग से उपायुक्त होने की वजह से जोन उपायुक्त सफाई व्यवस्था उनके भरोसे छोड़ देते हैं। मगर अब हैरिटेज आयुक्त ने साफ कर दिया है जोन उपायुक्त नियमित रूप से सफाई व्यवस्था का निरीक्षा करेंगे। जोन के राजस्व अधिकारियों को भी सफाई निरीक्षण में लगाया गया है।

नहीं तो होगी कार्रवाई

जोन उपायुक्त और राजस्व अधिकारी फील्ड में गए या नहीं, इसका भी प्रमाण उन्हें देना होगा। इसके लिए निरीक्षण के स्थान की फोटो ग्रुप में शेयर करनी होगी। जो भी काम में कोताही बरतेगा, उनके खिलाफ निगम प्रशासन कार्रवाई करेगा। फिलहाल सर्वेक्षण के लिए टीम जयपुर में नहीं पहुंची है। टीम का मार्च के मध्य बाद जयपुर आने का प्लान है।

अपने स्तर घर–घर कचरा संग्रहण

हैरिटेज नगर निगम फिलहाल अपने स्तर पर घर–घर कचरा संग्रहण कर रही है। बीवीजी का काम संतोषजनक नहीं होने की वजह से उसे बाहर का रास्ता दिखाया जा चुका है। ऐसे में निगम ने कुछ संसाधन खरीदकर और कुछ संसाधन किराए पर लेकर शहर की सफाई व्यवस्था को दुरुस्त किया जा रहा है।

आराध्य देव गोविंददेवजी

दो साल बाद होलिकोत्सव, फागोत्सव व पुष्प फाग कल से

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। आराध्य देव गोविंददेव जी मंदिर में दो साल बाद फिर से होली उत्सव मनाया जाएगा। इसे लेकर बुधवार को होलिकोत्सव, फागोत्सव व पुष्प फाग के कार्यक्रम की घोषणा की गई है। कोरोना काल की वजह से पिछले दो साल से होली व फाग के उत्सव नहीं हो पा रहे थे लेकिन इस बार 10 से 16 मार्च तक होलिकोत्सव व फागोत्सव में होली पद भजनामृत वर्षा अनुष्ठान के कार्यक्रम उत्सव के रूप में नहीं हो रहे। पिछले साल कम दर्शकों के प्रवेश के साथ कार्यक्रम रखे गए। मंदिर के प्रवक्ता मानस गोस्वामी ने बताया कि तीन दिवसीय होलिकोत्सव 10 से 13 मार्च तक मनाया जाएगा।

इसमें विभिन्न कलाकार ठाकुर जी के समक्ष भजनों व अपनी रचनाओं से हाजिरी लगाएंगे। कार्यक्रम रोजाना दोपहर 12.30 से शाम 4.30 बजे तक होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम में दोपहर बाद 3 से 4.30 बजे यानी डेढ़ घंटे तक रचना झांकी के दर्शन होंगे। मंदिर छावण में 13 मार्च को शाम 4 से रात्रि 8 तक फागोत्सव होगा। इसमें दिल्ली और कोलकाता के कलाकार पुष्प वर्षा, चंग, धमाल, बांसुरी वादन के साथ भजनों की स्वर लहरियां बिखेरेंगे।

पुष्प फागोत्सव का कार्यक्रम 14 और 15 मार्च को होगा। भजन सम्राट बाल व्यास श्रीकांत शर्मा दोपहर एक से शाम 4.30 बजे तक भजनों की अमृत वर्षा करेंगे। होली पद का विशेष कार्यक्रम 16 मार्च को होगा। कोलकाता के मालीराम शर्मा दोपहर एक से शाम 4.30 बजे तक भजनों की स्वर लहरियां बिखरेंगे। जबकि अगले दिन 17 को होलिका दहन के दिन भी विशेष आयोजन होंगे।

9 महीने बाद आमने-सामने होंगे मेयर-आयुक्त

14 मार्च को मेयर ने बुलाई साधारण सभा

अब तक मेयर की हर बैठक से खुद को दूर रखा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर नगर निगम ग्रेटर में पिछले साल जून में मेयर सौम्या गुर्जर और आयुक्त यज्ञमित्र सिंह के बीच विवाद अभी भी थमा नहीं है। पिछले महीने सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर वापस मेयर पद संभालने के बाद सौम्या गुर्जर ने करीब 6 से ज्यादा बैठक कर ली, लेकिन एक भी बैठक में आयुक्त यज्ञमित्र सिंह शामिल नहीं हुए। ऐसे में अब मेयर ने 14 मार्च को साधारण सभा की बैठक बुलाई है, जिसमें 9 महीने के बाद मेयर-आयुक्त आमने-सामने होंगे।

दरअसल नगर निगम ग्रेटर बनने के बाद यह दूसरी बार है जब साधारण सभा की बैठक बुलाई जा रही है। पिछले साल जनवरी में बजट बैठक बुलाने के बाद से अब तक यानी 13 महीने से साधारण सभा नहीं हुई। पिछले साल अप्रैल-मई में कोरोना की दूसरी लहर और उसके बाद जून में मेयर-आयुक्त का विवाद होने के बाद मेयर को सस्पेंड कर दिया। आयुक्त की शिकायत पर ही सरकार ने मेयर को सस्पेंड कर दिया और इस पूरे मामले की न्यायिक जांच शुरू करवा दी। पहले हाईकोर्ट और बाद में सुप्रीम कोर्ट जाने के बाद सौम्या गुर्जर को राहत मिली और करीब 8 महीने बाद वह वापस मेयर की कुर्सी पर बैठी। गौरतलब है कि नियमानुसार हर 60 दिन में एक बार नगर निगम की साधारण सभा बुलाई जानी चाहिए, लेकिन जयपुर नगर निगम ग्रेटर और जयपुर नगर निगम हैरिटेज में पिछले 13 महीने से साधारण सभा की बैठक नहीं बुलाई गई है।

अब तक एक भी बैठक में नहीं आए आमने-सामने

मेयर की कुर्सी संभालने के बाद आयुक्त यज्ञमित्र सिंह अब तक एक बार भी मेयर की बुलाई बैठक में शामिल नहीं हुए। अपनी जगह वे अतिरिक्त आयुक्त मुख्यालय को भेज देते है। वहीं पिछले कुछ दिनों से खुद आयुक्त सफाई व्यवस्था और स्वच्छ सर्वेक्षण को लेकर अलग से अधिकारियों संग बैठक कर रहे है। ऐसे में चर्चा हो रही है कि मेयर-आयुक्त का विवाद अभी थमा नहीं है।

खुद को बताया जनप्रतिनिधियों से खतरा बताकर मांगी थी सुरक्षा

आयुक्त यज्ञमित्र सिंह ने सौम्या गुर्जर के वापस मेयर पद पर लौटने के बाद खुद को असुरक्षित महसूस करते हुए गृह विभाग से सुरक्षा की मांग की थी। आयुक्त ने मेयर के जॉइन करने वाले दिन ही गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को पत्र लिखकर पार्षदों और अन्य लोगों से खतरा बताते हुए खुद के निजी निवास और नगर निगम ऑफिस के बाहर पुलिस की सुरक्षा देने की मांग की थी।

ANCHOR | होलिका दहन

होलिका दहन पर रहेगा भद्रा का साया

भद्रा पूंछ के दौरान मिलेगा सिर्फ एक घंटा 10 मिनट

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। रंगों के त्योहार होली के एक दिन पहले पूर्णिमा तिथि पर इस बार होलिका दहन 17 मार्च को है फिर उसके दूसरे दिन 18 मार्च को होली खेली जाएगी। हिंदू पंचांग के अनुसार इस बार होलिका दहन के लिए एक घंटा 10 मिनट का ही समय रहेगा। इसका प्रमुख कारण इस दिन दोपहर 1:20 बजे से रात एक बजे बाद तक भद्रा योग रहेगा। भद्रा को अशुभ माना जाता है। रात्रि 9:02 बजे से 10:14 बजे तक जब भद्रा का पुच्छकाल (उतरता भाग) रहेगा, उस समय होलिका दहन किया जा सकता है।

होलिका दहन पर रहेगा भद्रा का साया

ज्योतिषाचार्य अक्षय शास्त्री ने बताया कि जो लोग भद्रा का पुच्छकाल अवधि में दहन नहीं कर पाते है वे लोग रात डेढ़ बजे के बाद होलिका दहन कर सकते है। फागुन महीने के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि 17 मार्च को दोपहर 1:29 से प्रारंभ होकर अगले दिन दोपहर 12.47 तक रहेगी।

भद्रा मे दहन अनिष्टकारी

ज्योतिषियों के अनुसार, इस वर्ष होलिका दहन का मुहूर्त 17 मार्च को रात 09:02 मिनट से रात 10:16 मिनट के मध्य है। होलिका दहन के लिए एक घंटा 10 मिनट का समय प्राप्त होगा। जब पूर्णिमा तिथि को प्रदोष काल में भद्रा न हो, तो उस समय होलिका दहन करना उत्तम होता है। यदि ऐसा नहीं है, तो भद्रा की समाप्ति की प्रतीक्षा की जाती है। भद्रा वाले मुहूर्त में होलिका दहन अनिष्टकारी होता है।

भद्रा पूंछ के दौरान कर सकते है होलिका दहन

शास्त्री ने बताया कि होलिका दहन भद्रा रहित प्रदोष व्यापिनी फाल्गुन पूर्णिमा में किया जाता है। इस वर्ष 17 मार्च 2022 को फाल्गुन शुक्ल 14 फाल्गुन पूर्णिमा प्रदोष व्यापिनी है। लेकिन भद्रा 1/29 से रात्रि 1.12 तक प्रबल है। अगले दिन प्रदोष काल में पूर्णिमा की अनुपस्थिति होती है। इसलिए होलिका दहन गुरुवार 17 मार्च को भाद्र पुच्छ काल में 9.06 से 10.16 तक है।

सबसे अधिक योजनाएं और नारे देश में सबसे पहले लागू करने वाले मुख्यमंत्री

गहलोत ने बनाया नवाचारों का रिकॉर्ड, सीएम के रहते किए नवाचार

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में अब तक की 75 वर्ष की अवधि में मुख्यमंत्री के रूप में सबसे पहला नवाचार भले ही भैरोसिंह शेखावत ने लागू किया लेकिन नवाचारों के मामले में मौजूदा मुख्यमंत्री अशोक गहलोत देश में अन्य मुख्यमंत्रियों से कहीं आगे निकल गए हैं। शेखावत ने 1977 में हर गरीब तक अनाज पहुंचाने के लिए अंत्योदय योजना लागू की थी, जो 40 साल तक चर्चा में रही। आज भी केंद्र सरकार इसे दीनदयाल अंत्योदय योजना के नाम से संचालित कर रही है। गहलोत अब तक 14 से ज्यादा ऐसी योजनाएं, बजट या नारे ला चुके हैं, जो पूरे देश में लोकप्रिय हुए हैं। यानी देश में सर्वाधिक योजनाओं, इनिशिएटिव और नारे लागू करने का रिकॉर्ड गहलोत के नाम है। गहलोत अकेले ऐसे सीएम हैं, जो देश में पहली बार जेंडर, पेपरलेस और कृषि बजट लाए। उनके बाद दूसरा रिकॉर्ड वसुंधरा राजे के नाम है, जिनके 8 कदम देश में लोकप्रिय रहे।

गहलोत : फ्री इलाज से फ्री फोन तक की योजनाएं

- 2 अक्टूबर 2011: मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना शुरू की
- 1999 में 'पानी बचाओ, बिजली बचाओ, सबको पढ़ाओ' नारा दिया
- पहला जेंडर बजट 2012-13 में
- पहला पेपरलेस बजट 2021 में
- पहला स्टेट कृषि बजट 2022 में
- शहरों में 100 दिन की इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना
- अस्पतालों में ओपीडी, आईपीडी फ्री
- चिरंजीवी दुर्घटना बीमा योजना के तहत 5 लाख तक का इलाज फ्री
- पहले सरकारी महात्मा गांधी सरकारी इंग्लिश मीडियम स्कूल योजना
- महिलाओं के लिए मुख्यमंत्री वर्क फ्रॉम होम-जॉब वर्क योजना
- बेघरों के लिए सीएम पुनर्वास गृह योजना
- पहली बार 8 शहरों के लिए राजस्थान स्मार्ट सिटी योजना
- 2012 में बेरोजगारों के लिए सीएम युवा स्वावलंबन योजना लाए
- 2021 में फ्री पानी को सीएम राजनीर योजना।

वसुंधरा : अन्नपूर्णा रसोई व राखी पर फ्री सफर

- लड़कियों के लिए सीएम राजश्री योजना (2016-17)
- ग्राम पलायन रोकने को स्मार्ट विलेज योजना (2017-18)
- 9894 गांवों में पहली बार ग्रामीण गौरव पथ योजना
- आपकी बेटी योजना: 8वीं तक 1100 व 12वीं तक 1500 रु.
- पूरी आबादी के लए भामाशाह आधार कार्ड योजना
- 8 मार्च को रक्षाबंधन पर महिलाओं को पहली बार रोडवेज में फ्री योजना की शुरुआत
- 2018 में 1 करोड़ से ज्यादा महिलाओं को मोबाइल बांटे
- 25 अक्टूबर 2016 को अन्नपूर्णा रसोई शुरू की। 8 रुपए में खाना उपलब्ध कराया, गहलोत सरकार ने नाम बदलकर इसे इंदिरा रसोई किया।

बजट घोषणाओं के लिए आभार : अनुदान बढ़ोतरी से...

पशुपालकों के घर आएगी खुशहाली-मुख्यमंत्री

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार ने बजट में सभी वर्गों के कल्याण के लिए घोषणाएं की हैं। प्रदेश की अर्थव्यवस्था में कृषि एवं पशुपालन क्षेत्र के महत्व को देखते हुए पहली बार अलग से कृषि बजट प्रस्तुत किया। डेयरी उद्योग को मजबूत करने के लिए मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना के तहत अनुदान राशि को 2 रूपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 5 रूपये प्रति लीटर करने जैसा अभूतपूर्व कदम हमारी सरकार ने उठाया है। हमारा प्रयास है कि इस योजना के माध्यम से पशुपालकों के घर में खुशहाली आए और दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में राजस्थान देश का अग्रणी राज्य बने।

गहलोत मुख्यमंत्री निवास पर बजट घोषणाओं के लिए आभार व्यक्त करने बड़ी संख्या में पहुंचे दुग्ध उत्पादकों के प्रतिनिधिमण्डल को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान विभिन्न वर्गों, समुदायों एवं संस्थाओं से सम्बन्धित अन्य प्रतिनिधिमंडलों ने भी गहलोत का बजट के लिए अभिनन्दन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने अपने पिछले कार्यकाल में भी पशुपालकों के लिए 2 रूपये प्रति लीटर अनुदान दिया था लेकिन पिछली सरकार के समय इसे बन्द कर दिया गया। इस बार हमारी सरकार बनते ही पुनः इसे लागू किया। अब जल्द ही पशुपालकों को 5 रूपये प्रति लीटर अनुदान मिलने लगेगा। गहलोत ने कहा कि वर्ष 2004 के बाद नियुक्त कार्मिकों के लिए पूर्व पेंशन योजना लागू करने, मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत निशुल्क बीमा कवरेज को 5 लाख से बढ़ाकर 10 लाख रूपये करने, सभी सरकारी अस्पतालों में ओपीडी एवं आईपीडी में निशुल्क उपचार, शहरी क्षेत्रों में रोजगार गारन्टी योजना प्रारम्भ करने, प्रदेश के सभी जिलों में किसानों को दिन में बिजली देने जैसी घोषणाएं इस बजट के माध्यम से की गई हैं। हम सभी का यह दायित्व है कि इन घोषणाओं को प्रदेश के जन-जन तक पहुंचाएं और उन्हें लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करें। अजमेर डेयरी के अध्यक्ष रामचंद्र चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने दुग्ध अनुदान राशि बढ़ाने की घोषणा कर प्रदेशभर के पशुपालकों को उम्मीद से कहीं अधिक राहत दी है। इस अवसर पर डेयरी संघ, राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन एकीकृत, पशु चिकित्सक एवं कर्मचारी संघ, विश्वकर्मा ट्रांसपोर्ट यूनियन, बागरिया समाज, घुमंतु जाति उत्थान समिति मेडता, रोडवेज सेवानिवृत्त कर्मचारी कल्याण समिति, विप्र कल्याण बोर्ड, महाराणा प्रताप कृषि विश्वविद्यालय उदयपुर, पिंकसिटी फल सब्जी व्यापार समिति, जैतारण विधानसभा क्षेत्र, जस्टिस फॉर छाबड़ा संगठन सहित विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधिमण्डलों ने भी बजट घोषणाओं के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

सैन्य गतिरोध : भारत और चीन के बीच 15 वें दौर की बातचीत शुक्रवार को

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। पूर्वी लद्दाख में पिछले करीब दो वर्ष से चले आ रहे सैन्य गतिरोध को दूर करने के लिए भारत और चीन के कोर कमांडरों के बीच 11 मार्च को 15 वें दौर की बातचीत होगी। उच्च पदस्थ रक्षा सूत्रों ने मंगलवार को यहां बताया कि 15 वें दौर की यह बातचीत भारतीय सीमा में स्थित चुशूल मोल्दो में होगी। दोनों सेनाओं के कोर कमांडरों के बीच अब तक 14 दौर की बातचीत हो चुकी है।

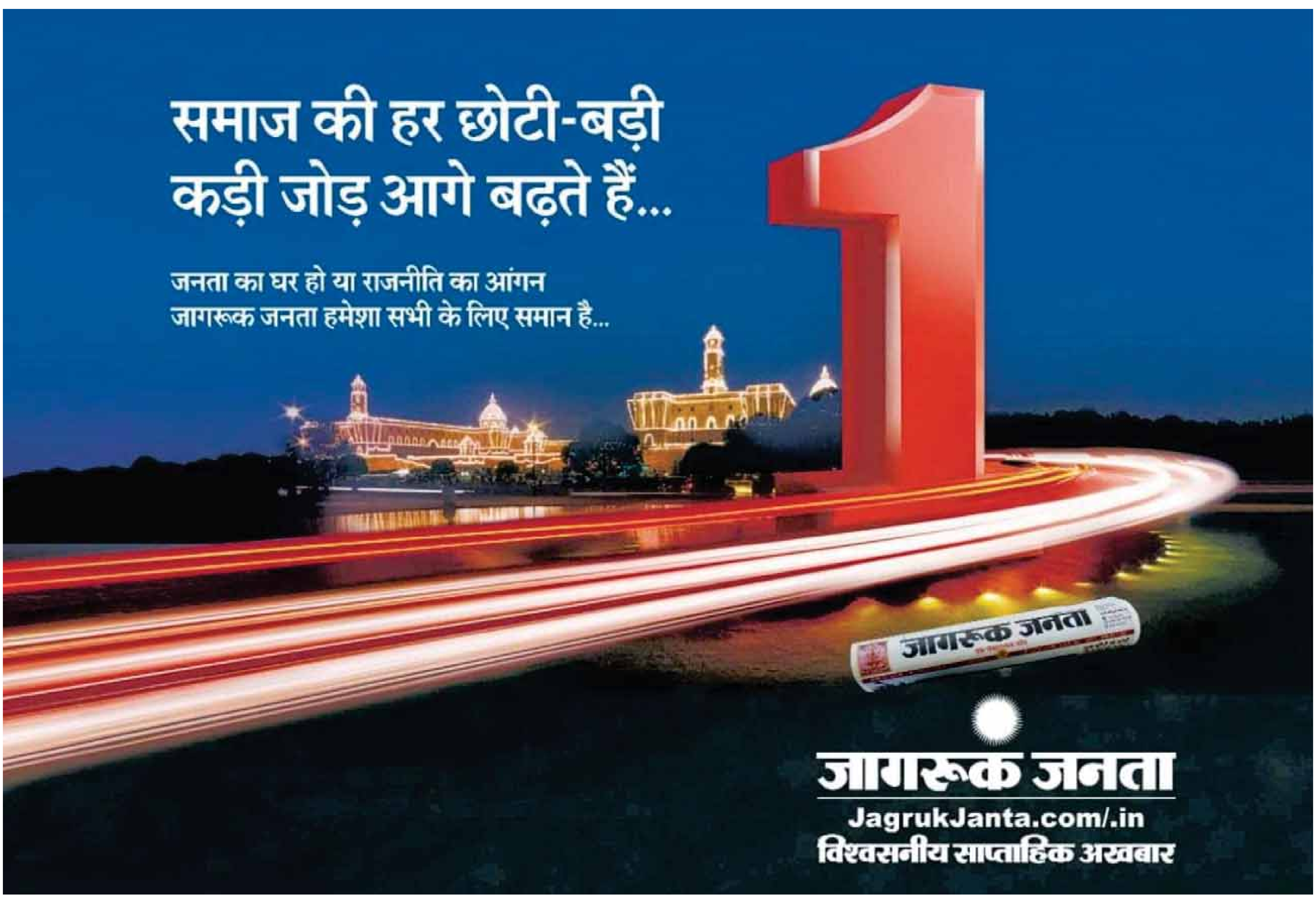

सीखने की बात

अपनी जरूरत के लिए धन कमाना अच्छी बात है, किन्तु धन-दौलत जमा करने की भूख होना बुरी बात है...

- अज्ञात

शिक्षकों-छात्रों पर भारी पड़ने लगी शिक्षा तंत्र की कमियां

बच्चों को स्कूलों में जो सीखना चाहिए, वह आखिर वे क्यों नहीं सीख पा रहे हैं? आइए, इसके लिए जिम्मेदार व्यवस्थागत कारणों का पता लगाएं। पहला कारण हमारी स्कूली शिक्षा-व्यवस्था की रूपरेखा से पैदा होता है। हमने कुछ दशक पहले एक विकल्प चुना था कि छोटे बच्चों की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक बस्ती में एक किलोमीटर के भीतर एक प्राथमिक विद्यालय होना चाहिए। यह कोशिश वाकई काम आई और यह एक प्रमुख कारण रहा है कि उस आयु वर्ग के अधिकांश बच्चे अब प्राथमिक विद्यालयों में जा रहे हैं, लेकिन इसने कुछ मुश्किलें भी पैदा कर दी हैं। चूंकि हर प्राथमिक विद्यालय एक बस्ती की सेवा करता है, इसलिए कक्षा एक से पांच तक के बच्चों की संख्या कम होती है। छोटे छात्र समूह के चलते स्कूल में अक्सर एक या शायद दो शिक्षक होते हैं। वे एक साथ पांच कक्षाएं पढ़ाते हैं और तीन विषय भी। इस शिक्षण से मुश्किलें कई गुना बढ़ जाती हैं। ऐसे स्कूलों के शिक्षक अलग-थलग पड़ जाते हैं और उनकी मदद करना भी कठिन होता है। समस्या का दूसरा कारण सार्वजनिक शिक्षा में अपर्याप्त निवेश से पैदा होता है, कहीं संसाधनों की कमी होती है, तो कहीं गुणवत्ता अच्छी नहीं होती। शिक्षा पर हमें जितना खर्च करना चाहिए, उतना हम नहीं कर रहे हैं। दशकों से हम शिक्षा पर छह प्रतिशत खर्च करने की प्रतिबद्धता जताते रहे हैं, पर खर्च लगभग तीन प्रतिशत ही कर रहे हैं। खर्च में कमी कई समस्याओं को रेखांकित करती है। शिक्षकों की कमी, कुछ राज्यों में बड़ी संख्या में अल्पकालिक अनुबंध वाले, कम पारिश्रमिक वाले शिक्षक भी समस्या हैं। शिक्षकों की कमी की वजह से भी शिक्षा की पहुंच नहीं बन पा रही है। स्कूल की अन्य जरूरतों को पूरा करने के लिए स्टाफ की कमी भी आड़े आती है। स्कूलों में शौचालय, पानी और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी के साथ खराब रखरखाव की भी समस्या है। वर्षों से मध्याह्न भोजन में पोषण का स्तर खराब हो रहा है। इन तमाम कमियों की वजह से बच्चों का स्कूलों के साथ लगाव भी प्रभावित होता है। तीसरा कारण है, हमारी खराब शिक्षक शिक्षा प्रणाली। हमारे पास दुनिया की सबसे खराब और सबसे भ्रष्ट शिक्षक शिक्षा प्रणाली है। असलियत यह है कि हमारे 90 लाख शिक्षकों में से अधिकांश ने बहुत खराब गुणवत्ता वाला बीएड या डीएड पूरा किया है। कई शिक्षण कॉलेज ऐसे भी हैं, जो सिर्फ डिग्री बेचते हैं, यहां तक कि छात्रों को कक्षाओं में जाने की जरूरत भी नहीं पड़ती है। न केवल बुनियादी शिक्षा पर, बल्कि शिक्षक शिक्षा-व्यवस्था सुधारने की दिशा में भी काम करना जरूरी है। चौथा कारण है हमारी शिक्षा प्रणाली की रूपरेखा और संस्कृति, जो शिक्षा व्यवस्था को लचीला और मजबूत बनाने के बजाय कठोर व केंद्रीकृत बनाती है। ऐसी संस्कृति को बढ़ावा मिला है, जो शिक्षकों को बलि का बकरा मानती है और जो शिक्षकों के वास्तविक सामाजिक-मानवीय जुड़ाव से रहित है। ऐसे में, शिक्षक बड़े पैमाने पर असहाय, पदावनत और कमजोर हैं। पांचवां कारण है व्यवस्था का प्रशासनिक नेतृत्व और प्रबंधन। व्यवस्था की रूपरेखा चाहे जैसी हो, नेतृत्व से फर्क काफी पड़ता है। कुछ राज्यों में अच्छे नेता फर्क पैदा कर देते हैं, लेकिन अनेक बार नेतृत्व घटिया होता है। ऐसे में, शिक्षकों से लगातार गैर-शैक्षणिक मांगें की जाती हैं, चुनाव ड्यूटी से लेकर मलेरिया विरोधी अभियान तक, उनकी प्राथमिकताएं लगातार बदलती रहती हैं। गैर-शैक्षणिक कार्य उन्हें उनकी मुख्य भूमिका से भटकाते हैं। इसके अलावा, पाठ्यपुस्तकों का विकास भी जरूरी है। छठा कारण स्कूली शिक्षा में प्रमुख संस्थानों की लचर क्षमता है। हमारे पास ऐसे दूरदर्शी संस्थान होने चाहिए, जो महत्वपूर्ण शैक्षणिक मामलों में नेतृत्व व सहयोग करें। जैसे, पाठ्यक्रमों, पाठ्यपुस्तकों व मूल्यांकन प्रणाली का विकास आदि। हमारे पास ऐसे अहम संस्थान होने चाहिए, जो स्थानीय जरूरतों के अलावा देश के भी काम आएं। हालांकि, बहुत से ऐसे संस्थान आंतरिक और बाहरी राजनीति में उलझे हुए हैं। हमारे शैक्षणिक विचार और व्यवहार ऐसे हैं, जो हमें नीचे ले जा रहे हैं। भारत में सीखने या पढ़ाई पर जो संकट खड़ा हुआ है, उससे निपटने की न तो क्षमता दिखती है और न इच्छा। हमारे शिक्षकों-बच्चों को खुद अपनी देखभाल के लिए छोड़ दिया गया है।

सम्पादकीय

भारत के प्रयास

यूक्रेन और रूस के बीच जारी युद्ध में भारतीय पक्ष का रुख न केवल संवेदनशील, बल्कि संतुलित भी है। भारत ने हमले की निंदा खुले शब्दों में भले न की हो, लेकिन उसने रूसी हमले का पक्ष भी नहीं लिया है और यूक्रेन की स्वतंत्रता और संप्रभुता के पक्ष में डटा हुआ है। कुल मिलाकर, भारत शांति का पक्षधर है और उसने विदेश मंत्रालय के स्तर से लेकर संयुक्त राष्ट्र तक यह बार-बार दोहराया है। भारत का इतिहास है कि इसने कभी किसी देश पर आगे बढ़कर हमला नहीं किया और न कभी किसी हमले का पक्ष लिया है। अगर भारत लगातार दुनिया के देशों से यह सुनता आया है कि वह शांति से पड़ोसियों के साथ अपने विवादों को सुलझाए, तो भारत दूसरे देशों को भी समय-समय पर यह जरूरी नसीहत देता आया है। संयुक्त राष्ट्र में भी भारत का पक्ष पारदर्शी है। प्रधानमंत्री भी विश्व के दूसरे देशों के नेताओं के साथ सुलह-शांति की दिशा में सक्रिय हैं। बीते दिनों भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के बीच बात हुई है, दोनों पूरी तरह सहमत थे कि जल्दी से जल्दी युद्धविराम होना चाहिए। युद्ध जब शुरू हुआ था, तब भारत पर विशेष दबाव था कि वह युद्ध रोकने की पहल करे और भारत ने अपने दायरे में रहते हुए पुरजोर कोशिश की भी है। यहां तक कि भारत के रुख से अमेरिका को भी कोई शिकायत नहीं है। रूस भारत का आजमाया हुआ मित्र देश है, इस हिसाब से भी भारत का संतुलित रुख वास्तव में युद्ध का विरोध ही है। भारत में पदस्थ रूसी राजदूत ने भी संयुक्त राष्ट्र में भारत द्वारा अपनाए गए निष्पक्ष और संतुलित रुख के लिए आभार जताया है। भारत ने न केवल संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने का आह्वान किया है, बल्कि हिंसा और शत्रुता को तत्काल समाप्त करने की भी मांग की है। भारत इस समस्या का समाधान कूटनीति के रास्ते से देखना चाहता है। पिछले दिनों कुछ व्यग्रता का परिचय देते हुए पोलैंड जैसे देश भारत या भारतीयों के खिलाफ दिखने लगे थे, लेकिन अब उन्हें भी भारत की कोशिशों का महत्व समझ में आने लगा है। भारत की कोशिशें उन देशों से कहीं बेहतर हैं, जो यूक्रेन को हथियार देकर आग में घी डालने का काम कर रहे हैं। लेकिन उन्हें यह सोच लेना चाहिए, जब रूस में तबाही शुरू होगी, तब इस युद्ध का क्या रुख होगा? यह बात रूस तक भी पहुंचनी चाहिए और भारत इस ओर इशारा कर रहा है। ऐसा भी नहीं है कि पूरा रूस ही हमले का हामी हो गया हो। आज जरूरी है कि यूक्रेन में मुश्किल में फंसे भारतीयों ही नहीं, बल्कि आम लोगों तक हर जरूरी मानवीय मदद पहुंचे। ध्यान रहे, भारत मानवीय आधार पर राहत सामग्री यूक्रेन भेजने में आगे है। जो विमान भारतीयों को लाने के लिए उधर जा रहे हैं, उनमें राहत सामग्री के पैकेट भी भेजे जा रहे हैं। भारत उन सबके साथ है, जो मदद की बाट जोह रहे हैं। किसी भी देश में यह भ्रम पैदा नहीं होना चाहिए कि भारत हाथ पर हाथ धरे बैठा है। भारत ने उचित ही संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को यह भी बता दिया है कि वह सभी संबंधित पक्षों के संपर्क में है और उनसे बातचीत की मेज पर लौटने का आग्रह कर रहा है। निस्संदेह, भारत को मानवता के पक्ष के साथ-साथ अपना हित देखते हुए शांति और राहत के प्रयासों में जुटे रहना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायोग के आंकड़ों के अनुसार सिर्फ सात दिन में यूक्रेन से पड़ोसी देशों में 10 लाख लोगों ने पलायन किया है। पलायन करने वाले लोगों की संख्या यूक्रेन की आबादी के दो प्रतिशत से अधिक है। एजेंसी का अनुमान है कि यूक्रेन से अंततः 40 लाख लोग पलायन कर सकते हैं और यह संख्या अनुमान से भी अधिक हो सकती है।

आसान नहीं है अपनी धरती को विदा कह देना

श्याम माथुर
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

रूसी हमले से जान बचा कर सुरक्षा की आस में वहां से भागते यूक्रेनियों के दर्द को समझना शायद हमारे लिए आसान है, क्योंकि दो साल पहले कोरोना काल में हमने भी हजारों-लाखों लोगों के विस्थापन को झेला है। लेकिन क्या वाकई हम विस्थापन की तकलीफ को महसूस कर पाते हैं?

मनुष्यों पर प्रयोग के इस नाज़ुक समय में/जब व्यवस्थाएँ निर्णायक होने की दौड़ में हैं/मनुष्य की कोशिकाओं में प्रवेश के लिए अधीर/और स्वाधीन चेतना पर नियंत्रण के लिए तत्पर/तब करोड़ों लोगों का चुपचाप चलना/और करोड़ों लोगों का चुपचाप देखते रहना/किसके हक में है?/यह सहज स्वीकार है या प्रतिरोध/क्या किसी और अनहोनी का इंतज़ार है?

कवि नवल शुक्ल की इन पंक्तियों में पलायन और विस्थापन के दर्द को आसानी से समझा जा सकता है। हालांकि कवि ने यह पंक्तियां दो साल पहले तब लिखी थीं, जब कोरोना के कारण देश में 21 दिनों के पहले संपूर्ण लॉकडाउन के बाद देश के अलग-अलग इलाकों में कामगारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया था। चौतरफा मुसीबतों के बीच अधिकतर श्रमिकों के सामने यही रास्ता बचा था कि वो किसी तरह अपने घर लौट जाएँ। लेकिन लॉकडाउन में यातायात पर प्रतिबंध लगा हुआ था। इसके बावजूद हजारों कामगार पैदल ही अपने-अपने घरों की तरफ लौटने लगे थे।

पलायन और विस्थापन यह दर्द वर्तमान दौर में फिर से पूरी दुनिया को याद आने लगा है। इस बार दर्द ने अपना ठिकाना बदल लिया है। हिंदुस्तान की बजाय इसने यूक्रेन को अपना ठिकाना बना लिया है। यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद एक सप्ताह के भीतर 10 लाख लोगों ने अपनी धरती, अपने देश को अलविदा कह दिया है। यह आंकड़े किसी और ने नहीं, बल्कि संयुक्त राष्ट्र की शरणार्थी एजेंसी (यूएनएचसीआर) ने सार्वजनिक किए हैं। एजेंसी ने कहा है कि रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद से 10 लाख लोग देश छोड़कर भाग गए हैं। यूएनएचसीआर का कहना है कि यूक्रेन के पश्चिमी हिस्से वाले पड़ोसी देशों में लोगों का भागकर जाना जारी है। संयुक्त राष्ट्र के शरणार्थी मामलों के उच्चायोग (यूएनएचसीआर) प्रमुख फिलिपो ग्रांडी ने अपने ट्वीट में कहा, 'केवल सात दिनों में हमने यूक्रेन से दस लाख शरणार्थियों का पड़ोसी देशों में पलायन देखा है। यूक्रेन के अंदर कई लाख लोगों की खातिर बंदूकों के शांत हो जाने का समय आ गया है, ताकि जीवन को बचाने वाली मानवीय सहायता दी जा सके।'

यूक्रेन छोड़कर जाने वाले इन लोगों में समाज के अधिकतर कमजोर वर्ग के लोग शामिल हैं, जो पलायन को लेकर स्वयं फैसला करने में सक्षम नहीं हैं और उनकी यात्रा को सुरक्षित बनाने के लिए उन्हें सहायता की आवश्यकता है।

इस सदी में पहले कभी इतनी तेज गति से पलायन नहीं हुआ है। पिछले हफ्ते से जारी रूसी आक्रमण के कारण करीब पांच लाख लोग यूक्रेन से पोलैंड पहुंच चुके हैं। यूरोप में पोलैंड के अलावा रोमेनिया समेत कई देशों ने यूक्रेन से पहुंच रहे शरणार्थियों के लिए सीमा, दिल और दरवाजे खोल दिए हैं। पोलैंड के वॉरसॉ में अधिकारियों ने बताया है कि बीते कुछ ही दिनों में यूक्रेन की ओर से उनकी सीमा में लाखों लोग पहुंच रहे हैं। पोलैंड के प्रधानमंत्री माटेउस मोरावीस्की ने कहा है, 'हम अपने पड़ोसियों की मदद करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और हम ऐसा कर रहे हैं। हमने एक मानवीय गलियारा बनाया है और हमारी तरफ से जो कुछ भी हो सकता है हम वो सब कुछ तेजी से कर रहे हैं।' उनके इस रवैये की रोम से पोप फ्रांसिस ने प्रशंसा की है। पोप ने कहा, 'यूक्रेन का साथ देने वाले आप पहले थे। युद्ध से भाग रहे यूक्रेनी लोगों के लिए आपने अपनी सीमाएं, दिल और दरवाजे सब खोल दिए।' बीते कई महीनों से रूस हमले की ऐसी किसी भी संभावना से इनकार करता आया था। अमेरिका समेत कुछ देशों से लगातार ऐसी सूचनाएं और चेतावनियां मिल रही थीं कि यूक्रेनी सीमा पर रूसी जमावड़ा बढ़ रहा है। पहले से अपने कहे पर पलटते हुए रूस ने यूक्रेन पर हमला कर दिया। तभी से हजारों, लाखों की संख्या में आम शहरियों का हमले वाली जगहों से निकल कर भागना जारी है। जो लोग भी युद्ध से भाग रहे हैं, चाहे वे किसी भी राष्ट्रीयता के हों, पोलैंड उन लोगों की मदद कर रहा है।

यूरोप में केवल पोलैंड ही शरणार्थियों का ठिकाना नहीं है। करीब 120,000 लोग रोमेनिया पहुंचे जिनमें से आधे से भी अधिक लोग रोमेनिया से भी आगे दूसरे यूरोपीय देशों की ओर बढ़ चुके हैं। समाचार एजेंसी मीडियाफैक्स ने लिखा है कि रोमेनिया के प्रधानमंत्री निकोला सियूका के अनुसार अब केवल 46,000 यूक्रेनी शरणार्थी ही रोमेनिया में बचे हैं। यूरोप के चेक रिपब्लिक जैसे देशों में युद्ध शुरू होते ही लोग पहुंचने लगे। प्रशासन ने जानकारी दी है कि अब तक उन्होंने यूक्रेन से आए करीब 20,000 लोगों का रजिस्ट्रेशन किया है। कई और यूरोपीय रेल ऑपरेटरों ने साथ मिल कर 40 अंतरराष्ट्रीय बाई स्पीड ट्रेनें चलाई गई हैं जो कि शरणार्थियों को ऑस्ट्रिया, चेक रिपब्लिक और पोलैंड से जर्मनी ले कर आएंगी। अगर यूक्रेन से आए लोग आगे बेल्जियम, डेनमार्क, फ्रांस, लक्जेमबर्ग, नीदरलैंड या स्विट्जरलैंड जाना चाहेंगे, तो उन्हें भी यह तेज रफ्तार ट्रेनें मुफ्त में वहां पहुंचाएंगी।

युद्ध शरणार्थियों की इस विश्वव्यापी समस्या का फिलहाल कोई समाधान नजर नहीं आ रहा है। शरणार्थियों में कई बच्चे शामिल हैं। इनमें कई ऐसे लोग शामिल हैं, जो मानसिक या शारीरिक रूप से अक्षम हैं और जिन्हें रूसी हमले के कारण आश्रय केंद्रों को छोड़कर देश से बाहर जाना पड़ा। जो लोग युद्ध से भाग रहे हैं, वे आज हमारे 'सभ्य' समाज से यह सवाल कर रहे हैं कि जंग कारण होने वाली मौतों और बर्बादी का जिम्मेदार कौन है। और इससे भी अहम सवाल यह कि सुप्रीमेसी की भावना से जुड़े इस युद्ध से आखिर मानव और मानवीयता को कितना फायदा होने वाला है?

जीवन

प्रदीप शर्मा
समाजसेवक
@jagrukjanta.net

आओ मिलकर आग लगाएं,
नित नित नूतन स्वांग करें,
पौरुष की नीलामी कर दें,
आरक्षण की मांग करें,
पहले से हम बंटे हुए हैं,
और अधिक बंट जाएँ हम,
100 करोड़ हिन्दू है,
मिलकर इक दूजे को खाएं हम,
देश मरे भूखा चाहे पर अपना पेट भराओ जी,
शर्माओ मत, भारत माँ के बाल नोचने आओ जी,
तेरा हिस्सा मेरा हिस्सा,किस्सा बहुत पुराना है,
हिस्से की रस्साकसियों में भूल नही ये जाना है,
याद करो ज़मीन के हिस्सों पर जब हम टकराते थे,
गज़नी कासिम बाबर मौका पाते ही घुस आते थे
अब हम लड़ने आये हैं आरक्षण वाली रोटी पर,
जैसे कुत्ते झगड़ रहे हों कटी गाय की बोटी पर,
हमने कलम किताब लगन को दूर बहुत ही फेंका है,
नाकारों को खीर खिलाना संविधान का ठेका है,
मैं भी पिछड़ा,मैं भी पिछड़ा, कह कर बनो भिखारी जी,
ठाकुर पंडित बनिया सब के सब कर लो तैयारी जी,
जब पटेल के कुनबों की थाली खाली हो सकती है,
कई राजपूतों के घर भी कंगाली हो सकती है,
बनिए का बेटा रिक्शे की मज़दूरी कर सकता है,
और किसी वामन का बेटा भूखा भी मर सकता है,
आओ इन्ही बहानों को लेकर,सड़कों पर टूट पड़ो,
अपनी अपनी बिरादरी का झंडा लेकर छूट पड़ो,
शर्म करो,हिन्दू बनते हो,नस्लें तुम पर थूकेंगी,
बंटे हुए हो जाति पंथ में,ये ज्वालायें फूकेंगी,
मैं पटेल हूँ मैं गुर्जर हूँ,लड़ते रहिये शानों से,
फिर से तुम जूते खाओगे गजनी की संतानो से,
ऐसे ही हिन्दू समाज के कतरे कतरे कर डालो,
संविधान को छलनी कर के,गोबर इसमें भर डालो,
राम राम करते इक दिन तुम अस्सलाम हो जाओगे,
बंटने पर ही अड़े रहे तो फिर गुलाम हो जाओगे...।।

ओपिनियन

बिना सबक युद्ध-दर-युद्ध बढ़ती गई दुनिया

विजय विद्रोही
पत्रकार
@jagrukjanta.net

रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध में नए-पुराने का मिश्रण दिख रहा है। टैंकों से भी चढ़ाई हो रही है। साइबर युद्ध भी लड़ा जा रहा है, और परमाणु हथियारों का डर भी दिखाया जा रहा है। आर्थिक प्रतिबंधों का भी हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। दो विश्व युद्ध यूरोप झेल चुका है। ऐसे में, यूरोप में युद्ध फिल्मकारों का प्रिय विषय रहा है। युद्ध की विभीषिका के जरिये संवेदनाओं को जगाने की कोशिश फिल्मकार करते रहे हैं। इसमें यूक्रेन के फिल्मकार भी शामिल रहे हैं। फिल्मकार भी कभी क्रीमिया, कभी डोनाबास और कभी पूरे यूक्रेन के बहाने रूस के इरादों पर सवाल उठाते रहे हैं। यूरोपीय संघ को आगाह करते रहे हैं। अमेरिका को चेताते रहे हैं। आज जब युद्ध चल रहा है, तो ऐसी ही कुछ फिल्मों को याद करना जरूरी है। क्रीमिया को लेकर निर्देशक नरीमन एलीव की फिल्म होमवार्ड याद आती है। 2019 में बनी इस फिल्म में बाप-बेटे की कहानी है। एक बाप अपने छोटे बेटे के साथ अपने बड़े बेटे का शव लेकर क्रीमिया जा रहा है, जहां वह पारिवारिक रस्म के साथ बेटे का दाह संस्कार करना चाहता है। बेटा फौज में था और क्रीमिया को बचाने के एवज में रूसी सेना के हाथों मारा गया। फिल्म में रूसी सेना की तरफ से किए गए अत्याचार को दर्शाया गया है।

साल 2019 में ही एक अन्य फिल्म एटलान्टिस आई थी। इस फिल्म को 76वें वेनिस अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार मिला था। निर्देशक वेलेंटाइन वासनोविच ने उसी समय भविष्य में होने वाले यूक्रेन-रूस युद्ध की परिकल्पना कर ली थी। फिल्म का कथानक 2025 का रखा गया। वैसे भी, 2014 के बाद से ही यूक्रेन में युद्ध जैसे हालात बने हुए थे। डोनाबास और क्रीमिया से दस लाख से भी ज्यादा लोग अपना घर छोड़ने को मजबूर हुए थे। हर दूसरे या तीसरे दिन कहीं न कहीं लोगों के मारे जाने की खबरें आती रहती थीं। फिल्म में बताया गया है कि यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध छिड़ता है और इसमें एक अकेले आदमी के जरिये समूची विभीषिका को सामने रखा गया है। एक आदमी का सब कुछ किस तरह युद्ध छीन लेता है और उसके साथ कोई नहीं होता। फिर भी युद्ध जारी रहता है और युद्ध आज भी जारी है। फिल्म तो 2025 को लेकर बनाई गई थी, लेकिन युद्ध 2022 में ही शुरू हो गया। यहां उस भारतीय पिता की व्यथा को भी जोड़कर देखा जा सकता है, जिसका बेटा अपने खाने का इंतजाम करने बंकर से निकला और मारा गया।

एटलान्टिस के निर्देशक वेलेंटाइन वासनोविच ने ही 2021 में रिफ्लेक्शन नाम की फिल्म बनाई। इस फिल्म में एक नौजवान डॉक्टर की कहानी है, जो डोनाबास में रूसी सेना के हाथों घायल हुए आम नागरिकों का उपचार करने में लगा है। इस डॉक्टर को रूसी सैनिक अपने साथ ले जाते हैं। डॉक्टर को भयंकर यंत्रणा और हिंसा के दौर से गुजरना पड़ता है। निर्देशक का कहना था कि उन्होंने यह फिल्म यूरोपीय संघ के देशों को ध्यान में रखकर बनाई थी कि कैसे उनके दरवाजे पर ही निहत्थों पर अत्याचार हो रहा है और यूरोप के अमीर देश आंखें मूंदे बैठे हैं। इस बहाने सभ्य दुनिया से भी सवाल पूछा गया कि उसकी खामोशी का आखिर मतलब क्या है?

इस विषय को नताल्या वोरजबिट ने 2020 में बनी अपनी फिल्म बैड रोड्स में भी उठाया था। यहां भी डोनाबास की ही कहानी सामने रखी गई थी। चार आम नागरिकों की जिंदगी कैसे युद्ध से बदल जाती है। कैसे रोज-रोज बम धमाके, आग, हिंसा, लाशें, मौतें, उजड़ी इमारतों को देखते-देखते इन लोगों के दिलोदिमाग से युद्ध का डर खत्म हो जाता है। निर्देशक का कहना था कि ऐसी कहानियां हम दादा-परदादा से सुना करते थे, जिन्होंने दूसरे विश्व युद्ध की त्रासदी देखी थी। कहा गया था कि दुनिया ने सबक सीखा है, दुनिया ज्यादा संवेदनशील और बेहतर हुई है, लेकिन यह सब गलत निकला। आज भी हम उसी दौर से गुजरने के लिए मजबूर हैं, जिनसे हमारे दादा-परदादा गुजरे थे। उस फिल्म में बताया गया है कि दुनिया आगे नहीं बढ़ रही है, बल्कि गोल-गोल घूम रही है। वही पुरानी गलतियां फिर-फिर से कर रही हैं। इस फिल्म में बड़ी खूबसूरती से बताया गया है कि आज की पीढ़ी विकास चाहती है, युद्ध नहीं। लेकिन क्या यह बात युद्ध के पक्षधर देशों को समझ में आएगी?

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज ।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

दास भक्त भी अनेक प्रकार के माने गए हैं जैसे ब्रह्मा, इन्द्र, कुबेर, वरुण आदि भगवान के अभिकृत भक्त हैं, विभीषण, सुग्रीव आदि भगवान के शरणागत भक्त हैं, सनत्कुमार, शौनक, नारद और शुकदेव, ज्ञाननिष्ठ भक्त हैं, उद्धव, विदुर, संजय, भीष्म, सारथी आदि परिषद भक्त हैं। भगवान का जो दास भक्त होता है वह अन्य किसी भी दूसरे का दास नहीं होता और न किसी दूसरे को दास बनाता है। भगवान के दास भक्त उन पर ही आश्रित होते हैं, उनका भगवान पर अखण्ड विश्वास होता है। दास भक्त मानता है-भगवान का ऐश्वर्य अनन्त है, उनके एक-एक रोम कूप में अनन्त कोटि ब्रह्माण्ड हैं। वे करुणा के सागर हैं, उनकी शक्ति अनन्त हैं। समस्त देवी-देवता उन्हीं के अंश हैं। जितने भी अवतार हैं, भगवान ही उनकेबीज स्वरूप हैं। वे परम उदार हैं, महान तेजस्वी हैं, कृतज्ञता की मूर्ति हैं, प्रेम सेवश में होने वाले हैं आदि गुणों से युक्त परम ऐश्वर्यवाशाली भगवान ही दास्य रस के आलम्बन हैं।

सख्य भाव: इसमें भगवान के साथ समानता के भाव की प्राति होती है। इसमें भक्त अपने को दीन हीन नहीं समझता। दास्य रस में मर्यादा होती है, किंतु सख्य भाव में मान सम्मान का इतना प्रतिबंध नहीं रहता। अर्जुन, भीम, द्रौपदी, सुदामा आदि ऐश्वर्य ज्ञान युक्त सखा भक्त थे। सख्य रस में सख्य रति ही स्थायी होकर रस का रूप ग्रहण करती है। साकार भगवान के कुमार, किशोर अवस्था के अनेक सखा, समव्ययस्क अथवा उनसे आयु में बड़े भी भगवान में दृढ़ प्रेम रखने वाले अनेक सखा भक्त हुए हैं। **क्रमशः**

जागरूक Selfie विद डॉटर

गुड़िया डॉटर, अंजू, जयपुर

हमे लिखे

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : 9829329070, 9928022718

झलक: अनुशासन की जीवन मे महत्ता

तुषार पुरोहित
पत्रकार
@jagrukjanta.net

जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए किसी जादू की नहीं बल्कि बस अनुशासन की जरूरत होती है। एक इन्सान अपने जीवन में तभी कुछ बड़ा हासिल कर सकता है जब वह अनुशासन अपनाता है। सफल इन्सान कुछ अलग नहीं करते बल्कि वे वही करते हैं जो एक इंसान कर सकता है। इसका मतलब वो सफलता कोई भी प्राप्त कर सकता है। मैं भी आप भी कोई भी। बिना अनुशासन के मानवीय जीवन बिना नाविक के नाव जैसा हो जाता है। तो पानी के झोके से बह जाता हैं। यह बाहरी वस्तु न होकर यह आंतरिक प्रेरणा हैं। जो हमेशा सही करने, सही चुनने की ओर हमें चलायमान रखती हैं। अपने कर्तव्य पथ में नियम से जाओ,

प्रेम, स्नेह व नियम से कार्य संपादित करना ही अनुशील मानुष का परिचायक है। सब करेंगे तब आपका गुण गान,

ये जीवन का सबसे बहुमूल्य ज्ञान है। हमारे पूर्वज समय के पालन को लेकर बहुत ही सजग रहा करते थे। उनका हर काम समय से हुआ करता था। आज के समय में आप सफ़ल लोगों के जीवन के बारे में पढेंगे तो उन्होंने सभी को यही सन्देश ही दिया है। और खुद ने भी अनुशासन का ही पालन किया है।

"अश्लीलता से पुष्ट होती है कुरूपता, जीवन सिर्फ़ आस्था और तर्क से नहीं चलता।।"

"कोई सिद्ध मंत्र और गणितीय सूत्र भी नहीं, जिससे हल हो जाएँ सारी समस्याएं।।"

विचारों की बौछार से सूख जाता है दर्शन, स्थापनाओं में कहीं पीछे छूट जाता है सत्य।।"

"दृष्टांतों के बोझ तले टूट जाती है प्रामाणिकता, क़ानून से अधिकारों की रक्षा होती है, क़ानून में ही उड़ाई जाती हैं उसकी धज्जियाँ।।"

"निर्णय से न्याय की उम्मीद होती है, निर्णय में ही होती है अन्याय की प्रबल संभावना।।"

अनुशासन राष्ट्रीय जीवन का प्राण है। जो छात्र संस्कारवान नहीं, वह अनुशासनप्रिय नहीं हो सकता। अनुशासन से ही शिक्षा पूर्ण समझी जा सकती है। शिक्षा का उद्देश्य जीवन को अनुशासित बनाना है। एक आदर्श अनुशासित समाज पीढियों तक चलने वाली संस्कृति की ओर पहला कदम है। आज हमारे जीवन में अनुशासन की सख्त आवश्यकता है अनुशासन जीवन के विकास का अनिवार्य तत्व है, जो अनुशासित नहीं होता, वह दूसरों का हित तो कर नहीं पता, स्वयं का अहित भी टाल नहीं सकता। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अनुशासन का महत्व है। अनुशासन से धैर्य और समझदारी का विकास होता है। समय पर सही निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है। इससे कार्य क्षमता का विकास होता है तथा व्यक्ति में नेतृत्व की शक्ति जागृत होने लगती है, अनुशासन स्वतंत्रता प्रदान करता है जो व्यक्ति अनुशासित रूप से जीते हैं उन्हें स्वतः ही विद्या, ज्ञान एवं सफलता प्राप्त होती है। आइंस्टीन ने कहा है "ऐसा नहीं है कि मैं अधिक बुद्धिमान हूँ। मैं केवल समस्याओं का हल ढूंढ़ने के विषय में और समय बिताता हूँ।" अनुशासन के लिए विश्वास भरी दृढ़ता की आवश्यकता है। आप को पसंद हो या ना हो उस की चिंता करे बिना यदि आप अपने चुने हुए मार्ग पर चलते रहें तो वह वास्तव में अनुशासन है। यदि आप सकारात्मक हो कर अपने मार्ग को पसंद करने की विधि जान लें तो अनुशासित रूप से जीना सहज हो जाता है।

हमारी प्रकृति है जो नियम सिखाती है, कभी सोचो के नियम से पृथ्वी न घुमती,
सोचो के नियम से कभी हवा ना चलती,
अगर सूरज नियम से कभी ना उदय होता,
जीवन तब हमारा बिल्कुल बेबस हो जाता,
बिना हवा, सूरज के जीवन हमारा खो जाता,
हमारी फसल भी कभी अच्छी ना होती,
कभी भी मिलती न हमें खाने को रोटी।।"

इस संसार मे मानवीय जीवन में हर काम करने के लिए नियम जरुरी है। बिना नियम के काम करने से हर बात अधूरी है। नियम ना मानने वाला कभी नहीं कर पाते शासन। नियम से काम करना ही होता है।

जीवन में अनुशासन का विशेष महत्व होता है। हम बिना इसके किसी काम में सफ़ल नहीं हो सकते है।

यदि आपको अपने जीवन में सफ़ल होना है, बेहद आवश्यक है कि आप अनुशीलन का अनुसरण करें। आप इसके अभाव में अपने जीवन में कुछ भी हासिल नहीं कर सकते, और अनुशासन के बिना आप अपने सुखी जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते। "बदलाव प्रकृति का नियम है" परन्तु यह बदलाव भी अनुशासन में ही होता है। हमेशा बहार पतझड़ के बाद ही आती है।

सबका अनुशासन अलग अलग होता हैं ! जैसे पढ़ाई करने का अनुशासन, समाज में रहने का अनुशासन, लोगों से बात करने का अनुशासन सभी का अनुशासन अलग अलग होता हैं लेकिन सबका अर्थ एक हि होता हैं और वो हैं अनुशासन। ऐसा कहा जाता है कि अनुशासन का एक विद्यार्थी के जीवन में बहुत महत्व है। यह हर व्यक्ति के लिए परम आवश्यक है। बिना अनुशासन के जिन्दगी बिना डोर की एक पतंग की तरह होती है। जो तेज हवा चलने पर तो ऊपर चली जाती है। लेकिन हवा के बंद होने पर जमीन पर आ गिरती है। लेकिन अनुशासन में रहने वाले व्यक्ति हमेशा ऊपर की ओर ही जाते हैं। क्योंकि वो समय पर अपने हर काम कर लेते हैं। जिस से किसी भी तरह की चिंता नहीं रहती। इसीलिए एक व्यक्ति के जीवन में इसका महत्व है।

कितने ही आये-गये, धरती पर इन्सान ।
अनुशासन में जो रहे, बनते वही महान ।।
आज की यह झलक अनुशासन से ओतप्रोत मानुस के नाम।

.....तुषार 'निरपेक्ष'

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

पंचांग

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री

अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 09/03/2022

सूर्योदय : 06:44 **सूर्यास्त** : 18:23 **चन्द्रोदय** : 10:32 **चन्द्रास्त** : 24:55 **शक सम्वत** : 1943 पलवा **अमान्ता महीना** : फाल्गुन **पूर्णिमांत** : फाल्गुन **सूर्य राशि** : कुम्भ **चन्द्र राशि** : वृषभ **पक्ष** : शुक्ल **तिथि** : सप्तमी, 26:58 तक **वार** : बुधवार **शक सम्वत** : 1943 प्लव **चन्द्रमास** : फाल्गुन - पूर्णिमान्त, फाल्गुन - अमान्त **विक्रम सम्वत** : 2078 आनन्द **गुजराती सम्वत** : 2078 प्रमादी

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : कृत्तिका, 08:30 तक
योग : विष्कंभ, 25:16 तक
प्रथम करण : गारा, 13:43 तक
द्वितिय करण : वणिजा, 26:58 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त : 05:00 ए एम से
प्रातः सन्ध्या : 05:25 ए एम से
अभिजित मुहूर्त : कोई नहीं
विजय मुहूर्त : 02:30 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त : 06:14 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या : 06:26 पी एम से
सर्वार्थ सिद्धि योग : पूरे दिन
निशिता मुहूर्त : 12:07 ए एम,
रवि योग : 06:38 ए एम से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
चन्द्रवास : दक्षिण में
कुंभ चक्र: दक्षिण

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया
लाभ	: 06:43 - 08:11	उद्वेग : 06:22 - 07:54
अमृत	: 08:11 - 09:38	शुभ : 07:54 - 09:27
काल काल वेला	: 09:38 - 11:05	अमृत : 09:27 - 11:00
शुभ	: 11:05 - 12:33	चार : 11:00 - 12:32
रोग वार वेला	: 12:33 - 02:00	रोग : 12:32 - 02:05
उद्वेग	: 02:00 - 03:27	काल : 02:05 - 03:37
चार	: 03:27 - 04:55	लाभ : 03:37 - 05:10
लाभ	: 04:55 - 06:22	उद्वेग : 05:10 - 06:42

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज सप्तमी

आज कौन सा कार्य करें

राज संबंधी कार्य (सरकारी कार्य), व्रतबंध, प्रतिष्ठा, विवाह, यात्रा, भूषणादि के लिए शुभ होते हैं। यात्रा, शिल्प, चूड़ा कर्म, अन्नप्राशन व गृह प्रवेश शुभ है। ऋण नहीं देना चाहिए।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

फाल्गुन, शुक्ल, सप्तमी, 2078 बुधवार, 8 मार्च - 14 मार्च, 2022

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
चिंता तथा तनाव रहेंगे। व्यापार ठीक चलेगा।मानसिक शांति के लिए किए गए प्रयास सफल रहेंगे। कोर्ट-कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
किसी तरह से बड़ा लाभ होने की संभावना है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। किसी तरह के विवाद में विजय प्राप्त होगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
वाहन व मशीनरी इत्यादि के प्रयोग में लापरवाही न करें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
भावना में बहकर महत्वपूर्ण निर्णय न लें। नौकरी में कार्यभार रहेगा। लाभ होगा। स्वास्थ्यतक। संबंध में लापरवाही न करें। स्वास्थ्य पर व्यय होगा। दुःखद समाचार मिल सकता है।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]
प्रसन्नता रहेगी। किसी धार्मिक यात्रा की योजना बनेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। कार्यक्षेत्र के लिए नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। बिगड़े काम बन सकते हैं।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
समाजसेवा करने का मन बनेगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। व्यस्तता रहेगी। आराम का समय नहीं मिलेगा। करियर और कारोबार में सफलता के शुभ संकेत मिलेंगे।

कर्क [हि, हु, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में विशेष रूप से सहभागिता रहेगी। सप्ताह के मध्य में व्यवसाय के संबंध में छोटी या लंबी दूरी की यात्रा करनी पड़ सकती है। यात्रा सफल एवं लाभदायक साबित होगी।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
सप्ताह के अंत में आपको ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत रहेगी। इस दौरान कोई प्रेम संबंध, गुप्त संबंध या फिर कोई आवंछीनय रिश्ता आपको बड़े धर्मसंकट में डाल सकता है।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
घर की जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ने की बजाय धीरे-धीरे ही सही निबटाने की कोशिश करें। अपनी सेहत का विशेष ध्यान रखें।किसी प्रभावशाली व्यक्ति का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
घर, दुकान, फैक्टरी व शोरूम इत्यादि के खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। कारोबार में बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। रुके काम

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। मनपसंद व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
विद्यार्थी वर्ग अपने कार्य उत्साह व लगन से कर पाएगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। धन प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना में बढ़ेंगी सीटें

आरएएस की 250 व आईएएस की 100 सीटें बढ़ेंगी, 50% की बढ़ोत्तरी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। सिविल सर्विसेज परीक्षाओं जैसे आईएएस एवं आरएएस की परीक्षाओं में प्रदेश के युवाओं का रुझान जबर्दस्त देखने को मिला है। प्रदेश के युवाओं को सरकारी खर्चे पर कोचिंग की सुविधा उपलब्ध कराने को लेकर आ रहे आवेदनों की एनालिसिस में ये आंकड़े सामने आ रहे हैं। आईएएस में जहां 200 सीटों के लिए 6 हजार से ज्यादा आवेदन आए, जबकि आरएएस की 500 सीटों के लिए 34 हजार से ज्यादा युवाओं ने कोचिंग की इच्छा जताई थी। सरकार ने मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना में अगले सेशन से 5 हजार सीटें बढ़ाने की घोषणा की है। इस 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी से अब 15 हजार छात्रों को नामी संस्थानों से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने का मौका मिलेगा।

अभी 10 हजार सीटें, 7500 पर मेरिट लिस्ट जारी

फिलहाल इसमें 10 हजार सीटें थी, जिनमें से 7500 सीटों पर विभाग ने मेरिट लिस्ट जारी कर दी। वहीं 1 हजार सीटों के लिए हाल ही में अल्पसंख्यक विभाग ने प्रोविजनल लिस्ट निकाली है। 300 सीटों पर सीए-सीएस, कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंट और 200 सीट टीएडी के उदयपुर स्थित कोचिंग संस्थान के लिए निर्धारित की गई है। वहीं 1 हजार सीटों की लिस्ट अब जारी की जाएगी।

प्रथम चरण में 1.3 लाख आवेदन आए

प्रथम चरण में 1,03,086 छात्रों ने आवेदन किया था। आईएएस, आरएएस व कांस्टेबल भर्ती परीक्षा की तैयारी करने वालों के आवेदन ज्यादा आए। क्लैट, रीट परीक्षाओं के लिए कम आवेदन आए। जयपुर में सबसे ज्यादा 11,316 व सबसे कम राजसमंद में 612 ही आवेदन आए थे।

जिलों की जनसंख्या के आधार पर निकाली लिस्ट

विभाग ने जिलों की जनसंख्या के आधार पर लिस्ट निकाली थी। इसमें विभाग ने आईएएस, आरएएस, मेडिकल, इंजीनियरिंग व क्लैट की तैयारी कराने के लिए नामी कोचिंग संस्थानों व सामान्य संस्थानों की कैटेगरी बनाई थी। नामी संस्थानों में वे शामिल हैं जिनके कम से कम 5 छात्र पिछली परीक्षाओं में टॉप 100 में सलेक्ट हुए हों। इस कोचिंग योजना में सरकार 25 करोड़ रुपए खर्च कर रही है।

बदला मौसम : कुम्भलगढ़ में 15 मिनट में बिछी बर्फ

राजसमंद- नागौर समेत कई जिलों में तेज हवा के साथ बरसात

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में मंगलवार शाम राजसमंद, उदयपुर, नागौर समेत कई जिलों में बारिश के साथ ओले गिरे। मैदानी इलाकों और सड़कों पर ओलों की चादर बिछ गई। बारिश और ओलावृष्टि ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। मौसम विभाग ने दो दिन पहले ही बारिश और ओले गिरने का पूर्वानुमान दिया था।

पश्चिमी विक्षोभ से मौसम में आए इस बदलाव का असर अजमेर, पाली, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़, टोंक समेत अन्य जिलों में देखने को मिला। इन जिलों में दोपहर आद आसमान में घने बादल छा गए और कई जगह बारिश हुई। मौसम के इस बदलाव से जहां तापमान में गिरावट होगी, वहीं सर्दी का असर भी बढ़ेगा।

अजमेर, राजसमंद, उदयपुर, पाली समेत कई जगह रबी की तैयार फसलों को काफी नुकसान पहुंचने की आशंका है। खेतों में सरसों की फसल कटकर पड़ी है तो गेहूं की फसल पककर खड़ी है। राजसमंद के कुम्भलगढ़ में करीब 15 मिनट तक ओले गिरे।

आवासन मंडल की कॉलोनियों पर होगा नगर निगम का अधिकार

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। आवासन मंडल की विभिन्न कॉलोनियों पर अब नगर निगम ग्रेटर का अधिकार होगा। सरकार ने एक आदेश जारी कर प्रताप नगर के विभिन्न सेक्टर के भूखंडों को नगर निगम को हस्तांतरित करने के आदेश दिए हैं। आदेश में दोनों विभागों के बीच 17 अक्टूबर, 2009 को हुई बैठक का हवाला देते हुए प्रताप नगर के सेक्टर 1, 4, 9, 10, 11, 16, 17, 18, 19, 21, 22, 23, 24, 25 और 26 सेक्टर को नगर निगम को हस्तांतरित करने के निर्देश दिए गए हैं। इन सभी सेक्टर्स में स्थित सभी भूखंडों और उन पर बने मकानों की पत्रावलियां संपूर्ण सूची सहित नगर निगम को भेजी जाएगी। साथ ही इन सेक्टर्स की मूल पत्रावलियां जिनमें सेक्टर्स के नक्शे, सैटबैक आदि बताए गए हैं, उन्हें भी नगर निगम को सौंपा जाएगा। आदेश में भूखंड संख्या 17 का भी उल्लेख किया गया है, जिसके संबंध में हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर की हुई है। उसकी पत्रावली भी आवासन मंडल निगम को हस्तांरित करे। आपको बता दें कि कॉलोनियां विकसित करने के बाद जेडीए व नगर निगम इन्हें नगर निगम को हस्तांतरित करते हैं। हालांकि कई कॉलोनियों में खाली भूखंडों के क्षेत्राधिकार को लेकर आज भी नगर निगम की जेडीए व आवासन मंडल से लड़ाई चल रही है।

मुख्य सचिव ने दिए हैं आदेश

स्वायत्त शासन विभाग की ओर से यह आदेश मुख्य सचिव उषा शर्मा के आदेश के बाद जारी किए गए हैं। मुख्य सचिव की अध्यक्षता पिछले दिनों हाईकोर्ट की रिट पिटीशन डॉ. विमल शर्मा बनाम राजस्थान राज्य व अन्य में लिए गए निर्णय के संबंध में चर्चा की गई थी। बैठक में यूडीएच और स्वायत्त शासन विभाग के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में सभी विधिक पहलुओं पर चर्चा के बाद यह आदेश जारी किया गया है।

निजी अस्पतालों में चिरंजीवी मित्र बनेंगे आर्थिक स्थिति से कमजोर लोगों के मददगार

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। आर्थिक स्थिति से कमजोर लोगों को अब निजी अस्पतालों में भी निःशुल्क इलाज मिल सकेगा। यह इलाज कैसे मिलेगा और कौनसी योजना के तहत सुविधा का लाभ लिया जा सकेगा इसके लिए अब चिरंजीवी मित्र आमजन के लिए मददगार बनेंगे। इसके लिए अब प्रदेश सरकार राज्य के निजी अस्पतालों में हेल्प डेस्क बना रही है। जहां पर मौजूद चिंरजीवी मित्र मरीज के परिवार और अस्पतालों के बीच समन्वय स्थापित कर उन्हें निजी अस्पताल मे निःशुल्क इलाज का लाभ दिलाएंगे।साथ ही जरूरत पड़ने पर किसी दूसरे सम्बद्ध अस्पताल में रैफर करने में भी लाभार्थियों की पूरी मदद करेंगे। मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत इस सुविधा का लाभ मिल सकेगा। जिसमें आमजन को दस लाख रुपए तक की राशि तक का निःशुल्क इलाज निजी अस्पतालों में मिल सकेगा। अब तक चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना को लेकर निजी अस्पतालों में इलाज की सुविधा नहीं देने की शिकायतें आ रही थी। लेकिन अब चिरंजीवी मित्र इन शिकायतों को दूर करेंगे और चिरंजीवी योजना से जुड़े लाभार्थियों की मदद कर उनकी सभी समस्याओं का दूर करेंगे। प्रत्येक निजी अस्पताल में स्थापित सहायता केन्दों पर अब आमजन को सहायता मिलेगी।

8 लाख 88 हजार 930 मरीजों को मिला निःशुल्क इलाज

राजस्थान स्टेट हैल्थ एश्योरेंस एजेंसी के संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी सौरभ स्वामी ने बताया कि मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना से अब तक प्रदेश के 8 लाख 88 हजार 930 मरीजों को निःशुल्क इलाज का लाभ मिल चुका हैं। सहायक मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ.अमित यादव ने बताया कि योजना के अन्तर्गत विभिन्न बीमारियों के उपचार के लिये 1597 पैकेजेज और प्रोसिजर योजना में उपलब्ध हैं। योजना से अब तक 695 निजी और 788 सरकारी अस्पताल जुड़े हैं।

जागरूक खबरें

नर्सेज संघर्ष समिति ने की चिकित्सा मंत्री परसादी लाल से मुलाकात

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान नर्सेज संघर्ष समिति के नेतृत्व में नियुक्ति तिथि 29 अप्रैल 2020 की मांग को लेकर प्रदेश भर से सेकडो नर्सेज चिकित्सा मंत्री आवास पर पहुंचे संघर्ष समिति के प्रतिनिधि मंडल ने परसादी लाल मीणा चिकित्सा मंत्री से मुलाकात कर वार्ता कर ज्ञापन दिया। अध्यक्ष सोमसिंह मीणा ने बताया की मंत्री जी ने सकारात्मक आश्वासन दिया। उसके बाद नर्सेज स्वास्थ भवन पहुंच कर मुकुल शर्मा निदेशक (अराजपत्रित) चिकित्सा एवं स्वास्थ्य से मुलाकात कर नियुक्ति तिथि समाधान जल्द करने की मांग की साथ ही झालावाड़ में 106 अधिशेष नर्सेज को मूल पोस्टिंग देने की मांग की जिससे वेतन समय पर मिल सके। उसके बाद सचिवालय में एसीएस अखिल अरोरा शासन सचिव सुधीर शर्मा वित्त विभाग से मुलाकात की। मुलाकात में संघर्ष समिति के प्रतिनिधि प्रदेश संयोजक पवन कुमार पंडित जितेंद्र कटारा मनोज दुब्बी समोल कुमारी जगदीश जाट राजू चौधरी महेंद्र यादव कमलेश गुर्जर सुभाष भाटी सुरेंद्र सोलंकी पवन खटाना सरदार जी अन्य नर्सेज मौजूद रहे।

नियुक्ति तिथि 29 अप्रैल 2020 संबधित आदेश जारी करने बाबत

निर्भया सुरक्षा सखियों को एसएचओ ने सीखाए गुर

जयपुर @ जागरूक जनता। एडिशनल D.C.P नोडल ऑफिसर जयपुर निर्भया स्क्वायड (कमीशनरेट सुनीता मीणा के नेतृतव् मे सेक्टर 26 थाने प्रतापनगर सांगानेर मेड्डु एस. एच.ओ बलबीर कस्वा व ए.एस.आई राम किशोर शर्मा, कांस्टेबल तीजा मीणा, हेड कांस्टेबल बलबीर ने निर्भया सुरक्षा सखियो की मीटिंग ली। इसमे निर्भया सुरक्षा सखी व् राजस्थान राज्य महिला आयोग जिला महिला मंच की पूर्व सदस्य पुनीता शर्मा, व सुरक्षा सखी अनिता, बिमलेश, मधु, गीता, द्रोपदी, प्रियंका, कमलेश, अंशु और अन्य सखी महिलाओं ने भी बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया । एस. एच ओ ने जयपुर महिलाओं पर होने वाले घेरेलू हिंसा अत्याचार को रोकने के लिए सभी सुरक्षा सखियो को गाइडेंस दी व अनजान व्यक्ति को मोबाइल पर ओ. टी. पी नहीं बताने की सिख दी ।

बरोड़ पंचायत गौरव रतन अवॉर्ड से सम्मानित

जयपुर @ जागरूक जनता। शास्त्री नगर जयपुर के साइंस पार्क में मानवाधिकार न्याय सुरक्षा परिषद द्वारा आयोजित सम्मान समारोह सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर गोगा पीर सेवा ट्रस्ट के प्रबंधक सतपाल बरोड़ को पंचायत गौरव रतन अवॉर्ड से अशोक स्तंभ का स्मृति चिह्न और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान राष्ट्रीय मानवाधिकार न्याय सुरक्षा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष किशन गोयल, मुख्य अतिथि किशन सहाय, पुलिस महानिरीक्षक आईजी जयपुर, रेशमा वर्मा,नीलम सक्सेना,अब्दुल रहीम गोरी की संयुक्त अध्यक्षता में दिया गया।

पूनम अंकुर छाबड़ा डेलिगेशन के साथ पहुंची मुख्यमंत्री आवास, जताया आभार

जयपुर @ जागरूक जनता। मुख्यमंत्री से कर रही हैं मुलाकात पूनम अंकुर छाबड़ा ने अपने डेलिगेशन के साथ में मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया और कहा कि आपने मेरी मांगों को मानते हुए शराबबंदी के लिए एक कमेटी को बिहार व गुजरात भेजने का जो निर्णय लिया उसका स्वागत करती हूँ तथा जन जागृति अभियान में इस बार पहले से दुगुना बजट कर मेरे पिताजी के नाम से "स्वर्गीय गुरुशरण छाबड़ा जनजागरूकता अभियान" के लिए 10 करोड़ रुपये बजट की आपने स्वीकृति दी जिसके लिए डेलिगेशन से पूनम अंकुर छाबड़ा, लक्ष्मी शर्मा, विशाल शर्मा, पवन जैन और अंकुर छाबड़ा ने मिलकर के मुख्यमंत्री साहब को धन्यवाद दिया।

बाल कहानी

छोटी लापरवाही की बड़ी कीमत

डॉ. रूचि शर्मा
समाजसेविका
@jagrukjanta.net

ध्रुव अपनी क्लास का सबसे होशियार स्टूडेंट था। वह हमेशा क्लास में फर्स्ट आता था। इसके बावजूद उसकी चीज़ों को इधर उधर लापरवाही से रखने की बड़ी ख़राब आदत थी। उसके पापा मम्मी उसे समझा समझा कर थक चुके थे पर उसके कान पर जूँ तक नहीं रेंगती थी। एन वक्त तक स्कूल के लिए तैयार न होने से कई बार स्कूल बस भी मिस हो जाती और पापा को उसे स्कूल छोड़ना पड़ता। ऊपर से टीचर की डाँट सुनना, सो अलग। पर ध्रुव तो चिकना घड़ा बन चुका था।

हर साल की तरह इस बार भी स्कूल में कल्चरल फेस्टिवल मनाया जा रहा था। ध्रुव ने पेंटिंग कॉम्पीटीशन में भाग लिया था। चूँकि वह पेंटिंग्स बनाने में काफ़ी अच्छा था, हर बार की तरह उसे यह कॉम्पीटीशन जीतने का पूरा भरोसा था। पापा ने उसे परसों ही उसे नये कलर्स और ब्रशेज़ दिलवाये थे जिन्हें

पाकर वह बड़ा खुश था। अब बस कल ही कॉम्पीटीशन होने वाला था। पेंटिंग की थीम क्या होगी रात में इसके बारे में सोचते सोचते वह सो गया। सुबह उठकर नहा धोकर तैयार होते ही वह अपना बैग जमाने लगा। पर यह क्या...!!! उसके कलर्स और ब्रशेज़ का सेट नदारद था। उसने अपना पूरा कमरा छान मारा। रो रो कर उसने सारा घर सिर पर उठा लिया। इस चक्कर में बस भी हॉर्न बजा कर निकल गयी। अब पापा उसे समझा बुझाकर स्कूल छोड़ने जाने को ही थे, तभी घर का नौकर बंसी चिल्लाया, साहब, ये रहे ध्रुव बाबा के कलर्स। कार की सफाई करते समय सीट के पीछे की पॉकेट में मिले। अब जाकर ध्रुव की जान में जान आई। खैर, जैसे तैसे पापा ने उसे स्कूल पहुँचाया। कॉम्पीटीशन 15 मिनट पहले ही स्टार्ट हो चुका था। बड़ी मुश्किल से उसने समय पर पेंटिंग पूरी की। ध्रुव को इस बार थर्ड प्राइज मिला। उदास होकर शाम को जब वह घर लौटा तो पापा ने कहा, मैंने तुम्हें मार्केट से कलर्स दिलाकर उन्हें बैग में संभालकर रखने को कहा था पर तुम लापरवाही से उन्हें कार में ही छोड़कर भूल गए। यह तो सिर्फ एक कॉम्पीटीशन है। याद रखो, एक छोटी सी लापरवाही करने से ज़िन्दगी में बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है। देर से ही सही पर अब बात ध्रुव की समझ में आ चुकी थी।

(लेखिका कोटा से है, ये उनके अपने विचार है)

जागरूक जनता

फार्म-4 (नियम 8 देखिए)

1.	प्रकाशन स्थान	जे.पी. कॉलोनी, विद्याधर नगर, जयपुर
2.	प्रकाशन अवधि	साप्ताहिक
3.	मुदक का नाम	**ज्ञानेन्द्र मिश्रा**
	क्या भारत का नागरिक है	हाँ
	पता	बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)
4.	प्रकाशक का नाम	**ज्ञानेन्द्र मिश्रा**
	क्या भारत का नागरिक है	हाँ
	पता	बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)
5.	संपादक का नाम	**ज्ञानेन्द्र मिश्रा**
	क्या भारत का नागरिक है	हाँ
	पता	बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)
6.	उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हों।	उपरोक्त

मैं, ज्ञानेन्द्र मिश्रा एतद्द्वारा घोषित करता हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य है।

ज्ञानेन्द्र मिश्रा
प्रकाशक के हस्ताक्षर

जागरूक खबरें

उत्साह से मनाया श्री श्याम फागोत्सव

जयपुर @ जागरूक जनता। श्री श्याम मित्र मंडल जवाहर नगर के तत्वाधान में तृतीय श्री श्याम फागोत्सव सब्जी मंडी जवाहर नगर शॉपिंग सेंटर चौक पर मध्य रात्रि तक संपन्न हुआ। जिसमें श्याम बाबा का भव्य श्रृंगार, अखंड ज्योत, 56 भोग, पुष्प वर्षा के साथ फागोत्सव में देश की जानी मानी भजन गायक कलाकारों की टीम ने अपनी प्रस्तुतियां बाबा के दरबार में रखी होली के रंग कान्हा के संग की धमाल जमी जिसमें गोविंद शर्मा, निशा शर्मा ,निरंजन सिंह, कमल, निखिल ज्ञानानी आदि कलाकारों के साथ भजन गंगा बहाई खाटू वाला श्याम मेरे घर आया........ जब तक सांसे चलेगी खाटू आऊंगा श्याम.......आदि भजनों ने भक्तों को बांधे रखा जवाहर नगर सब्जी मंडी व शॉपिंग सेंटर के व्यापारियों में फागोत्सव का उत्साह देखते ही बनता था। कार्यक्रम में पार्षद नीरज अग्रवाल, घनश्याम चंगलानी, स्वाति परनामी, के साथ वार्ड 95 हेरिटेज नगर निगम के पूर्व पार्षद प्रत्याशी मनोज ठाकवानी सहित अनेक गणमान्य लोगों वह क्षेत्रवासियों ने भारी तादाद में श्याम भजनों का आनंद लिया।

बियानी गर्ल्स बीएड कॉलेज ने किया विश्वशांति रेली का आयोजन

जयपुर @ जागरूक जनता। बियानी गर्ल्स बीएड कॉलेज में विश्व शाति रेली का आयोजन किया गया। इस रेली का शुभारम्भ कॉलेज के चैयरमेन डॉ राजीव बियानी, निदेशक डॉ संजय बियानी और कॉलेज के डीन डॉ ध्यानचंद गोटवाल ने हरी झंडी दिखा कर किया। विश्व शांति रेली कॉलेज परिसर से विद्याधर नगर में निकाली गई। इस रेली में कॉलेज के सभी शिक्षक, प्रक्षणार्थियों व व्याख्याताओ ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस रेली के माध्यम से विद्यार्थियों ने विश्व में शाति शांति बनाए रखने का सन्देश दिया। इस रेली के माध्यम से लोगों में शांति के प्रति जागरूकता फैलाई गई।

राज्य स्तरीय गौ सेवा सम्मेलन

खेड़ापा @ जागरूक जनता। रामस्नेही संप्रदाय आचार्य पीठ रामधाम खेड़ापा के तत्वाधान में "राज्य स्तरीय गौ सेवा सम्मेलन" आचार्य श्रीश्री 1008 श्री पुरूषोत्तमदास जी महाराज एवं गौ ऋषि पूज्य श्री शरणानंद जी महाराज संस्थापक - गोधाम महातीर्थ पथमेड़ा के पावन सानिध्य व राजस्थान गौ सेवा समिति प्रदेश अध्यक्ष संत श्री दिनेश गिरी जी महाराज की अध्यक्षता में गौ सेवा सम्मेलन का आयोजन 15 मार्च से किया जाएगा।

सद संगत के मार्ग से जोड़ने के लिए होली महोत्सव का शुभारंभ हुआ-शास्त्री

खेड़ापा @ जागरूक जनता। रामस्नेही संप्रदाय आचार्य पीठ रामधाम खेड़ापा होली मेलाफूल डोल महोत्सव का संवत 1810 से रामधाम खेड़ापा आदी संस्थापक आचार्य रामदास महाराज ने शुरू किया। होली महोत्सव के शुरू करने का मुख्य उद्देश्य यही रहा पूर्व कालान्तर में समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने हेतू समय समय पर महापुरुषों का अवतरण हुआ उसी कड़ी में 18वीं शताब्दी में आचार्य रामदास महाराज ने गुरू दीक्षा ग्रहण कर भजन साधना प्रारंभ की और लोगों को समाज व्यापत कुरीतियों, अंधविश्वास को दूर करने हेतू लोगों को सद मार्ग से जोड़ने के लिए रामनाम के माध्यम से प्रचार प्रसार करते थे उस समय में होली एक ऐसा त्योहार था जो महीनो भर चलता था अर्थात लंबे दिनों तक चलता था जिसमे लोग अधिक मात्रा में भाग लेते जिसमें अनशील गायन, नशा इत्यादि दूर व्यसनो का प्रचलन बहुत अत्यधिक व्याप्त था इसी होली पर्व पर लोगों को सद संगत से कैसे जोड़ा जाए उसकी लिए होली मेला महोत्सव का शुभारंभ हुआ जिससे लोग गलत संगत में नही जाकर सद मार्ग की तरफ अग्रसर हो उसी परम्परा का आज भी रामधाम खेड़ापा में धूम धाम से चलाई जाती हैं जिसमे रामस्नेही संप्रदाय के संतो के साथ सम्पूर्ण देश से लाखों की संख्या में श्रद्धालु भाग लेते हैं और सत्संग के मध्यम से समाज को संत महापुरुषों के बताएं मार्ग पर चलने के लिए भजन, प्रवचन के मध्यम जन जन की भावना संत मत के कैसे जोड़ा जाए उसकी तरफ़ प्रेरित किया जाता है।

अखिल राजस्थान संविदा कर्मचारी एसोसिएशन जिला सवाई माधोपुर की कार्यकारिणी गठित

जयपुर @ जागरूक जनता। सवाई माधोपुर स्थित परमहंस योगाश्रम में अखिल राजस्थान संविदा कर्मचारी एसोसिएशन (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधीन) जिला सवाई माधोपुर की चुनाव एवं विभिन्न समस्याओं को लेकर राजस्थान कर्मचारी महासंघ के पूर्व जिलाध्यक्ष लड्डूलाल लोधा एवं संयोजक अशोक पाठक की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में संविदाकार्मिको की मुख्य मांग राज्य सरकार द्वारा नियमितीकरण को लेकर रही सरकार द्वारा 20% वेतन बढ़ाने से कर्मचारी संतुष्ट नहीं है। बैठक में महासंघ के पूर्व संयोजक अशोक पाठक ने सभी सदस्यों को संगठित होकर संघर्ष करने का आह्वान करते हुए कहा कि संगठन में सक्रियता समर्पण एवं आत्मविश्वास के साथ संघर्ष करोगे तो आपकी मांग पत्र की प्रत्येक समस्या का समाधान निश्चित होगा। महासंघ के जिला मंत्री हनुमान सिंह नरूका ने संविदाकार्मिकों को संबोधित करते हुए कहा कि महासंघ के प्रदेश स्तर के मांग पत्र में संविदा कर्मचारियों को नियमित करने एवं न्यूनतम वेतन 18000 रुपए प्रतिमाह करने की रखी गई इसके लिए पुनः ज्ञापन भेजकर सरकार को मांग पत्र भेजकर वाजिब मांग का निस्तारण कराने का प्रयास करेंगे। इस दौरान दीपक वर्मा, महावीर यादव, वसीम अकरम, राजेश सैनी, गजेंद्र दाधीच, शंभू सिंह, मुरली प्रसाद सैनी, हेमराज वर्मा, रिंकू प्रजापत, सहित कई संविदा कर्मी मौजूद रहे।

केंद्रीय सड़क मंत्रालय ने सीएम की सलाह के 9 माह बाद बनाई विशेषज्ञ समिति

9.5 किमी. लम्बी एलिवेटेड रोड की जगी उम्मीद

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जोधपुर। केंद्रीय सड़क व परिवहन मंत्रालय की कभी हां, कभी ना के बीच पिछले दस साल से सूर्यनगरी का सपना बनी एलिवेटेड रोड परियोजना की उम्मीद एक बार फिर जगी है। मुख्य मंत्री अशोक गहलोत के साथ सड़क-परिवहन मंत्री नितिन गडकरी की बैठक के करीब नौ महीने बाद मंत्रालय ने परियोजना की कंसेप्चुअल नोट बनाने के लिए तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। साथ ही मंत्रालय ने साफ किया है कि परियोजना की डीपीआर बनने के बाद यह काम नेशनल हाइवे अथोरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) के जरिए करवाया जाएगा।

सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय के मुख्य अभियंता वीके राजावत ने गत 3 मार्च को एनएचएआई की चेयरपर्सन को भेजे पत्र में कमेटी गठित करने की जानकारी देते हुए बताया कि यह कमेटी परियोजना के लिए मौका मुआयना करेगी और इसकी रिपोर्ट के आधार पर एनएचएआई को परियोजना की डीपीआर बनानी है। विशेषज्ञ समिति में एनएचएआई के सदस्य (प्रशासन) आलोक, जोधपुर विकास प्राधिकरण के तत्कालीन आयुक्त कमर उल जमान चौधरी व एलएंडीटी इंफ्रा के पीजी वैंकटराम को शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री गहलोत से गत वर्ष 15 जून को हुई बैठक में गडकरी ने यह विशेषज्ञ समिति बनाने की घोषणा की थी, लेकिन इसके आदेश जारी होने में ही नौ महीने लग गए।

सीएम का ड्रीम प्रोजेक्ट

एलिवेटेड रोड मुख्यमंत्री गहलोत का ड्रीम प्रोजेक्ट है। गत वर्ष 15 जून को हुई बैठक में गहलोत ने गडकरी के समक्ष एलिवेटेड रोड की जमकर पैरवी की। उन्होंने कहा था कि जोधपुर शहर की वर्तमान आबादी, यातायात के दबाव, औद्योगिक विस्तार एवं भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए एलीवेटेड रोड का निर्माण अतिआवश्यक है। यह एलीवेटेड रोड जोधपुर शहर से गुजर रहे तीन राष्ट्रीय राजमार्गों को आपस में जोड़ेगी।

यूं फंसी राजनीति में

पिछले महीने राज्यसभा में सांसद राजेंद्र गहलोत के प्रश्न के जवाब में गडकरी के जोधपुर में एलिवेटेड रोड परियोजना मंजूर नहीं होने की जानकारी दी। इसके बाद से रोड को लेकर राजनीति हो रही है। दरअसल, नवम्बर 2020 में स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल ने जोधपुर प्रवास के दौरान परियोजना को नोनफिजिबल बताते हुए नकार दिया। इसके बाद जेडीए ने भी परियोजना को ठंडे बस्ते में डाल दिया। अगले ही महीने इधर, स्थानीय सांसद व केंद्रीय मंत्री गजेंद्रसिंह शेखावत ने करीब 1 हजार करोड़ रुपए से अधिक लागत की 9.5 किमी लम्बी एलिवेटेड रोड को मंजूरी मिलने का दावा कर दिया। कहा गया कि राज्य सरकार ने नकारा है, लेकिन केंद्र एलिवेटेड रोड बनाएगा। भाजपा ने शेखावत का जोरदार स्वागत और जगह जगह होर्डिंग लगाकर सियासी श्रेय लेने की कोशिश की, लेकिन गडकरी के इनकार के बाद कांग्रेस शेखावत पर हमलावर हो गई। हाल ही जोधपुर व बाड़मेर-जैसलमेर के दौरे पर आए प्रदेश कांग्रेसाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भी शेखावत पर लोगों को भ्रमित करने का आरोप लगाया था।

एलिवेटेड रोड एक नजर में

- कृषि मंडी सर्किल से शुरू होकर पावटा, जालोरी गेट, आखलिया और कायलाना तिराहे तक प्रस्तावित
- 9.5 किलोमीटर लम्बाई
- 1100 करोड़ रुपए अनुमानित लागत
- 80 पोइंट्स पर सोइल टेस्टिंग
- जेडीए करवा चुका ट्रेफिक व जीयो टेक्निकल सर्वे।

प्रांतीय महिला सम्मेलन "तेजस्विनी" का आयोजन

जयपुर @ जागरूक जनता। भारत विकास परिषद राजस्थान उत्तर पूर्व प्रांत द्वारा जयपुर में प्रांतीय महिला सम्मेलन "तेजस्विनी" का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 125 सदस्यों ने भाग लिया। उद्घाटन सत्र की मुख्य अतिथि सीमा हिंगोनिया अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महिला सुरक्षा और कानून व्यवस्था ने भ्रूण हत्या निषेध, दहेज प्रथा निषेध, बाल विवाह निषेध, विशाखा गाइडलाइंस एवं महिला उत्पीड़न रोकने संबंधी कानूनों की जानकारी दी एवं महिलाओं की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारत विकास परिषद की नेशनल चेयर पर्सन, महिला एवं बाल विकास डॉ अविनाश शर्मा ने की। कार्यक्रम का आरंभ दीप प्रज्वलन एवं राष्ट्रगीत व गणेश वंदना के साथ हुआ। आयोजक शाखा के, शाखा सचिव बृजमोहन सोनी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में प्रांतीय अध्यक्ष आर. सक्सेना, प्रांतीय संरक्षक डॉ कुमकुम कपूर, अर्चना नाकरा भिवाडी, भावना पारीक, रीता भार्गव, पुष्प लता गर्ग, डॉ प्रभा पारीक सहित बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। प्रांतीय मिडिया प्रकल्प प्रमुख नगेन्द्र वशिष्ठ ने बताया कि प्रांतीय स्तर पर महिला एवं बाल विकास प्रकल्प द्वारा कराई गई विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिए प्रतिभागियों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में रीजन सचिव हेमंत जोशी, प्रांतीय उपाध्यक्ष डॉ अनिरुद्ध साहनी, प्रांतीय प्रकल्प प्रमुख गुंजन सक्सेना, प्रांतीय संपर्क प्रमुख श्रीचंद चोटिया भी उपस्थित रहे।

उत्तर पश्चिम रेलवे पर चलने वाली 97 ट्रेनों के सामान्य कोचों में मिलेंगे टिकट

11 से अनारक्षित टिकट पर कर सकेंगे यात्रा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जोधपुर। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन ने उत्तर पश्चिम रेलवे पर चलने वाली 97 ट्रेनों के सामान्य कोचों में 11 मार्च से अनारक्षित टिकट पर यात्रा अनुमत करने का निर्णय लिया है। कोरोना काल से इन प्रमुख ट्रेनों में जनरल कोच में भी आरक्षित टिकट पर ही यात्रा करने की अनिवार्यता थी, जिसमें रेलवे ने बड़ी राहत दी है। रेलवे से मिली

जानकारी के अनुसार इन ट्रेनों में यात्रा के लिए यात्रियों को अब अग्रिम आरक्षण करवाने की आवश्यकता नही होगी। यात्री गाड़ी रवानगी से पहले टिकट खिड़की से अनारक्षित टिकट प्राप्त कर पूर्व की भांति यात्रा कर सकेंगे। इससे यात्रियों का सफर भी आसान होगा। अन्यथा यात्रियों को में ट्रेनों के सामान्य कोचों में सफर करने पर भी आरक्षित दरों पर टिकट लेकर सफर करना पड़ रहा था। इससे उनकी जेबें ढीली हो रही थी। वहीं रेलवे के इस निर्णय से यात्रियों को काफी राहत मिलेगी और अब वे जनरल कोचों में अनारक्षित टिकट से यात्रा कर सकेंगे।

जोधपुर मंडल से चलने और गुजरने वाली ट्रेनें

गाड़ी संख्या 11089 भगत की कोठी-पूना एक्सप्रेस, 18574 भगत की कोठी-विशाखापत्तनम एक्सप्रेस, 20814 जोधपुर-पुरी एक्सप्रेस, 22308 बीकानेर-हावड़ा एक्सप्रेस, 12324 बाड़मेर-हावड़ा एक्सप्रेस, 12308 जोधपुर- हावड़ा एक्सप्रेस, 15013 रानीखेत एक्सप्रेस, 15633 बीकानेर-गुवाहाटी एक्सप्रेस, 15623 भगत की कोठी-कामाख्या एक्सप्रेस, 15631 बाड़मेर- गुवाहाटी एक्सप्रेस, 14888 बाड़मेर-हरिद्वार-ऋषिकेश एक्सप्रेस, 19225 जोधपुर-जम्मूतवी एक्सप्रेस, 12462 जोधपुर-दिल्ली मण्डोर एक्सप्रेस, 14661 बाड़मेर-जम्मूतवी एक्सप्रेस, 14645 जैसलमेर-जम्मूतवी एक्सप्रेस, 14864,14854, 14866 जोधपुर-वाराणसी मरुधर एक्सप्रेस प्रमुख है। इसी तरह गाड़ी संख्या 17624 श्रीगंगानगर- नांदेड़ एक्सप्रेस, 22738 हिसार-सिकन्दराबाद एक्सप्रेस, 20844 भगत की कोठी-बिलासपुर एक्सप्रेस, 20846 बीकानेर-बिलासपुर एक्सप्रेस, 22673 भगत की कोठी-मनारगुड्डी एक्सप्रेस, 16311 बीकानेर-कोचुवेल्ली एक्सप्रेस, 16588 बीकानेर-यशवंतपुर एक्सप्रेस, 16533 जोधपुर-यशवंतपुर एक्सप्रेस, 16507 जोधपुर- बैंगलौर एक्सप्रेस, 22483 जोधपुर-गांधीधाम एक्सप्रेस, 19056 जोधपुर-वलसाड एक्सप्रेस, 22473 बीकानेर-बांद्रा एक्सप्रेस, 20483 भगत की कोठी-दादर एक्सप्रेस, 22966 भगत की कोठी-बांद्रा एक्सप्रेस, 12489 बीकानेर-दादर एक्सप्रेस, 14801 जोधपुर-इंदौर एक्सप्रेस, 12466 रणथंभौर एक्सप्रेस, 14707 बीकानेर-दादर एक्सप्रेस, 12479 जोधपुर-बांद्रा एक्सप्रेस, 22932 जैसलमेर-बांद्रा एक्सप्रेस प्रमुख है।

नारी, पूर्णता की परिभाषा

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस हर साल 8 मार्च को मनाया जाता है। इसको मनाने का कारण लोगो को यह जागरूक करने से है की महिला और पुरुष में कोई भी असमानता नही है और उन लोगो को समझाना है जो आज भी औरत को पैर की जूती समझते हो।

धीरज कुमार
समाजसेवक
@jagrukjanta.net

आज हमारे देश की बहुत सी महिलाएं हर क्षेत्र में आगे है और वहां पर अपनी अनूठी पहचान बना रखी है। फिर चाहे वो कोई भी क्षेत्र हों, यह तक की देश की सुरक्षा की बात हो तो भी महिलाओं ने हमेशा अपना कर्तव्य निभाया है, उन्होंने अपना हर फर्ज, कर्तव्य और जिम्मेदारी निभाकर उन लोगो को समझाया है की एक महिला जब कुछ करने की सोच लेती है तो उसे कोई हरा नही सकता।

हमारे देश की संस्कृति में महिलाओं के सम्मान को बहुत महत्व दिया गया है, अपने देश में महिलाओं को भगवान के बाद दूसरा पूजनीय माना गया है, क्योंकि एक महिला खुद मौत की गोद में जाकर जिंदगी को जन्म देती है। हमे हमारे देशी की इसी संस्कृति को आगे बढ़ाना चाहिए और हर महिला को अपने समान समझकर उसे आगे बढ़ने में सहायता करनी चाहिए।

आज महिलाएं केवल घर की ही नहीं बल्कि पूरे देश की शान है। आज देश में महिलाएं इतनी सक्षम है की वो अपने अधिकारों का इस्तेमाल करना जानती है, इनकी उपलब्धियां हर क्षेत्र में देखी जा सकती है। कुछ लोग समझते है की एक महिला का क्या अस्तित्व है या वो कमजोर है, लेकिन जो अकेली महिला पूरे घर और परिवार को संभाल सकती है, वो महिला किसी की भी तकदीर बदल सकती है। कुछ लोगो का यह भी कहना है की औरत का कोई घर नहीं होता है लेकिन सच्चाई यही है की एक औरत के बिना घर, घर नहीं होता सिर्फ एक पत्थर का मकान होता है।

एक महिला किसी भी दिन कोई छुट्टी नहीं लेती है। वह हमेशा कभी ऑफिस तो कभी घर, 24 घंटे अपने परिवार और अपने लोगो के लिए तैयार रहती है। महिलाओं का तो एक दिन क्या हर रोज सम्मान करना चाहिए, जब वह अपना कुछ भी सोचे बिना आपके खुशी के लिए अपनी सारी खुशियों का त्याग कर सकती है, तो हमे भी कोई संकोच नहीं होना चाहिए एक महिला का सम्मान करने में। वह जन्म देती है, वह साथ देती है, वह मौत से बचाती है, वह आगे बढ़ाती है, वह अपनो के लिए भगवान से भी लड़ जाती है तो फिर वो महिलाएं कमजोर कैसे ?...

अपने पत्नी की इज्जत करो, तुमसे ही तुम्हारे बेटा और बेटी सीखेंगी, की एक औरत के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए और एक आदमी से कितनी उम्मीद करनी चाहिए।

भगवान का दिया हुआ उपहार है नारी, कभी मां-बहन बनकर तो कभी पत्नी-बेटी बनकर पुरुषों का हमेशा मान ही बढ़ाया है, इसलिए जो दहेज मांगते है उन्हे भीख दीजिए, अपनी बेटी नही। मर्द अपनी तेज आवाज से सिर्फ एक औरत को चुप करवा सकता है, लेकिन एक औरत की खामोशी पूरे समाज को बुनियाद हिला सकती है। वो आपके हर सुख दुख में साथ देगी वो शक्ति की प्रेरणा है, आप उसका सम्मान करो वो हमेशा आपका साथ देगी। आप को जन्म देने वाली मां भी एक औरत है, राखी बांधने वाली बहन भी औरत है, सात जन्मों तक साथ निभाने वाली पत्नी भी और पुत्र द्वारा सताए गए पिता का सहारा बनने वाली एक बेटी भी एक औरत है।

आज अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर हम सब को मिलकर उन सभी महिलाओं का दिल से सम्मान करना चाहिए जिनकी परवरिश और समझदारी की वजह से हम इस संसार में है, ये अपने देश के विभिन्न क्षेत्रों में अपने सर्वश्रेष्ठ कार्यो की वजह से विश्व विख्यात है, चाहे वो क्षेत्र संगीत, कला, शिक्षा, सामाजिक, राजनेतिक या फिर देश की सुरक्षा ही क्यों न हो। हर बार हर क्षेत्र में महिला को खुद को पुरुषों से भी ज्यादा श्रेष्ठ साबित किया है। अगर वह चुप है तो इसका मतलब यह नहीं की वो डरती है, उसका चुप हो जाना भी आपकी इज्जत देना है। में आपको एक कहानी सुनाता हु ..... में अपने बचपन से एक ऐसे परिवार को देखते हुए आ रहा हु जिस परिवार में एक मां (रानी मिश्रा) और उसकी 2 बेटियां है, ऐसा नहीं है की उनके पिता नही है, लेकिन वो उनकी मां से इस बात के लिए मार पीट करते रहता था की वो मां ने लड़कियों को जन्म दिया ना की एक लड़के को, ये मारपीट रोज होने लगी, वो लड़कियों को भी संभालती और अपने आप को भी, फिर एक दिन उस मां ने हिम्मत की अपने लड़कियों की जिंदगी वो अब इस खतरे में नही डाल सकती थी, इसलिए वो दोनो लड़कियों को लेकर अलग रहने लगी और लोगो के घर काम करके अपना और अपनी लड़कियों का गुजारा करने लगी, तीनों अकेले रहने लगे अपने आप में खुश रहने लगे इस मां ने अपनी दोनो लड़कियों को बहुत अच्छा पढ़ाई और एक अच्छा काबिल परिवार में उनकी शादियां भी करवा दी ऐसे सब करते करते 25 साल बीत गए, एक दिन एक अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में एक खून से लथपथ एक आदमी को लाया गया जिसका सड़क हादसे में सिर फट गया था, सब तैयारी हो गई, ऑपरेशन हुआ और वो इंसान ठीक भी हो गया, उसको अस्पताल से घर जाने के लिए बोल दिया गया, लेकिन उस आदमी ने कहा की में उस डॉक्टर को धन्यवाद बोलना चाहता हु जिसने मेरी जान बचाकर मुझे नई जिंदगी दी, डॉक्टर को बुलाया गया और वो डॉक्टर और कोई नही रानी मिश्रा की बड़ी बेटी थी और उसको देखकर उस आदमी ने कहा धन्यवाद बेटी आज तुम्हारी वजह से मेरी जान बच गई, तुम्हारे माता पिता कोन है में उनसे मिलना चाहता हु, लड़की ने अपनी मां का नाम बताया कि में रानी मिश्रा जी की बेटी हु, ये सुनकर उस आदमी ने उसे गले लगा लिया जोर जोर से रोते हुए बोलने लगा बेटी मुझे माफ कर से, तुझे जो सजा देनी है दे दे, बहुत सताया है मेने तुझे और तेरी मां को,

.....बस इतनी सी थी कहानी
(ये लेखक के अपने विचार है)

महिला दिवस पर विश्वशांति के लिये गायत्री महायज्ञ में दी आहुति

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। महिला दिवस के उपलक्ष्य में गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी की ओर से मुरलीपुरा के रामेश्वर धाम स्थित गौड़ विप्र भवन में पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया। सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने विश्व कल्याण की कामना के साथ गायत्री एवं महामृत्युंजय मंत्र के साथ यज्ञ देवता को आहुतियां अर्पित की। व्यासपीठ से रेखा श्रीवास्तव, साधना रावत, गायत्री कचोलिया और गायत्री तोमर ने यज्ञ सम्पन्न करवाया। गायत्री कचोलिया ने अंतर्राष्ट्रीय नारी दिवस के उपलक्ष में कहा कि महिला सशक्तिकरण की शुरुआत घर से ही होनी चाहिए। इसके लिए परिवारों में संस्कारों का निर्माण जरूरी है। रेखा श्रीवास्तव ने सद साहित्य के नियमित रूप से पठन पर जोर दिया। इस मौके पर गायत्री प्रज्ञा मंडल का गठन किया गया। गायत्री चेतना केंद्र दुर्गापुरा की ओर से आधे मूल्य पर पुस्तकें उपलब्ध कराई गई। पर्यावरण गतिविधि राजस्थान की ओर से पर्यावरण से जुड़ी स्टॉल आकर्षण का केंद्र रही। कार्यक्रम में गोपाल शर्मा (व.उपाध्यक्ष गोड़ विप्र समाज मुरलीपुरा), पार्षद डॉ मीनाक्षी शर्मा, आशुतोष शर्मा, नगेन्द्र वशिष्ठ, लोकचंद हरिरामानी, हरिशंकर गोड़, अजय मिश्रा, सुरेश जांगिड़, शैलेंद्र शर्मा, हरिओम जन सेवा समिति के संस्थापक राजेंद्र सदानंद, अध्यक्ष पंकज गोयल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

ANCHOR | बम्पर पैदावार

लहसुन औंधे मुंह, लागत निकालना दूभर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। नई फसल बाजार में आने के साथ ही लहसुन उत्पादक किसानों का नींद-चैन छीन गया है। हालात यह है कि भाव नहीं मिलने से पुराने लहसुन को किसान सड़क पर फेंकने को मजबूर हो चले है। यह स्थिति फसल की आवक में बढौत्तरी होने के साथ ही सरकार के लिए संकट पैदा कर सकती है। क्योंकि, वर्ष 2017 की स्थिति को भुलाया नहीं जा सकता है। उस वर्ष भी किसानों को घाटे से उबारने के लिए सरकार ने बाजार हस्तक्षेप योजना के तहत किसानों से निर्धारित एमएसपी पर लहसुन खरीदा था। कमोबेश यही, स्थिति इस साल भी नजर आ रही है। क्योंकि, अच्छे भावों की उम्मीद में किसानों ने लहसुन की अच्छी बुवाई की है। लेकिन, नई फसल बाजार में पहुंचने के साथ ही किसानों में प्रति क्विंटल भावों को लेकर हाय-तौबा का दौर शुरू हो चुका है। गौरतलब है कि पिछले साल किसानों को 7-8 रूपए प्रति किलोग्राम के भाव मिले थे। लेकिन, इस साल 2 से 5 रूपए के भाव किसानों को मिल रहे है। इससे किसानों को लागत निकालना भी भारी पड़ने लगा है। कृषि विशेषज्ञो का कहना है कि पिछले साल कोविड संक्रमण के चलते कृषि उपज मंडियों में सीमित कारोबार हुआ। इससे बाजार में लहसुन की आवक कम दर्ज हुई। इससे लहसुन के प्रति क्विंटल भावों में मजबूती का रूख देखा गया। लेकिन, इस साल मंडियों में सामान्य कारोबार के चलते लहसुन की आवक होती रही। भाव बढने की उम्मीद से लहसुन का स्टॉक किए बैठे किसान अब नई फसल तैयार होने पर पछता रहे है। क्योंकि, बाजार में नई फसल के भाव ही ऊंचे बोले जा रहे है। जबकि, पुराने लहसुन के भाव 1 से दो रूपए किलो के मध्य चल रहे है। इससे किसानों को घाटा लगने की स्थिति पैदा हो गई है।

क्यों बने हालात

यह स्थिति कोई एक-दो नहीं बल्कि सैकड़ों किसानों की है। किसानों ने पिछले साल फसल तैयार होने के साथ ही भाव बढने की उम्मीद से उपज को स्टॉक कर लिया। सोचा था की भाव बढ़ेंगे तो उपज बेच देंगे। इस दौरान भाव नहीं बढ़े तो उपज घर-खलिहानों में भरी रही। अब नई फसल बाजार में पहुंचने लगी है। वहीं, प्रति क्विंटल भावों में कोई सुधार नहीं हुआ है। इससे किसान पुराने लहसुन को लेकर चिंतित हो उठे है। किसानों के सामने पुराने स्टॉक में रखे लहसुन को बेचने के सिवा दूसरा कोई चारा नहीं है। लेकिन पुराने लहसुन का भाव नहीं मिलने से किसानों को मजबूरन इसे कम दाम पर बेचना पड़ रहा है अथवा फेंकना पड़ रहा है।

किराया भी नहीं निकल रहा

पुराने लहसुन के भावों का आलम यह है कि इससे अभी मंडियों में ले जाकर बेचने का किराया भी नहीं निकल रहा। नए लहसुन के लिए जगह बनाने के लिए पुराने लहसुन को बेचना जरूरी है। लेकिन इसे मंडियों तक ले जाकर बेचने में किराया भी नहीं निकल रहा। ऐसे में उनके सामने इसे फेंकने के सिवा कोई उपाय नहीं है। कोटा मंडी में लहसुन के भाव 1 हजार से 3 हजार रुपए चल रहे है। जबकि पिछले वर्ष लहसुन के दाम 5 से 10 हजार थे तो किसानों को इस साल भी अच्छे दाम मिलने की उम्मीद थी। लेकिन, दीपावली के बाद से लगातार भाव गिरते चले गए। किसानों को कहना है कि लहसुन कलियों की तो खरीद ही नहीं की जा रही है।

गुणवत्ता में गिरावट भी एक कारण

कृषि विशेषज्ञों ने बताया कि पुराना लहसुन पूरी तरह से सूख चुका है। इससे गुणवत्ता प्रभावित हुई है। जब नई फसल बाजार में आने लगी है तो व्यापारी पुराने की जगह, नए लहसुन की खरीद को प्राथमिकता दे रहा है। फसल की बुवाई अच्छी हुई है, ऐसे में उत्पादन बढ़ना तय है। इस स्थिति को देखते हुए बाजार किसानों का साथ नहीं दे रहा है। यही कारण है कि किसान पुराना लहसुन सड़कों पर फेंकने को मजबूर हो चले है।

7 लाख एमटी पैदावार का अनुमान

एनएचआरडीएफ कोटा क्षेत्रीय कार्यालय के वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. अवधेश मिश्रा ने बताया कि इस साल हाड़ौती संभाग में सवा लाख हैक्टयर क्षेत्र में लहसुन की बुवाई हुई है। इससे करीब 7 लाख एमटी पैदावार मिलने का अनुमान है। उन्होंने बताया कि होली के बाद लहसुन की फसल तैयार हो जायेगी। इससे कृषि मंडियों मे आवक और बढेगी। जबकि, इस साल लहसुन की मांग कमजोर है। इस स्थिति को देखकर ही लहसुन उत्पादक किसानों को निर्णय लेने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि किसान लहसुन खुदाई से पखवाड़े भर पहले सिंचाई नहीं करें। इससे भंड़ारण के दौरान कली सडन् को रोका जा सकता है। साथ ही, जहां लहसुन भंड़ारित किया जाता है, उस जगह 5 फीट से ऊपर ढेर नहीं लगाए। इससे ज्यादा ऊंचाई पर लहसुन को भंड़ारित करने से नीचे वाले बल्ब की गुणवत्ता समय के साथ खराब होना शुरू हो जाती है।

वर्ष 2017 से ज्यादा उत्पादन

गौरतलब है कि वर्ष 2017 में भी लहसुन के भाव किसानों के लिए गलफांस बन गए थे। क्योंकि, उस वर्ष भी लहसुन की अच्छी बुवाई हुई थी और उत्पादन 5 लाख एमटी के करीब रहा था। इस साल वर्ष 2017 से भी दो लाख एमटी ज्यादा पैदावार मिलने का अनुमान है। जबकि, लहसुन के वर्तमान भाव 2-5 रूपए प्रति किलो चल रहे है और भावों में सुधार की गुजाइंश कम है। इस स्थिति में नई फसल की आवक बढने के साथ ही किसानों का रूदन बढना भी तय है। इस स्थिति को देखते हुए सरकार को अभी से ही ठोस योजना बनाने की जरूरत है। वर्ष 2017 में सरकार ने हाडोती और जोधपुर संभाग में क्रय केन्द्र खोलकर निर्धारित एमएसपी पर किसानों से लहसुन खरीद किया था।

जागरूक खबरें

शिविर में 2 आवेदकों का ऋण किया स्वीकृत

तारानगर @ जागरूक जनता। इन्दिरा गांधी शहरी क्रेडिट कार्ड योजना के तहत नगरपालिका तारानगर में ऋण वितरण शिविर लगाया गया योजना के तहत पात्र लोगो को बैंको के माध्यम से 50हजार रूपये तक ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध करवाया जा रहा है। सभागार में लगे शिविर में brkgb BANK के ऋण अधिकारी विक्रम सिंह ने भाग लिया तथा 2 आवेदनो का मौके पर ऋण स्वीकृत किया गया। इस दौरान सभी बैंकों के द्वारा कुल 26 आवेदकों के ऋण स्वीकार तथा एक आवेदक को ऋण वितरित किया गया इस मौके पर पालिका सीओ अर्जुन सिंह राजपुरोहित, मुमताज खां, हेमराज प्रजापत, संदीप कुमार, गोपालराम आदि कर्मचारी उपस्थित रहे।

दयाराम प्रदेश सचिव नियुक्त

भोपाल @ जागरूक जनता। अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश यादव की अनुशंषा पर ग्राम करई, बड़ा सागर के दयाराम यादव को प्रदेश सचिव नियुक्त किया गया है। सभी ने इनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

महावीर इंटर नेशनल हुबली के बाफना अध्यक्ष व केसरी चंद गोलछा मंत्री बने

हुबली @ जागरूक जनता। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सेवाओं के लिए ख्यात संस्था महावीर इंटरनेशनल हुबली शाखा की आमसभा का आयोजन किया गया। सभा का प्रारम्भ प्रार्थना से हुई। संस्था के अध्यक्ष प्रकाश बाफना ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। मंत्री गोलछा ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, कोषाध्यक्ष अनिल सुराणा ने आय व्यय का ब्यौरा पेश किया जिसकी सभी सदस्यों ने सहमति प्रदान की, इसके पश्चात अध्यक्ष बाफना ने नयी कार्यकारिणी गठन के लिए प्रस्ताव रखा जिसका सभी सदस्यों ने चर्चा कर पुनः प्रकाश बाफना को अध्यक्ष एवं केसरी चंद गोलछा को मंत्री पद पर सर्वसम्मति से पुनः मनोनीत किया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रकाश बाफना ने अपनी टीम का गठन में पूर्व अध्यक्ष महावीर पालरेचा व महेंद्र जैन को सलाहकार, रमेश ओस्तवाल, अनिल जैन (नाहटा) को उपाध्यक्ष, प्रकाश पारख को सहमंत्री, सुभाष चंद्रा डंक को संगठन मंत्री, अनिल सुराणा को कोषाध्यक्ष, मगराज जैन, विजय गोलेछा को कार्यकारिणी सदस्य बनाया। साथ ही आगामी वर्ष के लिए आयोजित किये जाने वाले कार्यो पर चर्चा की और महावीर इंटर नेशनल हुबली शाखा को मजबूती प्रदान किये जाने के लिए निर्णय लिया गया। अंत में सहमंत्री प्रकाश पारख ने सभी का आभार जताया, इस दौरान संस्था के पारस पगारिया, सुनील लोढ़ा अशोक ओस्तवाल, सुरेश ओस्तवाल, ललित जैन, गौतम बागरेचा सहित अन्य सदस्य उपस्तिथ थे।

जेके महिला प्रशिक्षण केंद्र मांगरोल में हुई महिला रक्तदान हेतु जागरूकता कार्यशाला

निंबाहेड़ा @ जागरूक जनता। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आचार्य श्री तुलसी ब्लड फाउंडेशन एटीबीएफ महिला टीम निंबाहेड़ा द्वारा आयोजित किए जा रहे महिला रक्तदान शिविर में महिला रक्तदान जागृति कें लिए जेके द्वारा कृति संस्थान के मध्यम से संचालित सुरभि महिला प्रशिक्षण केंद की महिलाओं को महिला जिलाध्यक्ष वर्षा कृपलानी के नेतृत्व में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में ATBF महिला जिलाध्यक्ष कृपलानी ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा की सबसे बड़ी सेवा हे पीड़ित मानव सेवा, किसी रोते हुए परिवार की मदद करना किसी के लिए जीवनदाता बनना और वो हमे रक्तदान कर किसी की जिंदगी बचाकर करने का मोका मिला है तो हमे इस और कदम बढ़ाना चाहिए और रक्तदान से न तो कोई कमजोरी आती बल्कि आपको दुआए तो मिलती है साथ में आप किसी के जीवनदाता भी बनते हैं और इस से जो हमे आत्म संतुष्टि मिलती हे ,उसे हम ही केवल अनुभव कर सकते है। कृपलानी ने बताया कि अगर महिलाओ में हिमोग्लोबिन कम हो, जो अक्सर रहता है तो उसे किस तरह घरेलू चीजों से उसे हम बढ़ा सकते है। नगर अध्यक्षा ज्योत्सना वीरवाल ने सभी को महिला दिवस पर निंबाहेड़ा आकर रक्तदान की मुहिम में शामिल होने को कहा। इस अवसर पर आरएनटी ग्रुप ऑफ कॉलेजेज के निदेशक ड्रा वसीम खान ने भी रक्तदान के लिए जागरूक करने के लिए अपना उद्बोधन दिया और बताया की मैं भी अपने जीवन में 55 बार रक्तदान कर चुका हू और सबको रक्तदान करते रहना चाहिए उस से आपका शरीर स्वस्थ भी बना रहता है। सुरभि महिला क्लब की प्रशिक्षकों वा कृति संस्थान के सिराज द्वारा सभी का स्वागत किया गय। इस अवसर पर अरुणिमा सेवा संस्थान की श्वेता राठौड़ ,नगर सचिव कल्पना चेलावत, स्वर्णलता जैन, रश्मि पटवा आदि महिला कॉर्डिनेटर उपस्थित रही।

हस्तशिल्पियों को प्रोत्साहित करना हमारी ज़िम्मेदारी है- खुशबु माथुर

गुलाबपुरा @ जागरूक जनता। विवेकानन्द केन्द्र विद्यालय, हुरड़ा की पूर्व छात्रा खुशबु माथुर जो की हस्तशिल्पकारो के उथान के लिए एक दशक से ज़्यादा समय से भारत के कई गाँवों में महिलाओं को ट्रेनिंग दे चुकी है ।और हस्तशिल्प को बढ़ावा देने के लिए बोस्ट्रिंग नामक एनजीओ की स्थापना करी है।महिला दिवस के दिन आगूचा के कुम्हार मोहल्ले में इन्होंने अपने शिक्षक लक्ष्यपाल सिंह राठोड़ एवं अलसा एनजीओ की संस्थापक श्रीमती अपराजिता के साथ कुम्हारों के बच्चों संग मिट्टी के उत्पादों में नवाचार पर कार्यशाला करी। इनका ये सोचना है कि हस्तशिल्प की ज़रूरत को समझना , हस्तशिल्पियों को प्रोत्साहित करना हमारी ज़िम्मेदारी है।मशीनीकरण के चलते हमारी अगर संस्कृति खत्म हो जाएगी तो इसकी भरपायी के लिए हमारे पास कोई भी मशीन नहीं है। रोज़गार की तलाश में हमारे कई शिल्पकार अपना पेत्रक काम छोड़कर मज़दूरी, कबाड़ी एवं दूसरे तरीक़ों से अपना जीवन यापन कर रहे है। अगर हम हस्तशिल्पकारों का हाथ थामेंगे तो इनके साथ एक सुनहरा भविष्य देख सकते है जिसमें स्वरोज़गार को बढ़ावा मिलेगा और नयी पीढ़ी अपनी संस्कृति के माध्यम से अपने भविष्य को आत्मनिर्भर बनकर सुरक्षित कर पाएगी।

सीकर जिले में खुलेंगे विकास और रोजगार के द्वार

दीपावास में लगेगा स्टील प्लांट

उदयपुर की कंपनी से 50 साल का एग्रीमेंट

180 हैक्टे. की आयरन-ओर लीज आवंटित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सीकर। नीमकाथाना के दीपावास में 180 हैक्टेयर क्षेत्र की आयरन-ओर लीज का आवंटन किया है। एग्रीमेंट के मुताबिक खनन के साथ ही कंपनी यहां स्टील प्लांट भी लगाएगी। यह प्रदेश का दूसरा स्टील प्लांट होगा। क्योंकि इससे पहले भीलवाड़ा के समोड़ी गांव में प्रस्तावित था। हालांकि यह प्लांट अभी तक स्थापित नहीं हो पाया है। प्लांट लगने से क्षेत्र में रोजगार और डवलपमेंट की नई शुरुआत होगी। इससे करीब दो हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। अभी यहां से आयरन-ओर दूसरे इलाकों में सप्लाई होता है। दीपावास की लीज प्रदेश की टॉप 10 खान में शामिल होगी। इसका खनन कार्य उदयपुर की कंपनी को 50 साल की लीज पर दिया है। विभाग के अधिकारियों के अनुसार प्रोजेक्ट मंजूरी के बाद कंपनी को एल वाई जारी किया है। डायवर्जन की फाइल सरकार को भेजी है। अनुमति के बाद कंपनी को खनन की अनुमति दी जाएगी। दीपावास में 2008 में आयरन-ओर के लिए प्रोस्पेक्टिव लाइसेंस जारी किया था।

500 मिलियन टन आयरन से फायदा

1. **इंडस्ट्रीयल डवलपमेंट :** अब बड़ी इंडस्ट्रीज आने से औद्योगिक विकास होगा। संसाधन मिलने से छोटी-छोटी नई यूनिट्स लगाना आसान होगा।
2. **रोजगार के अवसर :** करीब दो हजार से ज्यादा लोगों को रोजगार मिल सकेगा। टेक्नीकल एक्सपर्ट, ट्रांसपोर्ट के अलावा अप्रत्यक्ष रूप से मेंटीनेंस सेंटर, होटल आदि डवलप होंगे।
3. **शिक्षा और जीवन स्तर में सुधार :** औद्योगिक विकास होने और रोजगार मिलने से लोगों के जीवन स्तर में सुधार होगा। आर्थिक मजबूती मिलने से ग्रामीण क्षेत्रों के परिवारों के बच्चे उच्च शिक्षा से जुड़ पाएंगे।
4. **सरकार को मिलेगा रेवेन्यू :** बेचे जाने वाले मिनरल पर 15 फीसदी रॉयल्टी सरकार के खाते में जमा होगी। नेशनल मिनरल पर रॉयल्टी का 4 फीसदी है। राज्य सरकार के राजस्व में वृद्धि होगी।

दो साल बाद महकेगी जायके की खुशबू

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

टोंक। जिले के राजकीय विद्यालयों में दो साल से बंद सरकारी स्कूलों के रसोईघरों में फिर से खुशबू महकेगी। विद्यार्थियों को गर्म पौष्टिक भोजन मिलेगा। इसके लिए सरकार की ओर से जारी दिशा निर्देशों के बाद शिक्षा विभाग ने तैयारी शुरू कर दी थी। कोरोना काल के चलते गत दो सालों से सरकारी स्कूलों में पोषाहार बंद था। राजकीय विद्यालयों में कक्षा एक से आठ तक अध्ययन वाले विद्यार्थियों को मिड डे मील के तहत मध्यान्ह में गर्म भोजन (पोषाहार)दिया जाता है। कोरोना संक्रमण के चलते देशव्यापी बंद के दौरान राजकीय विद्यालय भी बंद हो गए। ऐसे में सरकार के निर्देश पर प्रदेशभर में मिड डे मील योजना का संचालन भी 14 मार्च 2020 से बंद था। विद्यालय बंद होने पर सरकार ने पहले कोम्बो पैक और बाद में सूखा पोषाहार विद्यार्थियों के घरों तक पहुंचाया। सरकार की ओर से 16 फरवरी से स्कूलों का नियमित संचालित शुरू कर दिया है।

साफ-सफाई का रखना होगा ध्यान

मिड डे मील शुरू करने से पहले साफ. सफाई का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश के अनुसार भोजन बनाने, परोसने व खाने के बर्तन पूरी तरह से साफ होने चाहिए। कुक कम हेल्पर का समय-समय पर मेडिकल जांच करना होगी। कुक कम हेल्पर व विद्यार्थियों के नाखून काटने, साफ कपड़े पहनने सहित साफ सफाई का विशेष ध्यान रखने को कहा गया है।

2531 कुक कम हेल्पर बनाएंगे भोजन

जिले के राजकीय विद्यालयों में पोषाहार बनाने के लिए कुल 2531 कुक कम हेल्पर लगे हुए है,जिन स्कूलों में 50 बच्चे है वहां पर एक व जहां पर पचास से अधिक बच्चें है वहां पर दो कुक कम हेल्पर पोषाहार बनाने का काम देख रहे है।

कूड़िया ने जीता रजत

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

साथीन/ पीपाड़ शहर। पीपाड़ शहर उपखंड क्षेत्र के साथीन गांव निवासी घुड़सवार ज्योति कुड़िया ने मेरठ में राष्ट्रीय सीनियर घुड़सवारी खेल प्रतियोगिता 2022 में रजत पदक हासिल किया है। समाजसेवी रामचन्द्र कुड़िया ने बताया कि सागर घुड़सवारी खेल अकादमी जयपुर की राष्ट्रीय सीनियर घुड़सवार ज्योति कुड़िया ने आरवीसी सेन्टर मेरठ में आयोजित राष्ट्रीय सीनियर घुड़सवारी ड्रेसार्ज खेल प्रतियोगिता 2022 में अपने कौशल का प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किया है। वनस्थली विद्यापीठ निवाई की बीएससी अंतिम वर्ष की छात्रा घुड़सवार ज्योति कुड़िया को रिमाउन्ट वैटेनरी कोर एंड सेंटर मेरठ में इक्वेस्ट्रियन फेडरेशन ऑफ इंडिया के अधिकारियों द्वारा रजत पदक पहनाकर प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

पद मिलने के बाद पहली बार जालोर पहुंचे पाराशर, जनता का जताया आभार

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जालोर। जिले की ग्रामीण राजनीति में गहरी पैठ रखने वाले जन अभाव अभियोग निराकरण समिति के बोर्ड का अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार जालौर पहुंचने पर जबरदस्त स्वागत हुआ। जिला अध्यक्ष के पद पर रहे पाराशर के जन अभाव अभियोग निराकरण समिति के अध्यक्ष बनने से कांग्रेसी समर्थकों में छाई खुशी स्वागत कार्यक्रमों में खूब झलकी। इस अवसर पर पाराशर ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जो जिम्मेदारी मुझको दी है, उस जिम्मेदारी पर खरा उतरने का प्रयास करूंगा। स्वागत कार्यक्रम में रानीवाड़ा के पूर्व विधायक रतन देवासी ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बजट में जालोर जिले के लिए कृषि विद्यालय, अनुसूचित जातियों के लिए छात्रावास, पेयजल हेतु 1400 करोड़ जिले का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट,सड़क निर्माण, रानीवाड़ा नगर पालिका जैसे कई बड़े प्रोजेक्ट दिए हैं। इस दौरान उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को एकजुटता दिखाते हुए 2023 के चुनाव के लिए काम करने की बात कही। इस दौरान कांग्रेसी के वरिष्ठ नेता भीखाराम सारण और पूर्व विधायक रामलाल मेघवाल ने पाराशर से कहा कि जिले की सबसे बड़ी समस्या सड़क मार्ग की है । पाराशर ने सड़क की समस्या का समाधान करने की बात कही।

स्वागत कार्यक्रम में कांग्रेस प्रभारी भूराराम देवासी, पूर्व उप सचेतक मंत्री रतन देवासी,सवाराम पटेल, मंजू मेघवाल,रामलाल मेघवाल, उमसिंह चांदराई, समशेर अली, हिंदूसिंह दूठवा,न.पा.अध्यक्ष नरेश सेठ, डॉक्टर भूपेंद्र बिश्नोई, प्रवीण बिश्नोई,पूर्व सरपंच भीखाराम सारण पुर,वीरमा राम वाडानया, गोदा राम देवासी, परसराम ढाका,रमीला मेघवाल, जगदीश गोदारा, अमराराम माली, हरिश परमार, जगदीश सारण, सुनील राजपुरोहित कृष्णा राम राजपुरोहित समेत बड़ी संख्या में कांग्रेसी मौजूद रहे।

यात्रीगण कृपया ध्यान दें! : डेगाना-फुलेरा रेलवे डिवीजन में कार्य प्रगति पर

बीकानेर से जयपुर जाने वाली ट्रेन 17 तक चूरू-सीकर होकर जाएगी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

बीकानेर। जोधपुर के डेगाना-फुलेरा रेलवे डिवीजन में कार्य के चलते बीकानेर से जयपुर की ओर जाने वाली रेलगाड़ियां अब कुछ दिन के लिए नागौर-मेड़ता के बजाय चूरू-सीकर होकर जाएगी। रेलवे प्रशासन ने आठ मार्च से सत्रह मार्च तक के लिए गाड़ियां का नया टाइम टेबल जारी किया है। सत्रह मार्च के बाद पहले की तरह फिर से ये गाड़ियां नागौर मेड़ता होकर ही जाएगी। रेलवे के अनुसार जोधपुर मण्डल के डेगानाङ्कफुलेरा रेलखण्ड में दोहरीकरण कार्य के अंतर्गत बोरावडङ्ककुचामन सिटी स्टेशनों के मध्य नॉन इण्टरलॉकिग कार्य किया जा रहा है, जिसके कारण रेल यातायात प्रभावित रहेगा।

आंशिक रद्द रेल सेवाएं

1. गाडी सं. 19719, जयपुर-सूरतगढ़ रेलसेवा, जो 08 मार्च से 17 मार्च 10 ट्रिप तक जयपुर से प्रस्थान करने वाली रेलसेवा बीकानेर से सूरतगढ़ के लिए संचालित होगी अर्थात यह रेलसेवा जयपुर-बीकानेर के मध्य रद्द रहेगी।
2. गाडी सं. 19720, सूरतगढ़-जयपुर रेलसेवा, जो सात मार्च से 16.03.22 (10 ट्रिप) तक सूरतगढ़ से प्रस्थान करने वाली रेलसेवा बीकानेर तक ही संचालित होगी अर्थात यह रेलसेवा बीकानेरङ्कजयपुर के मध्य रद्द रहेगी।

मार्ग परिवर्तित रेल सेवाएं

1. **गाड़ी संख्या 12467 जैसलमेर-**जयपुर एक्सप्रेस, जो दिनांक 08.03.22 से 17.03.22 (10 ट्रिप) तक जैसलमेर से प्रस्थान करेगी, वह रेल सेवा परिवर्तित मार्ग वाया बीकानेर, चूरू, सीकर, रींगस जयपुर होकर संचालित होगी।
2. **गाड़ी संख्या 12468, जयपुर-**जैसलमेर एक्सप्रेस, जो दिनांक 08 मार्च से 17 मार्च (10 ट्रिप) तक जयपुर से प्रस्थान करेगी, वह रेल सेवा परिवर्तित मार्ग जयपुर, रींगस, सीकर, चूरू, बीकानेर होकर संचालित होगी।
3. **गाड़ी संख्या 22981, कोटा-**श्रीगंगानगर एक्सप्रेस, जो दिनांक 08, 11, 12, 14 एवं 15 मार्च (05 ट्रिप) को कोटा से प्रस्थान करेगी। वह रेल सेवा परिवर्तित मार्ग जयपुर, रींगस, सीकर, चूरू, बीकानेर होकर संचालित होगी।
4. **गाड़ी संख्या 22982, श्रीगंगानगर-** कोटा एक्सप्रेस, जो दिनांक 07, 10, 11, 13 एवं 14 मार्च (05 ट्रिप) को श्रीगंगानगर से प्रस्थान करेगी, वह रेल सेवा परिवर्तित मार्ग बीकानेर, चूरु, सीकर, रींगस, जयपुर होकर संचालित होगी।
5. **गाड़ी संख्या 22997, झालावाड सिटी -** श्रीगंगानगर एक्सप्रेस, जो दिनांक 09, 10 एवं 13 मार्च (03 ट्रिप) को झालावाड सिटी से प्रस्थान करेगी, वह रेल सेवा परिवर्तित मार्ग जयपुर, रींगस, सीकर, चूरू, बीकानेर होकर संचालित होगी।
6. **गाड़ी संख्या 22998, श्रीगंगानगर-**झालावाड़ सिटी एक्सप्रेस, जो 08, 09 एवं 12 मार्च (03 ट्रिप) को श्रीगंगानगर से प्रस्थान करेगी, वह रेल सेवा परिवर्तित मार्ग बीकानेर, चूरु, सीकर, रींगस, जयपुर होकर संचालित होगी।
7. **गाड़ी संख्या 22631, मदुरई-**बीकानेर एक्सप्रेस, जो दिनांक 10 मार्च (01 ट्रिप) को मदुरई से प्रस्थान करेगी, वह रेल सेवा परिवर्तित मार्ग जयपुर, रींगस, सीकर, चूरू, बीकानेर होकर संचालित होगी।
8. **गाड़ी संख्या 20472, पुरी-**बीकानेर एक्सप्रेस, जो दिनांक 09 मार्च (01 ट्रिप) को पुरी से प्रस्थान करेगी, वह रेल सेवा परिवर्तित मार्ग जयपुर, रींगस, सीकर, चूरू, बीकानेर होकर संचालित होगी।

राज हॉस्पिटल में महिला दिवस पर नि :शुल्क चिकित्सा शिविर में 118 रोगी लाभान्वित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

झुंझुनूं। राज हॉस्पिटल सिंघाना में महिला दिवस पर आयोजित निःशुल्क चिकित्सा शिविर में क्षेत्र के 118 रोगियों ने लाभ लिया। शिविर में हिमोग्लोबिन, ब्लड़ शुगर, बीएमडी, बीपी की निःशुल्क जाँच की गई। एक्स रे व गर्भवती महिलाओं के लिए सोनोग्राफी पर 50प्रतिशत तक छूट दी गई। शिविर में हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. रणवीर सिंह, दूरबीन सर्जरी व जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ डॉ. पार्थ चौधरी, फिजिशियन डॉ. राजबाला, स्त्री व प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. सुनीता बिजारनिया, जनरल सर्जन डॉ. सिद्धार्थ चौधरी, शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. रूचिका सिंह ने अपनी निःशुल्क सेवाएं दी। बीएमडी जांच टीम समन्वयक विशाल शर्मा ने हड्डियों में कैल्शियम की जाँच की। शिविर में राज हॉस्पिटल प्रबंधक कुलदीप राणा, मंदीप निर्मल सहित सभी स्टॉफ ने सहयोग किया।

जालोर का चौथा शहर बना रानीवाड़ा, सरकार ने दिया नगरपालिका का दर्जा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

रानीवाड़ा। वर्षो से रानीवाड़ा ग्राम पंचायत को उच्चीकृत कर नगर पालिका बनाने की मांग आखिरकार पूरी हो गई है। नगर पालिका बनने के कारण रानीवाड़ा में जहां नागरिक सुविधाओं का विस्तार होगा, वहीं नगर पंचायत को मिलने वाले बजट में भी बढ़ोतरी होगी। इससे नगर में विकास का पहिया और तेजी के साथ घूमेगा।नगर पालिका बनाने की कैबिनेट से मंजूरी मिलने की जानकारी मिलते ही भरवारी के लोग खुशी से झूम उठे। कस्बे के लोगों ने एक दूसरे को बधाई दी। स्थानीय विधानसभा क्षेत्र के नागरिक सोशल मीडिया एवं व्यक्तिगत तौर पर इसका पूरा श्रेय पूर्व विधायक एवं पूर्व सचेतक मंत्री रतन देवासी को दे रहे हैं। वह लंबे समय से इसके लिए प्रयासरत थे। जश्न मनाने का सिलसिला देर रात तक चलता रहा।

जिले में जालोर नगरपरिषद, भीनमाल व सांचौर है नगरपालिका

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गुरुवार को जालोर जिले को एक और सौगात दी है। बजट पर परिचर्चा करते हुए गहलोत ने जालोर जिले की रानीवाड़ा ग्राम पंचायत को नगरपालिका का दर्जा दिया है। रानीवाड़ा को नगरपालिका बनाने से जालोर जिले में यह चौथा निकाय बना है। इससे पहले जालोर नगरपरिषद तथा भीनमाल व सांचौर नगरपालिका के रूप में स्थानीय निकाय है। रानीवाड़ा विधानसभा क्षेत्र होने के साथ साथ उपखण्ड मुख्यालय व पुलिस उप अधीक्षक स्तर का मुख्यालय भी है। साथ ही बड़ी ग्राम पंचायतों के रूप में रानीवाड़ा व आहोर का नाम स्थानीय निकाय बनाने की सूची में चल रहा था, लेकिन रानीवाड़ा को निकाय बना दिया। आहोर इस बार भी पीछे रह गई है।

बजट में रही चूक को सुधारा

बजट घोषणा के दौरान विशेषकर रानीवाड़ा को खास सौगात नहीं दे पाए थे। वहीं पिछले दो बार से लगातार यहां भाजपा का विधायक जीतने के कारण खास कार्य का सरकार पर दबाव भी बन रहा था। इस कारण अब रानीवाड़ा ग्राम पंचायत को नगरपालिका का दर्जा देकर सरकार ने नया दांव खेला है। वहीं पिछले दिनों गोदाराम देवासी को भी पशुधन विकास बोर्ड का सदस्य बनाकर माहौल पक्ष में करने का प्रयास किया है। रानीवाड़ा पंचायत को नगरपालिका बनाने की घोषणा से कर्तकर्ताओं में खुशी की लहर है।

ANCHOR **नारायण सेवा संस्थान का 37वां दिव्यांग एवं निर्धन सामूहिक विवाह**

डोली में बैठ चली साजन के घर 21 बेटियाँ

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

उदयपुर। नारायण सेवा संस्थान के 37वें निःशुल्क दिव्यांग एवं निर्धन युवक-युवती सामूहिक विवाह समारोह के दूसरे दिन रविवार को लियों का गुड़ा स्थित संस्थान के सेवा महातीर्थ में 21 जोड़ों ने पवित्र अग्नि को साक्षी बनाकर फेरे लिए। मुख्य अतिथि पूर्व राज परिवार के सदस्य लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ थे। संस्थान संस्थापक पद्मश्री कैलाश 'मानव', कमला देवी अग्रवाल, अध्यक्ष प्रशान्त अग्रवाल, वंदना अग्रवाल व विशिष्ट अतिथियों संजय भाई दया-दक्षिणी अफ्रीका, सोहनलाल-एकता चड्ढा व भरत सोलंकी-यू.एस.ए. द्वारा गणपति पूजन के साथ विवाह की पारम्परिक विधियां आरम्भ हुई। मुख्य अतिथि लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने कहा कि सेवा भाव से किया गया कार्य हमेशा खुशी देता है। यह भारतीय समाज की शुरू से विशेषता भी रही है। मेवाड़ तो हमेशा ही इस दिशा में आदर्श रहा है। उन्होंने कहा मेवाड़ इतिहास, संस्कृति और पर्यटन की वजह से तो दुनियाभर में पहचान रखता ही है, नारायण सेवा ने इस पहचान को और व्यापकता दी है। कैलाश 'मानव' ने कहा कि जिन दिव्यांग भाई-बहिनों ने अपनी निःशक्तता को दुर्भाग्य मानते हुए अपनी गृहस्थी बसने की कभी कल्पना भी न की होगी, आज समाज के सहयोग और भव्यता से उनकी यह साध पूरी हो रही है। संस्थान अध्यक्ष प्रशान्त अग्रवाल ने कहा कि सपने देखना किसे अच्छा नहीं लगता और जब कोई अकल्पनीय सपना साकार हो उठता है तो उसकी खुशी को बयां करना भी आसान नहीं होता। ऐसे ही पलों को समेटे इस विशाल प्रांगण में 21 दिव्यांग जोड़ों ने ज़िन्दगी की नई शुरूआत की हैं। ये जोड़े राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात, उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों के हैं। उन्होंने बताया कि पिछले 36 विवाहों में 2130 जोड़े अपना घर-संसार बसाकर खुश हैं। इन जोड़ों में कोई पांव से तो कोई हाथ से दिव्यांग है। किसी जोड़े में एक विकलांग है तो साथी सकलांग है। ऐसा जोड़ा भी है जो नेत्रहीन है। मेहंदी रस्म के दौरान विभिन्न राज्यों से आई महिला अतिथियों ने ढोलक की थाप पर मेहंदी के परम्परागत गीत-नृत्यों की मनोहारी प्रस्तुतियां दी। वंदना अग्रवाल व पलक अग्रवाल की टीम ने जब स्नेह से मेहंदी लगाई तो ये पल दुल्हनों के लिए अविस्मरणीय हो गया। विवाह समारोह के दौरान प्रातः 9.15 बजे अग्रसेन चैराहे से संस्थान परिसर तक दूल्हा-दुल्हन की बिन्दोली निकाली गई। जिसमें बैण्ड बाजों की धुन पर विभिन्न प्रान्तों से आए अतिथियों ने जमकर ठुमके लगाए। बाद में सभी दूल्हों ने क्रम से तोरण की रस्म अदा की। इसके बाद हाइड्रोलिक स्टेज पर गुलाब पंखुड़ियों की बौछार के बीच नव युगलों ने परस्पर वरमाला पहनाई। इसके पश्चात 21 वेदी-कुण्डों पर उपस्थित आचार्यो ने वैदिक विधि से पाणिग्रहण संस्कार सम्पन्न करवाया। विदाई की वेला में दूल्हनें डोली में बेठकर साजन के घर जाने के लिए संस्थान परिसर से बाहर आई जहां दुल्हें व उनके परिवार तथा अन्य अतिथि मौजूद थे। इस दौरान सभी की आंखे नम हो उठी। संस्थान के वाहनों में गृहस्थी के सामान व अतिथियों द्वारा प्रदत्त उपहारों के साथ नव दम्पती को खुशी-खुशी अपने-अपने घरों के लिये विदा किया गया। समारोह का संस्कार चैनल से सीधा प्रसारण किया गया। मंच संचालन महिम जैन ने किया।

एक जोड़ा ऐसा भी-ज्योति बने संगीत के सुर

दिव्यांगों के चेहरों पर मुस्कान सजाने वाले सामूहिक विवाह में गरीब परिवार का एक जोड़ा नेत्रहीन भी था। नीमच निवासी मोहन कोई काम सीखने की ललक लेकर दो वर्ष पूर्व जोधपुर गया था। वहां अंध विद्यालय में उसने नेत्रहीन संगीत प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। अपनी प्रस्तुति से पहले पूजा के सुरों को सुन... उसके माधुर्य का कायल हो गया। पूजा को भी मोहन का गीत भा गया। प्रतियोगिता के बाद दोनों ही पहली मुलाकात में एक-दूसरे की ओर आकर्षित हो गए और परस्पर चाहने लगे। अपने-अपने घर लौटने के बाद घंटों मोबाइल पर भी बात होने लगी। दोनों के बीच जीवन का हमसफर होने की सहमति बनी और परिजनों को अपने निर्णय की जानकारी दी। परिवार की गरीबी विवाह के आयोजन में असमर्थ थे। कुछ ही माह पूर्व इन्होंने नारायण सेवा संस्थान से सम्पर्क किया। जिसने उन्हें उनके सपने को मूर्त रूप दे दिया।

डाक पंजीयन सं. : jaipurcity/105/2021-23 | R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758
/jagrukjanta /jagrukjantanews jagruk_janta

सरकार खरीदेगी आपके खराब उपकरण, मिलेगी अच्छी कीमत

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। तकनीक के इस दौर में अब राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल घर-प्रतिष्ठानों एवं कारखानों से निकलने वाला ई-वेस्ट खरीद रहा है। विभागीय अधिकारियों की जानकारी के मुताबिक अधिकृत डिस्मेन्टलर, रिसाईक्लर या कलेक्शन सेंटर पर अनुपयोगी इलेक्ट्रीकल आइटम देकर शहरवासी उसके बदले में अच्छी कीमत ले सकेंगे।

हाल ही प्रदेश में ईवेस्ट कलेक्शन के लिए तीसरे चरण में छह जिलों में शुरुआत की है। शहरवासियों को जागरूक करने के लिए जिला प्रशासन और स्थानीय निगमों की मदद से लोगों को ईवेस्ट के बारे में बताया जाएगा। इसके साथ ही जागरूकता रैली भी निकाली जाएगी। ई-वेस्ट के बदले आमजन को विभिन्न कंपनियों की ओर से निर्धारित रुपए भी दिए जाएंगे। जागरूकता अभियान की शुरुआत अगले सप्ताह से होगी। मंडल की अध्यक्ष वीनू गुप्ता ने बताया कि मोबाइल वेन के जरिए बीते दो चरणों में प्रदेश में 77000 किलो यानि 77 मेट्रिक टन ईवेस्ट का संग्रहण किया जा चुका है। इस बार अजमेर, पाली, बीकानेर, चूरू, सीकर, झुझुनू जिलों को शामिल किया गया है। पहले दो चरणों में जयपुर, कोटा, उदयपुर, भीलवाडा, जोधपुर, अलवर और भिवाडी में अभियान संपन्न हो चुका है। दूसरे चरण में कुल 20 लाख रुपए से अधिक की राशि ईवेस्ट के उचित मूलय के रूप में उपभोक्ताओं को वितरित की गई।

इसलिए है जरूरी

राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल के पर्यावरण विदों के मुताबिक आम तौर पर घर-प्रतिष्ठनों एवं कारखानों से निकलने वाले अनुपयोगी व खराब इलेक्ट्रोनिक एवं इलेक्ट्रिकल उपकरणों को कबाड़ी खरीदते हैं। इसके बाद इस वेस्ट को सामान्यतः गैर वैज्ञानिक तरीके से प्रोसेस किया जाता है। इस दौरान इससे निकलने वाले हानिकारक हैवी मेटल्स, प्रदूषक तत्व एवं अन्य रसायन मिट्टी, जल एवं वायु को प्रदूषित करते हैं। जो मानव शरीर में पहुंचकर गंभीर रोग उत्पन्न कर सकते है। चलन से बाहर हुए, टूटे एवं बचे हुए इलेक्ट्रोनिक उपकरण खरीद रहे हैं। इसके तहत अप्रचलित कम्प्यूटर पेरीफेरल्स, पर्सनल इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, सेल फोन्स, ऑडियो विजुअल इक्विपमेंट, चिकित्सा उपकरण तथा घरेलू उपकरण का अच्छा मूल्य मिल सकेगा।

दो साल बाद इंटरनेशनल फ्लाइट्स 27 से फिर शुरू होंगी

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। केंद्र सरकार ने 27 मार्च से रेग्युलर अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का संचालन फिर से शुरू करने का फैसला किया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय यात्रा के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय के निर्देशों का सख्ती से पालन करना होगा। देश में कोरोना केस में गिरावट को देखते हुए यह ऐलान किया गया है। कोरोना की वजह से करीब दो साल पहले मार्च 2020 में केंद्र सरकार ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर पाबंदी लगाई थी। जुलाई 2020 से एयर बबल व्यवस्था के तहत भारत और 37 देशों के बीच स्पेशल इंटरनेशनल फ्लाइट्स का संचालन हो रहा है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बताया कि नए आदेश के तहत एयर बबल व्यवस्था भी खत्म हो जाएगी।

JK Cement LTD.
JK SUPER CEMENT BUILD SAFE
JK SUPER STRONG BUILD SAFE Weather Shield
जागरूक जनता
के 8वें स्थापना दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएँ
देश को
जेके सुपर सीमेंट
का सलाम

विनायक ज्वैलर्स
Retailer of Gold, Diamond & Silver Jewellery
22 K 916 हॉलमार्क ज्वैलरी
18 K 750 हॉलमार्क डायमंड ज्वैलरी
970 Silver Utensiles
Certified राशि रत्न
BIS 100% Hall Marked Jewellery
G-46, Unnati Tower, Central Spine, Vidhya Dhar Nagar, Jaipur
0141-2337548, 0141-2337458, 9414156451

Arvind
Raymond
FABRIC FOR SHIRTS TROUSERS, SUITS, JACKETS KURTA & PAYJAMA
DESIGN & CUSTOM TAILORING ALSO AVAILABLE
G-16-17, Vrindavan Complex
Central Spine
Vidhyadhar Nagar, Jaipur
Mo. : 9828084878
Ph. : 0141-2339890

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट
» मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
» सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
» असाध्य घाव/शुगर के घाव
» कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
» अचानक बहरापन (Hearing Loss)
» डाइबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.
नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड़, विद्याधर नगर, जयपुर
Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur
E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.com

जागरूक जनता की 8वीं वर्षगांठ पर हार्दिक बधाई
CIN : U01110RJ2017PLC058322
ग्रामीण पशुपालन निगम लिमिटेड
ग्रामीण पशुपालन निगम लिमिटेड जयपुर (राज.) GPNL
GPNL उत्पादों का वादा बेहतर पशुधन दुग्धोत्पादन ज्यादा
INDIA'S FAST GROWING ONLINE RETAIL CHAIN OF CATTLE FEED & FEED SUPPLEMENT
GRAND OPENING ACROSS INDIA SOON
Book Online your soap Today

अब अपनी पुरानी गाड़ी पर
कीमत का 150%
तक लोन करवायें...
IDFC FIRST Bank
ICICI Bank Home Loans khayaal aapka
BAJAJ Bajaj FinServ Limited
MAGMA
TATA CAPITAL We only do what's right for you
HeroFinCorp.
sk FINANCE
Mahindra Finance
HDFC BANK We understand your world
स्कीम जयपुर के लिए*
authorised channel partner
Aarna associate
Call us : 9828333666
housing mortgage loan also available
शर्तें लागू

जागरूक खबरें

सामूहिक दौड़ के जरिए समझाया लिंग अनुपात का महत्व

नई दिल्ली। लिंग अनुपात को लेकर एक सामूहिक दौड़ का आयोजन ऐम्बीआन्स मॉल, वसंतकुंज में प्रज्ञता फ़ाउंडेशन, इनर व्हील क्लब बसंत व्यू और रोटरी क्लब दिल्ली वेस्ट द्वारा किया गया था। कार्यक्रम को ऐम्बीआन्स मॉल वसंतकुंज वसंत कुंज,कॉम्बैट लैब, नारी शक्ति, ऐमप्यर मिल्क, यूनिक मूव डान्स हॉल, जुपैकस फ़ाउंडेशन, फोर्टिस हॉस्पिटल वसंत कुंज एवं दव्हिस्क स्टूडियो द्वारा स्पॉन्सर किया गया। सैकड़ों की संख्या में लोगों ने इस दौड़ में भाग लिया। आयोजन की शुरुआत में गणेश वन्दना, नृत्य प्रस्तुति, स्किट, जुम्बा डान्स, हेल्थ टॉक और म्यूज़िक के साथ की गई। पाँच किलोमीटर की दौड़ को अशोक कान्तूर, जिला गवर्नर इंटरनेशनल, सुश्री प्रीति गुगनानी, अंतरराष्ट्रीय निदेशक, अंतरराष्ट्रीय इनर व्हील क्लब, जितेन्द्र वैश, नेशनल मेडिसिनल प्लांट्स बोर्ड, आयुष मिनिस्ट्री, सुश्री सोनालीका जीवानी, आईएएस, डीएम, साउथ दिल्ली एवं सुश्री अमृता धवन ने मिलकर हरी झण्डी दिखाकर शुरू किया। कार्यक्रम के आयोजक ममता यादव, अलका जून और श्री अरुण रुंगटा जी ने बताया कि इस आयोजन को आगामी 'इंटरनेशनल वूमन डे' के उपलक्ष्य में मनाया गया और इसका मुख्य लक्ष्य है लिंग अनुपात के बारे में लोगों को जागृत करना है। प्रीति गुगनानी वे इस आयोजन को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के लक्ष्य में बनाने की भरसक प्रशंसा की। सोनालिका जीवनी ने सभी भाग लेने वालों की इस अवसर पर पहुँचने पर तारीफ़ की। अशोक गुंटूर ने सभी प्रतिभागियों की इस अवसर पर आगे आने पर जमकर प्रशंसा की। कार्यक्रम के संचालकों ने सभी गणमान्य अतिथियों का आयोजन में पहुँचने पर तहे दिल से शुक्रिया कहा।

राजस्थान के वित्तीय वर्ष 2022-23 के बजट की बहस पर जवाब

नए जिलों के गठन पर कमेटी, 6 माह में रिपोर्ट

40 से ज्यादा विधायक मांग रहे नए जिले, हर विधानसभा में बनेंगी 10 करोड़ की नई सड़कें

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान के वित्तीय वर्ष 2022-23 के बजट की बहस पर जवाब देते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान में नए जिलों के गठन के लिए एक कमेटी बनाने की घोषणा की है। यह कमेटी छह महीने में रिपोर्ट देगी। गहलोत ने कहा कि विधायकों ने बड़ी संख्या में नए जिलों की मांग पर ज्ञापन दिए हैं, अब गुण-अवगुण के आधार पर जिलों की मांग पर कमेटी का गठन होगा। गौरतलब है कि राजस्थान में 40 से ज्यादा विधायकों ने नए जिले बनाने की मांग की है और विभिन्न स्तर पर 50 नए जिले बनाने की मांग उठ रही है। उन्होंने विपक्ष के कर्ज लेने के आरोपों को लेकर कहा कि कोई राज्य सरकार केंद्र की अनुमति के बिना कर्ज नहीं ले सकती है। भारत सरकार विभिन्न मापदंडों पर परखते हुए कर्ज लेने की अनुमति देती है। अपने भाषण में गहलोत ने घोषणा की कि हर विधानसभा क्षेत्र में 10 करोड़ की सड़कें बनेंगी, मरम्मत के लिए अलग से पैसा दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट की 500 घोषणाओं में से 60 बजट घोषणाओं की स्वीकृतियां जारी हो चुकी हैं। नेता प्रतिपक्ष सवाल उठा रहे थे कि बजट घोषणाएं कैसे पूरी होंगी, जब हम चुनाव घोषणा पत्र की 70 फीसदी घोषणाएं 3 साल में पूरी कर सकते हैं तो बजट घोषणाओं को पूरा नहीं करेंगे क्या? उन्होंने कहा कि हमने हजारों लोगों से बजट पर राय ली है। समुद्र मंथन की तरह मंथन किया है, तब जाकर बजट में अमृत निकला है। हमारे बजट में विपक्ष के पास कहने को कुछ नहीं था, तभी उन्होंने काली वहू के ब्यूटी पार्लर जाने जैसा बयान दिया था। अच्छी बात है कि उन्होंने सबसे माफी मांग ली।

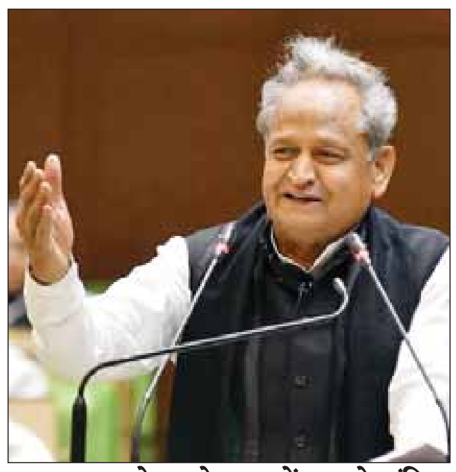

सवाल उठाने वाले खुद पेंशन से वंचित होते तब पता लगता

गहलोत ने कहा कि हो सकता है कर्जभार बढ़ने के डर से नई पेंशन लागू की हो, लेकिन इससे कर्मचारियों के भविष्य पर खतरा था, इसीलिए हमने पुरानी पेंशन को लागू किया। एक पुराने आईएएस अफसर ने आज लेख लिख हैं कि यह लागू करना गलत है। जिस आईएस अफसर ने लेख लिखा है कि यह योजना नहीं लागू होनी चाहिए, मैं पूछना चाहता हूं कि जब यह योजना लागू हुई तब पुराने और नए कर्मचारियों को एक साथ नई पेंशन से जोड़ते तो इस पर सवाल उठाने वालों को पता लगता। इसमें भारी भेदभाव था। आधे कर्मचारी नई पेंशन के और आधे पुरानी पर। इतिहास वही बनाता है जो पुराने इतिहास को याद रखता है।

गहलोत की घोषणाएं

- » **जयपुर के मोतीडूंगरी रोड पर मोबाइल सर्जिकल यूनिट को जिला अस्पताल में अपग्रेड किया जाएगा** - निंबाहेड़ा अस्पताल उपजिला अस्पताल में अपग्रेड होगा - अटरू, डेगाना और नोहर सीएचसी उपजिला अस्पताल में अपग्रेड होंगे - अगले सल से 1000 अंग्रेजी स्कूलों में प्री प्राइमरी बाल वाटिकाएं शुरू होंगी, एनटीटी कोर्स वालों को प्रायरिटी दी जाएगी - निजी स्कूलों के लिए अलग से रेगूलेशन और फेसिलेशन बोर्ड बनेगा
- » **14 नए कॉलेज और 3 कन्या कॉलेज खुलेंगे** - असंगठित क्षेत्र के मजदूरों के लिए लेबर वेलफेयर बोर्ड बनेगा - 10 करोड़ का जयपुर हेरिटेज फंड बनाकर हवेलियों, हेरिटेज प्रोपर्टीज का संरक्षण होगा
- » **चितौड़गढ़ जिले के बेगूं में नया उप परिवहन कार्यालय खुलेगा** - सहरिया, कथोड़ी जनजातियों को 200 दिन का रोजगार - राजस्थान फाउंडेशन के और चैप्टर खुलेंगे, 10 करोड़ देने की घोषणा - जोधपुर के ओसियां में इंडस्ट्रियल एरिया बनेगा

13 कॉलेज और 6 गर्ल्स कॉलेज खोलने की घोषणा

अजमेर के टांटोटी, अलवर के टहला, बीकानेर के पूगल, डूंगरपुर के चौरासी, पावटा-जयपुर, सांकड़ा (पोकरण), जैसलमेर के रामगढ़, कालन्द्री-सिरोही, श्रीगंगानगर के हिन्दूमलकोट , प्रतापगढ़ के भचुण्डला, करौली के मंडरायल, सीकर के नेछवा और सवाईमाधोपुर के चौथ का बरवाड़ा में सरकारी कॉलेज खुलेंगे। जयपुर के दूदू, नागौर के खींवसर, अलवर के प्रतापगढ़, पाली के बड़ा गुढ़ा, सीकर के फतेहपुर और श्रीमाधोपुर में गलर्स् कॉलेज खुलेंगे।

केंद्र राज्यों को पैसा नहीं दे रहा

गहलोत ने कहा- केंद्र सरकार डिविजिव पूल करा पैसा राज्य को समय पर नहीं दे रहा है। जितना पैसा राजस्थान को मिलना चाहिए था, वह नहीं मिल रहा है। इस बार भी 19 हजार करोड़ रुपए कम दे रहा है। पिछली बार भी 15 हजार करोड़ कम दिए।

सरकार एक बार भी ओवर ड्राफ्ट में नहीं गई

गहलोत ने कहा कि राजेंद्र राठौड़ उपनेता हैं, चार-पांच बार मंत्री रह लिए। आपने भैरों सिंहजी से ट्रैनिंग ली है, आपने कैसे कह दिया कि सरकार ओडी में चली गई। इन्होंने कह दिया कि सरकार ओवर ड्राफ्ट में चली गई। राजेंद्र राठौड़ में बोलने की अदा और कला है तो प्रभावित कर ही लेते हैं, कह दिया कि सरकार ओडी में चली गई। हमारी सरकार एक बार भी ओवर ड्राफ्ट में नहीं गई। केवल आरबीआई की सिफारिश के हिसाब से वेज एंड मींस के तहत पैसा लिया है, यह सस्ता पड़ता है।

ईआरसीपी को केंद्रीय परियोजना घोषित करवाने में बीजेपी सहयोग करे

गहलोत ने कहा कि ईस्टर्न कैनाल प्रोजेक्ट(ईआरसीपी) को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करवाने में बीजेपी नेता सहयोग करें। हम साथ चलने को तैयार हैं। प्लीज, इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित करवाने में सहयोग करें। ईआरसीपी को भारत सरकार डिले करती है, तो हमने बजट में 9 हजार करोड़ का प्रावधान ईआरसीपी के लिए रखा है। आज हमने काम शुरू नहीं किया तो परियोजना की लागत 40 हजार करोड़ से ज्यादा हो जाएगी, जैसा रिफाइनरी के साथ हुआ।

कटारिया बोले- आप ज्यादा फैलो मत, केवल 50 हजार वोट ही ज्यादा मिले हैं

वहीं, नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने कहा कि आपने वादा किया था कि नौकरी देंगे और नहीं तो बेरोजगारी भत्ता देंगे। इस घोषणा पर बच्चों ने आपको वोट दिए, लेकिन अब आप क्या कर रहे हो? उन बच्चों के साथ धोखा कर रहे हो। कटारिया ने कहा- आप ज्यादा फैलो मत, केवल 50 हजार वोट ही ज्यादा मिले हैं, 52 हजार तो कुल पोलिंग बूथ थे, इसलिए फैलने की जरूरत नहीं है। कटारिया के इस कमेंट पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित कई मंत्री और सत्तापक्ष के विधायक हंस पड़े। सतीश पूनिया ने सीएम के बजट में पढ़े गए शेर का जवाब देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जी बजट के वक्त शेरो-शायरी कर रहे थे। मेरा कहना है कि मंजिल तो मिल ही जाएगी भटकर ही सही, गुमराह तो वो हैं जो घर से निकले ही नहीं। सतीश पूनिया ने सीएम के बजट में पढ़े गए शेर का जवाब देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जी बजट के वक्त शेरो-शायरी कर रहे थे। मेरा कहना है कि मंजिल तो मिल ही जाएगी भटकर ही सही, गुमराह तो वो हैं जो घर से निकले ही नहीं। बजट बहस के दौरान एक बार फिर नाथी का बाड़ा और रीट धांधलियों की गूंज सुनाई दी। बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष और आमेर विधायक सतीश पूनिया ने कहा कि सरकार ने पर्यटन को उद्योग को दर्जा दिया, यह तो अच्छी बात है। आमेर किला बड़ा पर्यटन स्थल है और हर दूसरा पर्यटक आमेर आता है। आमेर आने वाला हर पर्यटक पूछता है कि नाथी का बाड़ा कहां है, मुझे विजिट करके आना है।

गहलोत को शायराना जवाब, मंजिल तो मिल ही जाएगी भटककर ही सही

सतीश पूनिया ने सीएम के बजट में पढ़े गए शेर का जवाब देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जी बजट के वक्त शेरो-शायरी कर रहे थे। मेरा कहना है कि मंजिल तो मिल ही जाएगी भटककर ही सही, गुमराह तो वो हैं जो घर से निकले ही नहीं। सीएम दो साल घर से ही नहीं निकले, ऑफिस तक नहीं गए। यहां आकर केंद्र को कोसना, बजट पर तालियां बजवाना अलग बात है। राजस्थान आर्थिक रूप से भारी कमजोर हो गया है।

बीजेपी ने जयपुर में 18 प्रकोष्ठ बनाए

संयोजक-सह संयोजक बताएंगे केन्द्र की योजनाएं

नए सदस्य बनाने का भी मिला जिम्मा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। बीजेपी ने जयपुर शहर में 18 अलग-अलग प्रकोष्ठ बनाकर उनमें पदाधिकारियों की नियुक्तियां कर दी है। पार्टी प्रदेश अध्यक्ष डॉ सतीश पूनिया के निर्देश पर जयपुर शहर बीजेपी अध्यक्ष राघव शर्मा ने प्रकोष्ठों के संयोजक व सह-संयोजकों की घोषणा की है। 18 प्रकोष्ठों में विधि, बुद्धिजीवी, व्यावसायिक, आर्थिक, चिकित्सा, लघु उद्योग, शिक्षक, सहकारिता, सैनिक, सांस्कृतिक और पर्यटन, व्यापार, घुमंतू, नगर निकाय, पंचायती राज, खेल, वरिष्ठ नागरिक और विशेष संपर्क शामिल हैं। सभी में संयोजक और सह संयोजकों की नियुक्तियां कर दी गई हैं। खास यह है कि संगठन में सक्रिय कार्यकर्ताओं को नियुक्तियां दी गई हैं। ये संयोजक-सह संयोजक केन्द्र की मोदी सरकार की योजनाओं को टारगेट ग्रुप की जनता तक लेकर जाएंगे। साथ ही बीजेपी के नए सदस्य भी बनाएंगे।

व्यावसायिक प्रकोष्ठ में लोकेश कासट,आर्थिक प्रकोष्ठ में पवन कानूनगो संयोजक

विधि प्रकोष्ठ में शलभ वर्मा को संयोजक, राजकुमार शर्मा और अर्पिता माथुर को सह संयोजक नियुक्त किया गया है। बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ में डॉ बृजकिशोर शर्मा को संयोजक, सुदेश दाधीच और अंजना शर्मा को सह संयोजक बनाया है। व्यावसायिक प्रकोष्ठ में लोकेश कासट संयोजक, जीतमल पंचारिया और नन्दा शेखावत सह संयोजक लगाए गए हैं। आर्थिक प्रकोष्ठ में पवन कानूनगो संयोजक बने हैं। जबकि मनोज शर्मा और नरेन्द्र कुमार लड्डा को सह संयोजक बनाया है। चिकित्सा प्रकोष्ठ में राजसिंह सिनसिनवार को संयोजक, डॉ नीरज राणावत और डॉ आयुषी शर्मा को सह संयोजक नियुक्त किया गया है। लघु उद्योग प्रकोष्ठ में विकास कोठारी संयोजक और रामवतार काबरा सह संयोजक लगाए गए हैं। शिक्षक प्रकोष्ठ में जय कुमार बैथेडिया संयोजक, तरूणराज पांचाल और कविता शर्मा सह संयोजक लगाए गए हैं।

पर्यटन प्रकोष्ठ में मदन सिंह राजपुरा, नगर निकाय प्रकोष्ठ में कमलेश शर्मा संयोजक

सहकारिता प्रकोष्ठ में उत्तम सिंह गहलोत को संयोजक बनाया है। सैनिक प्रकोष्ठ में कर्नल प्रताप सिंह राठौड़ संयोजक और सुमेर सिंह जोधा सह संयोजक लगाए गए हैं। सांस्कृतिक और पर्यटन प्रकोष्ठ में मदन सिंह राजपुरा को संयोजक और बद्रीनारायण मरोटिया, मुकेश सैन को सह संयोजक लगाया गया है। व्यापार प्रकोष्ठ में प्रेम कुमार जैन को संयोजक और पवन नटराज, प्रियंका वशिष्ठ को सह संयोजक नियुक्त किया है। घुमन्तु प्रकोष्ठ में हीरालाल को संयोजक, सुन्दर कुमार को सह संयोजक लगाया है। नगर निकाय प्रकोष्ठ में कमलेश शर्मा को संयोजक, सुशील खारेड़ और स्नेहलता शाह को सह संयोजक बनाया है। पंचायतीराज प्रकोष्ठ में सूरज शर्मा संयोजक, मोहन शर्मा और निशा गौड़ सह संयोजक लगाए गए हैं। वरिष्ठ नागरिक प्रकोष्ठ में लक्ष्मीकांत चौधरी संयोजक, रामकिशोर खण्डेलवाल और मुन्नी देवी शर्मा सह संयोजक बनाए गए हैं। विशेष सम्पर्क प्रकोष्ठ में गोविंद अग्रवाल संयोजक और निर्मला शर्मा सह संयोजक नियुक्त किए गए हैं।

मोदी सरकार की योजनाएं जनता तक पहुंचाएंगे

जयपुर शहर बीजेपी मीडिया प्रभारी सुमित श्रीमाल ने बताया कि केन्द्र की मोदी सरकार की योजनाओं और पॉलिसी का फायदा टारगेट ग्रुप के लोगों तक पहुंचाने और बीजेपी की रीति-नीति का प्रचार-प्रसार करने के लिए इन प्रकोष्ठों का गठन किया गया है। सभी नव नियुक्त संयोजक और सह संयोजक आने वाले समय में अपनी टीम को बढ़ाने के लिए सदस्यता अभियान भी चलाएंगे। अगले दो साल राजस्थान में चुनावी माहौल रहने वाला है। साल 2023 में विधानसभा और 2024 में लोकसभा के चुनाव होने हैं। उससे पहले पार्टी सभी प्रकोष्ठ,मोर्चों को मजबूती दे रही है।

संविदा नर्सेज कर्मियों का दर्द नहीं सुन रही कांग्रेस सरकार : जितेन्द्र गोठवाल

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। भाजपा प्रदेश मंत्री एवं पूर्व संसदीय सचिव जितेन्द्र गोठवाल ने अपनी मांगों को लेकर राजधानी जयपुर के शहीद स्मारक पर धरना दे रहे संविदा नर्सेज कर्मी से मुलाकात की। गोठवाल ने कहा कि पिछले आठ दिनों से अपनी मांगो को लेकर धरने पर बैठे कर्मियों से सरकार का कोई भी मंत्री व कांग्रेस का जनप्रतिनिधि मिलने नहीं आया एवं भूख हड़ताल पर बैठने से कई कर्मियों की तबीयत खराब हो गई, अस्पताल में भर्ती करवाया गया। गोठवाल ने बताया कि प्रदेश सरकार तीन साल से असंवेदनशील होकर युवाओं के साथ धोखा कर रही है, बेरोजगार आंदोलन कर रहे है। भारतीय जनता पार्टी का प्रतिनिधिमंडल राजस्थान संयुक्त संविदा नर्सेज एसोसियेशन द्वारा 2 मार्च से भूख हड़ताल पर बैठे आंदोलनकारियों से मिला। उनकी मांगों को सुना और भारतीय जनता पार्टी विपक्ष की भूमिका निभाते हुए उनकी आवाज को उठाएगी।

गोठवाल ने बताया अशोक गहलोत सरकार कोरोना मैनेजमेन्ट को लेकर झूठी वाहवाही लूटने से बाज नहीं आती, लेकिन वह भूल जाती है कि कोरोना वैश्विक महामारी के दौरान अपनी जान व परिवार की परवाह किये बिना दिन-रात 24 घंटे काम किया और लेकिन अब इन संविदाकर्मियों का दर्द सुनने को तैयार नहीं है। मुलाकात के दौरान भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश मीडिया सह-संयोजक अशोक सिंह शेखावत, एससी मोर्चा कार्यालय प्रभारी मुकेश किराड, विक्रम सैनी इत्यादि मौजूद रहे।

चल या अचल संपत्ति नहीं होने पर सभी बकाया मांग होगी माफ-धारीवाल

एमनेस्टी स्कीम 2022

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। संसदीय कार्य मंत्री शांति कुमार धारीवाल ने मंगलवार को विधानसभा में वित्त मंत्री की ओर से कहा कि एमनेस्टी स्कीम-2022 के अंतर्गत कई महत्वपूर्ण बिंदुओं को शामिल किया गया है और न्यायालय में लंबित प्रकरणों को भी इसमें शामिल किए गए है।

धारीवाल ने प्रश्नकाल में विधायकों द्वारा इस संबंध में पूछे पूरक प्रश्नों के जवाब बताया कि पहले की एमनेस्टी स्कीम में राज्य सरकार को 496 करोड रूपये का नकद राजस्व प्राप्त हुआ था और 2496 करोड़ रूपये के बकाया कर माफ किए गए थे। इसका परिणाम निकला कि कई प्रकरण निस्तारित हो गए। अब वर्ष 2022 में भी एमनेस्टी स्कीम लाई गई जिसके अंतर्गत कई महत्वपूर्ण बिंदुओं को शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि इस स्कीम में न्यायालय में लंबित प्रकरणों को भी शामिल किया गया है। स्कीम के अंतर्गत 40 प्रतिशत बकाया जमा कराने पर 60 प्रतिशत तक छूट के साथ-साथ ब्याज, शास्ति, उपार्जित ब्याज को भी माफ किया जा रहा है। साथ ही स्कीम के अंतर्गत सरकारी विभागों, निगमों, उपक्रमों व रक्षा विभाग के विरूद्ध लंबित मांगों को भी माफ किया गया है।

ANCHOR | झटका

1 करोड़ 52 लाख बिजली उपभोक्ताओं पर लगेगा फ्यूल सरचार्ज

राजस्थान ने 2021 में पौने 1400 करोड़ की महंगी बिजली खरीदी, बिल में होगी वसूली

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में कोयले की कमी के कारण पैदा हुई बिजली की किल्लत से निपटने के लिए बिजली की बड़े स्तर पर खरीद की जा रही है। बिजली की यह खरीद बहुत महंगी रेट पर की जा रही है। जहां खुद के बिजली प्लांटों से प्रोडक्शन करने पर राजस्थान में बिजली की रेट वेरिएबल कॉस्ट मिलाकर 4 रुपए 20 पैसे से 4 रुपए 45 पैसे तक ही पड़ती है। वहीं, एक्सचेंज से बिजली खरीदने पर इसकी कॉस्ट 20-25 रुपए तक पहुंच जाती है। सामान्य तौर पर भी साढ़े 5 से 8.50 रुपए के बीच बिजली खरीद होती है। जबकि पीक आवर्स में इसकी रेट 17 से 20 रुपए तक पहुंच जाती है। विशेष मांग वाले दिनों में रेट और बढ़ जाती है। ऐसे में महंगी बिजली खरीद का भार बिजली कम्पनियां सीधे उपभोक्ताओं पर फ्यूल सरचार्ज के तौर पर डालकर वसूली करेंगी। माना जा रहा है पिछली बार की तरह 33 पैसे प्रति यूनिट की रेट पर वसूली होगी। प्रदेश में करीब 1 करोड़ 52 लाख बिजली उपभोक्ताओं से इस फ्यूल सरचार्ज की वसूली होगी। इनमें से 1 करोड़ 19 लाख केवल घरेलू उपभोक्ता हैं। जबकि कॉमर्शियल 14 लाख, इंडस्ट्रियल 3.54 लाख कनेक्शन हैं। एग्रीकल्चर के 15.41 लाख के करीब बिजली कनेक्शन हैं।

17 रुपए 87 पैसे यूनिट भाव पर अगस्त 2021 में बिजली खरीदी

अगस्त 2021 में राजस्थान सरकार ने 1 करोड़ 87 लाख यूनिट बिजली 17 रुपए 87 पैसे यूनिट के भाव में खरीदी है। जबकि 6 रुपए 23 पैसे यूनिट भाव पर 77 करोड़ 70 लाख यूनिट बिजली कुल 484 करोड़ रुपए में खरीदी है। राजवेस्ट, अडानी पावर और कालीसिन्धी तीनों प्राइवेट फर्म्स से राजस्थान ने बीते सालों में बिजली की खरीद की है। 2020-21 में अडानी पावर प्लांट से 3.92 रुपए यूनिट से लेकर 8.20 रुपए प्रति यूनिट तक बिजली खरीदी गई। कालीसिन्ध पावर प्लांट से 4.58 रुपए प्रति यूनिट से लेकर 8.99 रुपए प्रति यूनिट तक भावों पर बिजली खरीदी गई। इन दोनों से राजस्थान का पावर परचेज एग्रीमेंट है। साल 2021 में 13 हजार 793 करोड़ की बिजली की खरीद की गई है।

300 से 900 रुपए तक होगी बिजली उपभोक्ताओं पर एक्सट्रा मार

पिछले क्वार्टर के आधार पर कैलकुलेशन करते हुए मिडिल क्लास घर का उदाहरण लें, तो महीने में 350 यूनिट बिजली यूज होने पर उपभोक्ता को करीब 347 रुपए तीन महीने के बिल पर चुकाने होंगे। ज्यादा बिजली कन्ज्यूम होने पर उसी रेश्यो में यह अमाउंट बढ़ता जाएगा। अनुमान के मुताबिक अकेला जयपुर डिस्कॉम ही 250 करोड़ रुपए से ज्यादा वसूली करता है। तीनों डिस्कॉम्स 550 से 650 करोड़ रुपए तक उपभोक्ताओं से वसूलते हैं।

पिछले 3 सालों में जमकर हुई फ्यूल सरचार्ज की वसूली

पिछले 3 सालों में प्रदेश की तीनों बिजली कम्पनियों जयपुर डिस्कॉम, अजमेर डिस्कॉम और जोधपुर डिस्कॉम ने फ्यूल सरचार्ज की जमकर वसूली की है। जयपुर, अजमेर और जोधपुर डिस्कॉम्स ने पिछले दिनों नवम्बर 2021 में प्रति यूनिट 33 पैसे फ्यूल सरचार्ज लगाया है।

जागरूक खबरें

पशु चिकित्सा तकनीकी कर्मचारी संघ राजस्थान ने मुख्यमंत्री का आभार जताया

भीनमाल @ जागरूक जनता। मुख्यमंत्री निवास पर बजट घोषणा 2022-23 में राज्य के मुख्यमंत्री द्वारा नई पेंशन योजना को बंद करके पुरानी पेंशन योजना के ऐतिहासिक फैसले एवं 30/10/2017 के नोटिफिकेशन को रद्द कर 01/07/2013 के नोटिफिकेशन को लागू करके एसीपी पर उच्च ग्रेड पे देने के निर्णायक फैसले के लिए लिए पशु चिकित्सा तकनीकी कर्मचारी संघ राजस्थान के सैकड़ों साथियों ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का साफा बंधाकर व गुलदस्ता भेंटकर हार्दिक आभार एवं अभिनंदन किया। पशुधन सहायक पदनाम परिवर्तन व पशुधन सहायक कैडर रिव्यू के प्रस्ताव का ज्ञापन प्रस्तुत किया, जिसमें उन्होंने हमें पूर्ण आश्वासन दिया है। इस मौके पर राज्यसभा सदस्य नीरज डांगी व राजस्थान खाद बीज निगम के चैयरमैन धर्मेंद्र राठौड़ ने हमारे कैडर की मांगों को पूरा करने के लिए गहलोत साहब से अनुरोध किया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष सागरमल चौधरी, मुख्य संस्थापक अमृतलाल सांवरिया, प्रदेश उपाध्यक्ष विरधाराम बरवड़, दिनेशकुमार डांगी, कोषाध्यक्ष करणसिंह राजपुरोहित, सयुंक्त मंत्री धर्मपाल वर्मा सहित सैकड़ों कर्मचारी उपस्थित रहे।

अध्यक्ष राईवाल ने घोषित की सामूहिक विवाह सम्मेलन कार्यकारिणी

निम्बाहेड़ा @ जागरूक जनता। घाणावार तेली समाज, निम्बाहेड़ा द्वारा 23 अप्रैल को समाज के विवाह योग्य युवक युवतियों का सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर श्री तुलसी विवाह का भी भव्य आयोजन किया जाएगा। जिसको लेकर सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति के अध्यक्ष बंशीलाल राईवाल के नेतृत्व में तैयारियां जोरों पर चल रही है। अध्यक्ष राईवाल ने सामूहिक विवाह सम्मेलन को भव्यता प्रदान करने के लिए समिति की कार्यकारिणी का विस्तार किया है। जिसमे सचिव शोभागमल वाथरा, सहसचिव श्यामलाल ढोढरिया, प्रवीण (सोनू) इंदौरा, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश राईवाल, सहकोषाध्यक्ष अम्बालाल कानुडा, लक्ष्मीनारायण मंगरूडिया को मनोनीत किया गया है। इसी प्रकार कार्यकारिणी वरिष्ठ उपाध्यक्ष बंशीलाल दशोरा, गुलाबचन्द हुंवाशा, उदयलाल नैणावा, बद्रीलाल अस्तोलिया, राधेश्याम दशोरा, उपाध्यक्ष हरिशचंद्र राजोरा, छगनलाल वाथरा, मदनलाल आशर्मा, मनोहरलाल दशोरा, महामंत्री पारसमल दशोरा, राजकुमार राजोरा, लाला दशोरा, मंत्री विष्णु जूनिवाल, शंभूलाल आशर्मा संगठन मंत्री गोपाल पंचोली तथा प्रवक्ता कमलेश बनवार को नियुक्त किया गया है। प्रवक्ता बनवार ने बताया कि 23 अप्रैल को आयोजित होने वाले श्री तुलसी एवं सामूहिक विवाह सम्मेलन के लिए वर एवं वधु पक्ष के पंजीयन करवाने की अंतिम तिथि समिति द्वारा 16 अप्रैल तथा पंजीयन शुल्क प्रत्येक पक्ष से 11 हजार 111 रुपये निर्धारित की गई है। बनवार ने बताया कि नगर में स्थित समाज के श्री घाणावार तेली समाज मंदिर अध्यक्ष बाबूलाल दशोरा, सचिव माणक लाल बनवार एवं कोषाध्यक्ष जगदीशचंद्र वाथरा सहित समाज के वरिष्ठ जनों के सानिध्य में श्री चारभुजा मंदिर के जीर्णोद्धार पश्चात आयोजित होने वाले भव्य मंदिर उद्यापन समारोह के अंतर्गत 16 अप्रैल से 22 अप्रैल तक विभिन्न प्रकार की बोलियों का कार्यर्₹ म सम्पन्न कराया जाएगा। इस भव्य मंदिर उद्यापन आयोजन के दौरान नव निर्मित श्री चारभुजा मंदिर पर कलश स्थापना व ध्वजारोहण का कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर दिव्यांग ज्योत्सना का सम्मान

उदयपुर @ जागरूक जनता। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नारायण सेवा संस्थान की निदेशक वंदना अग्रवाल ने शिक्षा, चिकित्सा, स्वास्थ्य और समाज सेवा के क्षेत्र में विशिष्ट भूमिका निभाने वाली करीब 30 महिलाओं का सम्मान स्मृति चिन्ह, दुप्पटा और मेवाड़ी पगड़ी से किया। ठाणे (मुम्बई) की रहने वाली ज्योत्सना (24) गरीब परिवार से है। पिता की अल्प आय के चलते उसने चैथी कक्षा में ही पढ़ाई छोड़ दी और पिता की मदद करते हुए परिवार के 6 सदस्यों को सक्षम बनाया। संस्थान ने उसका एलिजारॉव पद्धति से टेढ़े पैरों का सफल ऑपरेशन कर उसे निःशुल्क कम्प्युटर कॉर्स करवा रहा है। ज्योत्सना का कहना है कि मैं कम्प्यूटर ट्रेनिंग कर आत्मनिर्भर जीवन जीने के साथ संस्थान की तरह समाज की निर्धन एवं दिव्यांग बच्चियों की मददगार भी बनूंगी।

पांचों राज्यों मे बनेगी भाजपा सरकार- कुलदीप शास्त्री

बाढ़डा @ जागरूक जनता। भाजपा कादमा मंडल महामंत्री कुलदीप शास्त्री चांदवास ने जनसंपर्क अभियान के दौरान गांव डुडीवाला मे ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि उतरप्रदेश, उतराखण्ड, पंजाब, गोवा और मणिपुर इत्यादि राज्यों मे होने वाले चुनाओं मे भाजपा पूर्ण बहुमत से अपनी सरकार बनायेगी। भाजपा मंडल महामंत्री कुलदीप शास्त्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेतृत्व और मार्गदर्शन मे भारत पूरी दुनियां मे सफलताओं का पताका फहरा रहा है। आज केन्द्र भाजपा सरकार के शासन काल के दौरान देश मे विकास,अमन-चैन,सुख-शांति,समृद्धि की लहर चल रही है। भाजपा सरकार देश के हर वर्ग के हित व विकास के लिए काम कर रही है ।यही कारण है कि देश का प्रत्येक वर्ग भाजपा सरकार से खुश है तथा भाजपा की नीतियों मे विश्वास दिखा रहा है। भाजपा सरकार की जनहितेषी नीतियों से ही प्रभावित होकर मतदाता भाजपा के लिए वोट करेगे ।शास्त्री ने कहा कि वर्तमान समय मे भारत पूरी दुनियां मे अपनी एक अमिट पहचान बना रहा है । दुनियां के बाकि देश भारत के उन्नति तथा विकास से प्रभावित है तथा भारत देश से जुड़ रहे है इस दौरान किशोरीलाल, रामबिलास, विनोद कुमार, नवीन कुमार इत्यादि मौजूद रहे।

क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रसार सलाहकार समिति (जर्क) की बैठक संपन्न

हमारे सामने कृषि के क्षेत्र में कई चुनौतियाँ-रतनू

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जोधपुर। कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रसार सलाहकार समिति जोन 1ए की बैठक कृषि अनुसंधान केन्द्र, मण्डोर में आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. सवाईदान रतनू, निदेषक अनुसंधान ने कहा कि हमारे सामने कृषि के क्षेत्र में कई चुनौतियाँ हैं, जिनमें मुख्य रूप से इस वर्ष वर्षा कम मात्रा में होना और जलवायु परिवर्तन एक अत्यन्त ज्वलन्त मुदृा है। डॉ सीताराम कुम्हार, अधिष्ठाता एवं संकाय अध्यक्ष ने वैज्ञानिकों एवं कृषि विभाग के अधिकारियों से आह्वान किया है कि इस जलवायु परिवर्तन के दौर में इस प्रकार की नई किस्में विकसित करें जो अधिक पैदावर के साथ-साथ अधिक रोग प्रतिरोधक क्षमता भी रखती हो। बैठक में निदेशक प्रसार शिक्षा-डॉ. ईश्वर सिंह ने प्रसार कार्यकताओं से आह्वान किया कि जो भी वैज्ञानिकों द्वारा कृषि में जो नवीन तकनीक का इजाद किया जा रहा है उसको किसानों तक पहुँचाने मे अहम भूमिका निभायें। डॉ. मनमोहन सुन्दरिया, क्षेत्रीय निदेषक अनुसधान ने सिंचाई के पानी, मृदा में कार्बनिक पदार्थो एवं सूक्ष्म पौषक तत्वों की कमी व मृदा स्वास्थ्य में गिरावट आदि चुनौतियों के बारे में विस्तार से चर्चा की। बैठक में संयुक्त निदेशक कृषि खण्ड जोधपुर वी.के. पाण्डेय ने सम्बोधित करते हुए विभाग के अधिकारियों से आह्वान किया कि किसानों की समस्याओं की प्रतिपुष्टि लेकर वैज्ञानिकों को बतायें ताकि अनुसंधान कर उनका समाधान किया जा सकें। खरीफ 2022 की इस बैठक में हर वर्ष की भांति कृषि अनुसंधानों के परिणाम से सलाह एवं नये अनुसंधान कार्यक्रम को तय करने हेतु जोधपुर, बाड़मेर, व नागौर जिलों में स्थित कृषि अनुसंधान संस्थान, काजरी, कृषि अनुसंधान केन्द्र, कृषि विज्ञान केन्द्र तथा कृषि विभाग के कृषि वैज्ञानिक व कृषि अधिकारियो नें भाग लिया। इस बैठक में खरीफ 2022 हेतु नये अनुसंधान कार्यक्रम तय करने व खरीफ 2021 में हुए अनुसंधानों की समीक्षा कर किसानों के लिए निम्नलिखित नई किस्में व उन्नत तकनीकों की सिफारिश की गई।

बैठक में आई.सी.सचेती, सयुक्त निदेशक, उद्यान, जोधपुर, डॉ जीवनराम भाखर, उप निदेशक कृषि जोधपुर, वी. एस. सौलंकी, उपनिदेशक कृषि बाडमेर, डॉ बी के द्विवेदी, रीजनल मैनेजर, राजस्थान राज्य बीज निगम जोधपुर, शंकराराम बेडा, परियोजना निदेशक आत्मा जोधपुर व श्री किशोरी लाल वर्मा, आत्मा बाड़मेर, नेत्रपाल सिंह, उपनिदेशक ए.टी.सी., रामपुरा जे.एन, स्वामी, उपनिदेशक उद्यान, भानाराम विश्नोई, सहायक निदेशक कृषि सहित इन जिलों के कृषि विज्ञान केन्द्रों, काजरी व कृषि क्षेत्र के विभिन्न वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों ने कृषि अनुसंधान केन्द्र के प्रक्षेत्र फार्म पर हो रहे अनुसंधान व बीज उत्पादन कार्यक्रम का भ्रमण कर वैज्ञानिकों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

'पैकेज ऑफ प्रैक्टिसेज' में शामिल हेतु अनुमोदित किस्में

- » मोठ की किस्म आर एम ओ 2251 व मूंग की किस्म केशवानंद मूंग 1 को शामिल किया गया।
- » मूंग में उपज वृदि हेतु जीवामृत (10 प्रतिशत) घोल का बुवाई के 25 से 30 दिन की अवस्था पर पर्णीय छिड़काव करना चाहिए।
- » तिल के प्रमुख रोगों के प्रबंधन के लिए ट्राइकोडर्मा 10 ग्राम प्रति किग्रा की दर से बीज उपचार तथा 2.5 किग्रा ट्राइकोडर्मा 100 किग्रा वर्मीकम्पोस्ट के मिश्रण का 250 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से कूंड में प्रयोग और खड़ी फसल में 30-35 दिन व 50-60 दिन की अवस्था पर टेबुकोनाज़ोल 50 प्रतिशत .ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन 25 प्रतिशत के पूर्वमिश्रित उत्पाद का 0.5 ग्राम प्रति लीटर की दर से छिड़काव करना चाहिए।
- » मूंग में फली बेधक कीट के नियत्रण हेतु इंडोक्साकार्ब 14.5 एससी का 500 मिली प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करना चाहिए।
- » मोठ के सर्कोस्पोरा लीफ स्पॉट रोग प्रबंधन के नियत्रण हेतु पाइराक्लोस्ट्रोबिन 133जी . एपॉक्सीकोनाज़ोल 50 जी के पूर्वमिश्रित उत्पाद का 1.5 मिली प्रति लीटर की दर से छिड़काव करना चाहिए।
- » ग्वार में अल्टरनेरिया ब्लाइट के नियत्रण हेतु टेबुकोनाज़ोल 250 ईसी का 0.1 प्रतिशत का पर्णीय छिड़काव करना चाहिए।

नर्सेज संघर्ष समिति ने की धर्मेंद्र राठौर से मुलाकात

जयपुर। राजस्थान नर्सेज संघर्ष समिति ने नर्सिंग भर्ती 2018 मे नियुक्ति तिथि 29 अप्रैल 2020 को लेकर राज्य मंत्री धर्मेंद्र राठौर से मुलाकात करके ज्ञापन दिया संघर्ष समिति अध्यक्ष सोमसिंह मीणा ने बताया कि 28 अप्रैल 2020 को जारी नियुक्ति सूची में चयनित होने के वाबजूद विभागीय त्रुटि के कारण प्रदेश भर के हजारों नवनियुक्त नर्सेज परिवीक्षा काल को लेकर चिंतित है विभागीय त्रुटि के कारण हजारों नर्सेज लगभग 3 से 4 महीने समयांतराल को लेकर भयभीत है संघर्ष समिति के दुबारा लंबे समय से मुख्यमंत्री चिकित्सा मंत्री एवं विभागीय अधिकारियों को अनेक बार ज्ञापन देकर अवगत करवा चुके उसके वाबजूद भी नियुक्ति तिथि का समाधान नही हो रहा। इसको लेकर प्रदेश भर की हजारों नर्सेज भविष्य को लेकर भयभीत हैं। संघर्ष समिति सदस्य प्रदेश संयोजक पवन कुमार सहसंयोजक पंडित जितेंद्र कटारा अन्य सदस्य मौजूद रहे

ढाबेश्वर बाबा सा. का उर्स मुबारक 21 से

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

निम्बाहेड़ा। कौमी एकता के प्रतीक हजरत मोहम्मद हुसैन बाबा उर्फ ढाबेश्वर बाबा सा (र. अ.) का सालाना उर्स मुबारक 21 मार्च सोमवार से 23 मार्च बुधवार तक दशहरा मैदान स्थित आस्ताने पर आयोजित होगा ।

आस्ताने के गादीनशीं अशोक बाबा) कादरी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि चार दिवसीय उर्स शरीफ के दौरान सोमवार 21 मार्च 2022 को रात्रि बाद नमाज ईशा मिलाद शरीफ मंगलवार 22 मार्च को बाद नमाज जौहर चादर शरीफ का जुलुस निकलेगा 7 शाम 6 बजे बाद नमाज मगरीब लंगर तकसीम किया जायेगा। रात्रि बाद नमाज ईशा महफिले कव्वाली 23 मार्च बुधवार को कुरआन ख्वानी बाद नमाज जौहर दोपहर 2 बजे कुल शरीफ की रस्म अदायगी के साथ ही उर्स का समापन होगा।

गेहूं खरीद कोटा संभाग में 15 मार्च और शेष जिलों में एक अप्रैल से प्रारम्भ

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान में रबी विपणन वर्ष (आरएमएस) 2022-23 के दौरान न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीद कोटा संभाग में 15 मार्च से और शेष जिलों में एक अप्रैल से 10 जून तक की जाएगी। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के शासन सचिव नवीन जैन ने बताया कि प्रदेश इसके लिए कुल 389 क्रय केन्द्र बनाए गए हैं। क्रय केन्द्रों की सूची खाद्य विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। जैन ने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा रबी विपणन वर्ष 2022-23 में गेहूं का समर्थन मूल्य 2015 रूपए प्रति क्विंटल घोषित किया गया है।

चुनौती में कुंदन सी चमकी नारी शक्ति, 'अपराजिता' के हौसले को सलाम

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

पीपाड़ शहर। मंजिलें भी जिद्दी हैं, रास्ते भी जिद्दी हैं, देखते हैं कल क्या हो, हौंसले भी जिद्दी हैं।' अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर इन शब्दों के साथ जागरूक जनता अखबार सलाम करता है। सभी महिलाओं को, उनके हौसले और उनके संकल्पों को, जिनके बूते उन्होंने अपनी पहचान तो बनाई साथ ही समाज को भी हर पल कुछ नया देने की कोशिश कर रही हैं।

शारीरिक, मानसिक, आर्थिक व सामाजिक लाचारी को उन्होंने अपने रास्ते की बाधा बनने नहीं दिया। तय कर लिया और आगे बढ़ चलीं, रास्ते बनते गए और वे एक नया संसार रचती गई। किसी ने खेल में तो किसी ने बिजनेस, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में खुद की पहचान बनाई। इनकी उड़ान भरती कोशिशों पर मेहराम गहलोत की एक रिपोर्ट। सिर्फ भारत बल्कि दुनिया भर में वास्तिवक स्वरुप में योग के जरिए महिला सशक्तिकरण की दमदार आवाज़ बनकर सामने आ रही हैं। योग के जरिए महिलाओं की सेहत की गारंटी के साथ उनमें कॉन्फिडेंस बढ़ाना, योग के क्षेत्र में केरियर की संभावनाओं को महिलाओं के लिए संभव बनाना।

योग है महिलाओं की लाइफ लाइन

अंजली परिहार (आर्य) मुल पीपाड़ शहर की रहने वाली है आपने योग के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करते हुए योग में बी.ए. व आयुष मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित योगा सर्टिफिकेशन बोर्ड से लेवल 1st, 2nd व 3rd एग्जाम भी पास कर रखा है,पतंजलि योग समिति में महिला कार्यकर्ता के रूप में भी अच्छा सहयोग रहता

है,योग ऋषि बाबा रामदेव महाराज भी आपके घर आ चुके है,जगह जगह निःशुल्क योग शिविर लगाना,कोरोना काल मे घर घर गिलोय का आयुर्वेदिक काढ़ा पिलाने का उत्कृष्ट कार्य भी किया है,और अपने हर जन्मदिन पर आयुर्वेद पौधे लगाने का बहुत शौक है,पीपाड़ उपखंड प्रशासन से भी दो बार सम्मानित हो चुके है,व राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधीश महोदय मनोज कुमार गर्ग द्वारा भी आप सम्मानित हो चुके है, बड़ा रामद्वारा सूरसागर के महंत श्री श्री 108 डॉक्टर रामप्रसाद महाराज द्वारा भी आप समानित हो चुके है। यह प्रेरणा आपने आपके पिता भगवान राम परिहार से ली वह भी एक रिकार्ड धारी योगाचार्य है और उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर उनके कोचिंग संस्थान में भी सहयोग करती है।

नर्सिंग अधीक्षक बनने पर मीणा को नर्सेज ने दी बधाई

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान नर्सेज संघर्ष समिति ने रामप्रसाद मीणा को नर्सिंग अधीक्षक सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल बनने पर मुलाकात कर गुलदस्ता देकर बधाई और शुभकामनाएं दी साथ ही नर्सेज ने आपस मे मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की इस मौके पर अध्यक्ष सोमसिंह मीणा प्रदेश संयोजक मनोज दूब्बी निरमा रेखा जितेंद्र पीएम अशोक विक्रम सिंह वहादुर नर्सेज कर्मचारी मौजूद रहे।

जिला संयोजक बनने पर कोठारी ने किया आभार प्रकट

जयपुर @ जागरूक जनता। भारतीय जनता पार्टी जयपुर शहर में उद्योग प्रकोष्ठ के जिला संयोजक पद पर निवर्तमान पार्षद विकास कोठारी को नियुक्त किया गया है नियुक्ति मिलने पर विकास कोठारी ने भाजपा प्रदेश नेतृत्व और शहर अध्यक्ष राघव शर्मा का आभार प्रकट किया । इसी सन्दर्भ में विकास कोठारी ने शहर अध्यक्ष से भेट कर उनका आभार जताया एवं आगमी कार्यकाल हेतु मार्गदर्शन प्राप्त किया इस अवसर पर राघव शर्मा ने विकास कोठारी को संघठन विस्तार एवं सुद्रढ़ टीम बना जयपुर शहर के उधोग जगत से जुड़े नागरिको को पार्टी से जोड़ने के लिए प्रेरित किया।

स्कूटी सिखाओ-आत्मविश्वास बढ़ाओ अभियान का शुभारम्भ

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जालोर। रानीवाड़ा जिला प्रशासन, पुलिस एवं मनस्वा समूह के संयुक्त तत्वावधान में स्कूटी सिखाओं-आत्मविश्वास बढाओं अभियान का शुभारम्भ सोमवार को ग्राम पंचायत रानीवाडा कल्लां में जिला कलक्टर नम्रता वृष्णि के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। जिला कलक्टर वृष्णि ने कहा कि महिलाओं में आत्मविश्वास होने से वह जीवन के हर मोड पर मुकाम हासिल कर सकती है अतः महिलाओं का सक्षम होना ही समाज की दिशा और दशा तय करता है। हमें महिला सशक्तिकरण की दिशा में निरंतर विशेष प्रयास करने चाहिए।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनुकृति उज्जैनियां ने कहा कि जिला प्रशासन, पुलिस एवं मनस्वा समूह संयुक्त रूप से जिले में बालिकाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आत्मरक्षा शिविर, अंग्रेजी शिक्षण, स्कूटी सिखाने सहित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर रहा है। जिसके सार्थक परिणाम दृष्टिगोचर हो रहे हैं। कलक्टर व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने स्वयं स्कूटी चलाकर स्कूटी प्रशिक्षण का भी शुभारम्भ किया।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रानीवाडा में जिला प्रशासन, महिला अधिकारिता विभाग एवं ग्राम पंचायत के संयुक्त तत्वावधान में निरोगी लाडली कार्यक्रम के अंतर्गत आयेजित माहवारी स्वच्छता प्रबंधन जागरूकता कार्यशाला के अवसर पर जिला कलक्टर नम्रता वृष्णि ने विद्यालय की बालिकाओं को शिक्षा के साथ सशैक्षणिक गतिविधियों में आगे आने की बात कही तथा बालिकाओं से बातचीत कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर रानीवाडा उपखण्ड अधिकारी प्रकाशचन्द अग्रवाल, विकास अधिकारी नारायण सिंह राजपुरोहित, पुलिस उप अधीक्षक शंकरलाल एवं रानीवाडा सरपंच झूठी देवी उपस्थित थे।

कलक्टर नम्रता वृष्णि ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय हाडेचा में पहुंच व्यवस्थाएँ देखी साथ ही हाडेचा में प्रस्तावित नवीन पशु चिकित्सालय को लेकर कार्य प्रगति की समीक्षा की साथ ही उपस्थित अधिकारियों-कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान सांचौर उपखण्ड अधिकारी ओमप्रकाश सहित अन्य अधिकारी साथ रहे।

ANCHOR

नानी बाई के मायरे और श्रीमद् भागवत कथा का महाप्रसादी के साथ समापन कल

नरसी भक्त के भगवान ने भरा 56 करोड़ का मायरा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

पीपाड़ शहर। धर्म नगरी पीपाड़ शहर में स्थित सांखलो का बेरा पर श्रीमद् भागवत कथा और नैनी बाई के मायरे का समापन 10 मार्च को महाप्रसादी के साथ किया जायेगा। पीपाड़ शहर सांखलो का बेरा पर आयोजित नानी बाई का मायरा कथा का गुरुवार को समारोहपूर्वक भरा जायेगा । इस दौरान अनेक मनमोहक झांकियां सजाई गई, जिनके दर्शन के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। इस अवसर पर कथावाचक श्री श्री 108 संत डॉक्टर रामप्रसाद महाराज ने कहा कि भगवान को अगर सच्चे मन से हम याद करते है तो भगवान स्वयं हमारे पास चले आते है। नानी बाई रो मायरे की कथा भी भक्त और भगवान के आपसी प्रेम व भक्ति का प्रतीक है। इस कथा में भक्त नरसी ने अपनी भक्ति से भगवान श्री कृष्ण को पा लिया। मायरा की कथा केवल कथा नहीं

बल्कि भारतीय जीवन दर्शन का एक जीता जागता ग्रन्थ है। जिसमें सभी को प्रेम सौहार्दय और भक्ति से जीने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि नरसीजी जब नानी बाई के घर गए तो उनके पास देने के कुछ नहीं था। ऐसे में भक्त नरसीजी ने भगवान को याद किया। उनकी पुकार सुनकर भगवान श्रीकृष्ण राधा रूकमणी को साथ लेकर आए और 56 करोड़ का मायरा भरा। उन्होंने कहा कि नरसी भक्त के पास भगवान के भजन एवं भगवान के प्रति अगाध श्रद्धा का ही परिणाम रहा कि भगवान स्वयं राधा रूकमण सहित आए और मायरा भरा। यह दर्शाता है कि सच्चे मन से भगवान को पुकारने पर भगवान स्वयं दौड़े चले आते है। मनुष्य पैसों से बड़ा नहीं बन सकता है। बल्कि उसके भाव एवं कर्म अच्छे हैं तो भगवान उसकी सहायता करते है। आयोजन समिति के सुगनाराम सांखला ने बताया की रामगुरू देव जी महाराज की असीम कृपा से जोधपुर मारवाड़ के प्रसिद्ध कथावाचक श्री श्री 108 डॉक्टर राम प्रसाद जी महाराज के श्रीमुख से किया जा रहा है। जिसमें श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन दिनांक 04 मार्च से 09 मार्च तक प्रातः 12:15 बजे से 04 बजे तक किया गया। साथ ही, नैनी बाई के मायेरा का भी आयोजन किया गया। संत बधावणा के साथ गाजे बाजे से कलश शोभायात्रा भी निकाली गई। कथा के साथ-साथ संगीतमय कथा का भी वाचन किया गया है। उन्होंने शहर सहित पूरे क्षेत्र के धर्मप्रेमी जनता को पुण्य लाभ लेने की अपील की। व्यवस्थापकों ने कथा प्रारंभ होने से पहले ही कथा परिसर को आर्कषक रूप से सजाया गया तथा कथा में आने वाले भक्तों के लिए बैठने की, पीने हेतू पानी और अंतिम दिन महाप्रसादी की उत्तम व्यवस्था भी की गई है। इस दौरान आयोजक मण्डल के उपाध्यक्ष सम्पतराज, कोषाध्यक्ष अशोक, सचिव सम्पत राम सांखला सदस्य धोकलराम, श्यामलाल, मोहनराम, लक्ष्मण राम, सोहनराम, शंकर लाल, किशनाराम, श्रवण राम, अशोक, श्यामलाल रमेश, प्रकाश, महिपाल सहित सभी भक्त गण मौजूद रहे।

जागरूक खबरें

पावली में सात दिवसीय एन एस एस विशेष शिविर का समापन

भीनमाल @ जागरूक जनता। भीनमाल के निकट पावली-राउमावि-पावली मे प्रधानाचार्य कालाराम दादालियन के मार्गदर्शन में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर मे सातवें और अन्तिम दिन विशेष वार्ताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम अधिकारी आसिफ इकबाल ने बताया कि मंगलवार के कार्यक्र म की शुरुआत प्रार्थना के साथ की गई। प्रार्थना सत्र मे शिविरार्थियों ने सद् भावना गीत व एन एस एस लक्ष्य गीत सुनायें। आज की प्रथम वार्ता वकील साहब रणछोडाराम ने कानून और हमारे जरूरी कानूनी अधिकारों के बारे में बताया। अल्पाहार के बाद आज के प्रोजेक्ट सत्र के दौरान स्वयंसेवकों ने विद्यालय परिसर में सफाई का कार्य किया। मध्याह्न भोजन के बाद दूसरी बौद्धिक वार्ता हुई जिसमें शिक्षक पीरा राम चौधरी ने पर्यावरण संरक्षण विषय पर वार्ता प्रस्तुत की और फिर व. शि. राजूराम ने मौसमी बिमारियों और उसके रोकथाम के बारे चर्चा की। संस्था प्रधान काला राम दादालियन ने सभी स्वयंसेवकों को समाज सेवा के लिए प्रेरित किया और शिविर प्रभारी आसिफ इकबाल के द्वारा एन एस एस के लक्ष्यों और उद्देश्यों के बारे में विस्तृत चर्चा की और स्वयंसेवकों को अपने और समाज के जीवन में बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया। आज गाँव में स्वयंसेवकों ने फेरी निकाल कर स्वच्छता, पर्यावरण रक्षा, बालिका शिक्षा, कोरोना टीकाकरण आदि का संदेश देकर लोगो को जागरूक किया। इस अवसर पर संदीप पनीगर, सोहन लाल मीणा, चेनाराम चौधरी सहित स्टाफसाथी मौजूद रहे। खेल सत्र दौरान नृत्य कार्यक्रम रखा गया और विभिन्न रोचक व मनोरंजक खेल की गतिविधियों का आयोजन किया गया और महिला दिवस को भी बड़े भी उत्साह के साथ मनाया गया।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष कार्यक्रम "शक्ति" का आयोजन

जयपुर @ जागरूक जनता। विद्याधर नगर स्थित बियानी गर्ल्स कॉलेज में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम "शक्ति" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वन्दना और कॉलेज के चेयरमैन डॉ राजीव बियानी, एकेडमिक निदेशक डॉ संजय बियानी, मुख्य अतिथि शकुंतला रावत (मिनिस्ट्री ऑफ़ इंडस्ट्री, गवर्मेन्ट ऑफ़ राजस्थान), सीताराम अग्रवाल (उद्योगपति और कांग्रेस नेता), डॉ सुमन मोरे (वाईस प्रिंसिपल राजस्थान कॉलेज), डॉ प्रमिला दुबे (डीन ऑफ़ एजुकेशन, यूनिवर्सिटी ऑफ़ राजस्थान), डॉ सुनीता वालिया (सोशल वर्कर), पायल चौधरी, डॉ माधवेन्द्र जैन (गायनेकोलॉजिस्ट, नवकार हॉस्पिटल) और कॉलेज के डीन डॉ ध्यानचंद गोटवाल ने माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर की। एकेडमिक निदेशक डॉ संजय बियानी ने अपनी कविता 'नमन' के द्वारा नारी शक्ति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कविता कही, कि हर पुरुष को माँ, बेटी, सहचरी के रूप में नारी के हर स्वरुप का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा की सभी समस्या का समाधान हमारे खुद के अंदर होता है, विद्यार्थी अपने धैर्य को पहचाने और धैर्य कमजोरी नहीं नारी की ताकत है। शकुंतला रावत विद्यार्थियों से रूबरू हुई और इस दौरान उन्होंने अपने कई अनुभव साझा किए और कहा हम आगे किसी भी क्षेत्र में आगे बढ़े, लेकिन कभी असफलता के बाद हार मान कर रोना नहीं है बल्कि खुद को सवारे और जीवन की हर परीक्षा के लिए खड़े रहे। उन्होंने आगे कहा की अशोक गहलोत द्वारा महिलाओ और बालिकाओ के लिए कई नई योजनाएं चलाई जा रही है जो काफी सराहनीय है। संस्था के चैयरमेन डॉ राजीव बियानी ने महिला दिवस पर, नारी शक्ति का आधार व्यक्त किया साथ ही बताया कि एजुकेशन एक ऐसा हथियार है जो जीवन के कठिन समय में काम आता है। इस अवसर पर संस्था की मुख्य चेयरपर्सन पुष्पा बियानी, बीएड प्रिंसिपल एकता पारीक, प्रिंसिपल डॉ नेहा पांडे व साथ ही सभी प्रोफेसर्स और छात्राएं उपस्थित रही।

राज्यपाल कलराज मिश्र ने किया पुस्तक का विमोचन

जयपुर @ जागरूक जनता। अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राजभवन मे महामहिम राज्यपाल कलराज मिश्र ने आयुर्वेद एवं हर्बल फॉर्मूलेशन ए टेस्टिंग प्रोटोकॉल फॉर क्वालिटी कन्ट्रोल पुस्तक का विमोचन किया। गौरतलब है कि यह पुस्तक नवीन कुमार गर्ग तथा अंतरिक्ष कटारा द्वारा रचित है तथा संपादक भूतपूर्व औषधी नियन्त्रण (ड्रग कन्ट्रोलर) आयुर्वेद विभाग राजस्थान डॉ महेश चन्द्र शर्मा व सह लेखक राकेश कुमार शर्मा है। यह पुस्तक दवा निर्माताओं, शोधकर्ताओं, गुणवता विशेषज्ञों तथा महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय के लिए उपयोग होगी। भविष्य में यह पुस्तक आयुर्वेद के पुराने एवं नवीन मानकों और उसमे आधुनिक विज्ञान के समरुपता व समवेशता का सम्बन्ध स्थापित करेगी। इस कार्यक्रम मे राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान मानद विवि के एसोसियट प्रोफेसर डॉ संजय कुमार अग्रवाल,भूतपूर्व सीनियर प्रोफेसर फॉर्माकॉलोजी एस.एम.एस मेडिकल कॉलेज के डॉ मुकुल माथुर,आयुर्वेद चिकित्सक डॉ सीताराम गुप्ता,डॉ मंजू शर्मा, भूतपूर्व पुलिस इंस्पेक्टर रजनीकांत कटारा इत्यादि गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। पुस्तक को लेकर महामहिम राज्यपाल कलराज मिश्र ने सभी रचनाकारों को इस सराहनीय कार्य के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

उत्साह से निकली धमका पांचु गैर

पीपाड़ शहर @ जागरूक जनता। कस्बे के पीपाड़ शहर में माली समाज की ओर मालियान आथुणी हथाई से निकलने वाली ऐतिहासिक होली की गैरे धमका पांचु को शुरू हो गयी है चंग की थाप, पैरों में घुंघरु, सिर पर पर साफा, धोती व कमीज, इन सब पर थिरकते पैर और फागुन गीतों की मस्ती। कुछ ऐसा ही दृश्य था गैर में। गैर सदस्यों ने चंग की थाप पर फागुनी गीतों की बेहतरीन प्रस्तुति दी। इस दौरान जोरजी चोंपावत घुड़ला बाजारों में खड़िया रे..., हां रे फागण फरवरियो..., होळी आइगी..., सेला बाजारां में कांईं..., मेहंदी वाळो खेत..., समेत कई फागत गीतों की प्रस्तुति से समूचा माहौल ही फागणमय हो गया। जिसमें आयोजन समिति के रामदिन भलालिया ने बताया कि यह पांच गैरे 7 मार्च से शुरू हुई है जो 9 मार्च, 11 मार्च, 13 मार्च, 15 मार्च को निकाली जाएगी। जिसमें आथुणी हथाई से व्यापारी मौहल्ले से सुभाष घाट, मोचीवाड़ा, चौपाटा बाजार, कोट गेट, ईलाजी बाजार, से छीपो के मोहल्ला से नगर पालिका रोड़ होते हुए पुनः आथुणी हथाई पर विसर्जित होगी। जिसमें 17 मार्च को होली की और 18 मार्च को धुलण्डी पर मुख्य गैर आथुणी हथाई, खैरादी मोहल्ले से शहीदो के चौक से व्यापारी मौहल्ले से नगर पालिका रोड़ के रास्ते होते हुए सब्जी मण्डी के पास विसर्जित होगी। अमराराम गहलोत ने जानकारी देते हुए बताया की जिसमें सभी गैरीये पारम्परिक वेशभूषा धोती-चोला, राजस्थानी साफा और घुंघरू के साथ चंग की थाप पर फागण गाते हुए शामिल होंगे। गेट के दौरान जगदीश टाक, चेनाराम गहलोत, प्रकाश, गुमानराम, सत्यनारायण, सुगनाराम गोकलिया, हनुमानराम, टीकम मारोटीया, सुभाष भाटी, जगदीश गहलोत सहित कई गैरीये उपस्थित रहे।

नागौर और अलवर जिले में बनाए जाने वाले मेडिकल कॉलेज का शिलान्यास समारोह

गहलोत-मांडविया ने की एक-दूसरे की सरकारों की तारीफ

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। नागौर और अलवर जिले में बनाए जाने वाले मेडिकल कॉलेज का आज शिलान्यास हुआ। समारोह पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने एक-दूसरे की सरकार की जमकर तारीफ की। स्वास्थ्य मंत्री ने राज्य में तेजी से विकसित होते हेल्थ सेक्टर को लेकर राज्य की तारीफ की, तो वहीं गहलोत ने कोरोना की तीसरी लहर में प्रबंधन और वैक्सीन को लेकर तारीफ की। वर्चुअल कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि देश में जब से हमारी सरकार आई तब से मेडिकल कॉलेज में सीटे डबल हो गई। इस परिपेक्ष में राजस्थान की स्थिति देखे तो यहां भी सीटें डबल से भी ज्यादा हुई है। पीजी की सीटे जो 2013-14 में एक हजार थी, वह डबल से ज्यादा होकर राजस्थान में 2094 हो गई, मतलब नेशनल एवरेज से भी राजस्थान काफी आगे चल रहा है। इस तरह से राजस्थान भी हेल्थ सेक्टर में बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है और आने वाले समय में जो हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा होगा उससे राज्य के लोगों को आने वाले समय में दिल्ली-गुजरात नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने कहा केन्द्र सरकार राज्य को हर मदद देने के लिए तैयार है, केवल राज्य अपनी पूरी क्षमता और टाइम से अगर मेडिकल कॉलेज बनाती है तो उससे जनता को जल्दी लाभ मिलेगा।

यूपीए सरकार के समय बनी स्कीम को आपने आगे जारी रखा

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गहलोत ने कहा कि मोदी सरकार ने यूपीए की स्टेबिलिशमेंट ऑफ न्यू मेडिकल कॉलेज अटैच विद एग्जिस्टिंग डिस्टिक हॉस्पिटल के नाम से जो स्कीम लागू की थी उसे आपने आगे लागू रखा उसके लिए मोदी जी और आपका बहुत-बहुत आभार जताता हूं। क्योंकि इस स्कीम को लेकर सरकार ने बहुत अच्छा काम किया है। यही कारण है कि आज हर जिले में मेडिकल कॉलेज खुल रहे है। वहीं कोरोना के समय वैक्सीन को लेकर जो समय पर प्रयास किए उसी का परिणाम रहा कि कोरोना की तीसरी लहर का ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ा। इसके लिए भी आप बधाई के पात्र है।

पूरे देश में लागू हो आईपीडी और ओपीडी फ्री की स्कीम

गहलोत ने केन्द्रीय मंत्री के समक्ष अपनी बजट घोषणा का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि हमने 10 साल पहले फ्री दवाईयां और जांच की योजना लांच की थी। इसके बाद पिछले साल चिरंजीवी हेल्थ स्कीम लांच कर कैशलैस बीमा राज्य की जनता का किया। अब हमने आने वाले समय में सभी सरकारी हॉस्पिटल में ओपीडी और आईपीडी को पूरी तरह फ्री करने की घोषणा की है।

नाबार्ड द्वारा मातृशक्ति का सम्मान

सशक्त महिला से ही समृद्ध राष्ट्र संभव - सांसद सुमेधानंद

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सीकर। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) द्वारा सीकर में महिला सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में माननीय सांसद सीकर स्वामी सुमेधानंद सरस्वती उपस्थित थे। कार्यक्रम में विशिष्ठ अथिति आईएएस गुंजन सिंह एवं परियोजना निदेशक आत्मा सत्यनारायन गढ़वाल रहे। सांसद सुमेधानंद सरस्वती ने ने नारी शक्ति को नमन करते हुए भारतीय संस्कृति में नारी सम्मान की संपूर्णता के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि महिला शक्ति के बिना किसी भी राष्ट्र की समृद्धि की कल्पना भी नही की जा सकती हैं। सांसद सुमेधानंद ने बताया कि केंद्र सरकार सम्मान और अवसरों पर विशेष जोर के साथ अपनी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से महिला सशक्तिकरण पर अपना ध्यान लगातार केंद्रित करती रही हैं और आगे भी करती रहेगी।

सहायक महाप्रबंधक नाबार्ड एम एल मीना ने कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए बताया कि भारत की विकास यात्रा में नारी शक्ति को आगे रखने के लिए वित्तीय समावेषण से लेकर सामाजिक सुरक्षा, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल से लेकर आवास, शिक्षा से लेकर उद्यमिता जैसे कई प्रयास लगातार किए गए हैं और केंद्र सरकार, नाबार्ड व राज्य सरकारों द्वारा आने वाले समय में भी ये प्रयास और जोश के साथ जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि महिला दिवस पर मैं नारी शक्ति और विभिन्न क्षेत्रों में उनकी उपलब्धियों को नमन करता हूं।

कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य के लिए सहायक निदेशक महिला अधिकारिता डॉ. अनुराधा सक्सेना, डीपीएम राजीविका रश्मि मीना, प्रोग्राम मैनेजर जमनालाल कनीराम बजाज ट्रस्ट राखी सोमकुंवर, साहित्यकार साधना सेठी, आरसेटी वरिष्ठ फैकल्टी चांदनी कौशिक, उन्नत महिला किसानों संतोष पचार व संतोष खेदड़ तथा बीआरकेजीबी की शाखा प्रबंधको यथा विनीता स्वामी, अलका मीना व अंकिता ढाका एवं राजीविका कलस्टर खाटूश्यामजी शशिबाला स्वामी इत्यादि महिलाओं को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ओम साई संयुक्त देयता समूह, गोविंदपुरा को नाबार्ड की जेएलजी योजना के अंतर्गत बीआरकेजीबी द्वारा 6 लाख रुपये का चेक भेंट किया गया। साथ ही, सीकर जिले के पिपराली ब्लॉक की 35 महिलाओं को नाबार्ड द्वारा प्रयोजित आजीविका एवं उद्यम विकास कार्यक्रम के तहत प्रमाण पत्र भी प्रदान किये गए। कार्यक्रम में विभिन्न सरकारी विभागों, बैंकर्स एवं राजीविका के पदाधिकारियों तथा स्वयं समूह की महिलाओं से जुड़ी हुई 70 से अधिक महिलाओं ने भी भाग लिया।

जयपुर-नारनोल और हिसार-रींगस के बीच 10 से 15 मार्च तक कांवट, नीमकाथाना, श्रीमाधोपुर होकर दौड़गी

खाटू श्यामजी मेले के लिए चलेगी स्पेशल ट्रेन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। फाल्गुन माह में राजस्थान के लोकदेवता खाटू श्याम जी के लक्खी मेले में आ रहे लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए रेलवे ने 2 स्पेशल मेला ट्रेन चलाने का फैसला किया है। ये ट्रेन 10 से 15 मार्च तक चलाई जाएगी, जो हरियाणा से राजस्थान आएगी। मेले में बड़ी संख्या में राजस्थान हरियाणा से श्रद्धालु मेले में पहुंच रहे है। इन ट्रेनों से कांवट, नीमकाथाना, श्रीमाधोपुर, चरखी दादरी, भिवानी, रेवाड़ी समेत कई छोटे-बड़े शहरों के लोग खाटू जी के दर्शन करने आ सकेंगे। उत्तर पश्चिम रेलवे से जारी शेड्यूल के मुताबिक गाड़ी संख्या 09701 जयपुर से नारनोल के लिए सुबह 9.50 बजे चलेगी और दोपहर 1.10 बजे नारनोल पहुंचेगी। जबकि वापसी में गाडी संख्या 09702 नारनोल से जयपुर के लिए दोपहर 2.45 बजे चलेगी, जो शाम 6.10 बजे जयपुर पहुंचेगी। ये ट्रेन दोनों दिशाओं में ढहर के बालाजी, चौंमू-सामोद, गोविंदगढ़ मलिकपुर, रींगस, श्रीमाधोपुर, कांवट, नीमकाथाना, दाबला स्टेशनों पर रूकेगी। इसी तरह गाड़ी संख्या 04791 हिसार से रींगस के लिए सुबह 7.20 बजे चलेगी, जो रींगस स्टेशन दोपहर 2.05 बजे पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 04792 रींगस से हिसार के लिए शाम 4.05 बजे चलेगी और रात 10.35 बजे हिसार पहुंचेगी। ये ट्रेन दोनों दिशाओं में श्रीमाधोपुर, कावंट, नीमकाथाना, डाबला, नारनोल, अटेली, कुंड, रेवाड़ी, कोसली, झारली, चरखी दादरी, भिवानी, भवानी खेड़ा, हांसी, सतरोड़ स्टेशनों पर रूकेगी।

अन्तर वार्ड क्रिकेट प्रतियोगिता-2022 के महाकुंभ का आज होगा आगाज

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सिरोही। नगर परिषद के तत्वावधान में आयोजित की जा रही अन्तर वार्ड क्रिकेट प्रतियोगिता-2022 का आज प्रातः 09.30 बजे अरविन्द पैवेलियन सिरोही में भव्य शुभारंभ होगा। नगर परिषद प्रशासन द्वारा प्रतियोगिता के लिये सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। नगर परिषद के सभापति महेन्द्र मेवाडा और उप सभापति जितेन्द्र सिंघी ने प्रतियोगिता स्थल पर जाकर समस्त व्यवस्थाओं का बारिकी से जायजा लिया। आयोजन समिति के सदस्य राजेन्द्रसिह देवडा और भरत धवल ने सम्पूर्ण व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी दी। डे-नाईट प्रतियोगिता के लिये छः टॉवर लाईट्स लगवाये गये है। प्रतियोगिता के शुभारम्भ के अवसर पर प्रतियोगिता में भाग लेने वाली पैतीस वार्डो की टीमें अपने-अपने वार्ड पार्षद के साथ उपस्थित रहेगी वहीं एक टीम नगर परिषद प्रशासन की भी होगी। महिला कप प्रतियोगिता के लिये भी नौ टीमें मैदान में है।प्रतियोगिता को लेकर सजाये गये अरविन्द पैवेलियन और ग्राउण्ड को देखकर युवा खेल प्रेमियों में अद्भुत उत्साह देखा जा रहा है। शुभारंभ मैच नगर परिषद बनाम वार्ड संख्या तेरह के बीच खेला जायेगा। इस अवसर पर सभापति महेन्द्र कुमार मेवाडा, उप सभापति जितेन्द्र सिंघी, नेता प्रतिपक्ष मगनलाल मीणा, पार्षद प्रवीण राठौड, राजेन्द्र राणा, तेजाराम वाघेला, आयोजन समिति के सदस्य राजेन्द्रसिंह देवडा, भरत धवल, समाजसेवी प्रवीण जाटोलिया, वसीम खान, गुलजार मोहम्मद नगर परिषद से प्रतियोगिता प्रभारी अशोक कुमार माली, कनिष्ठ अभियन्ता पंकज कंसारा, स्वच्छता निरीक्षक महावीर कुमारइत्यादि उपस्थित रहें।

मॉडलिंग यानी ग्लैमर से दमकता करियर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जोधपुर। एक अंतराल के बाद जबरदस्त कम बैक कर अपने टैलेंट व हार्ड वर्क से सब को इंप्रेस कर रही नीतू भट्ट । नजर नहीं, नजरिया बदलो, नजारे अपने आप बदल जाएंगे यह कहना है

आर्मी बैकग्राउंड से संबंध रखने वाली और अपने पॉजिटिव माइंड सेट के साथ फैशन वर्ल्ड में गेमचेंजर बन कर उभर रही नीतू भट्ट का। आपने 39 साल की उम्र में 2019 का फिट एन ग्लैम फिट प्रो ब्यूटी कॉन्टेस्ट का विनिंग टाइटल खिताब, जनवरी 2020 में क्वीन ऑफ राजस्थान का टाइटल क्राउन अपने नाम किया। आप पेशे से एक एजुकेशनिस्ट है। आपके इस प्रयास में आपके पति, आपकी फैमिली और आप स्वयं की मेहनत ने यह मुकाम दिलाया। आपके पति एक आर्मी ऑफिसर है जो वर्तमान समय जोधपुर में पोस्टिंग पर है। आप ग्लैमर इंडिया का भी हिस्सा है। आप लोगो को समाजिक कार्य के तौर पर नो प्लास्टिक, सेव वॉटर पर प्रेरित करती है। अच्छे उद्घोषक भी है मिसेज इंडिया एंड ग्लैमर इंडिया के फिनाले में जज के तौर पर भूमिका निभाई। आपको राजकुमार राव की आने वाली बॉलीवुड फिल्म में तेरा बॉयफ्रेंड नाम के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करने के लिए भी ऑफर किया गया है एमएनजे ज्वैलर के साथ भी विज्ञापन शूट किये।

शाह ने भारत-बंगलादेश सीमा पर तार की बाड़ का किया निरीक्षण

अगरतला @ जागरूक जनता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने त्रिपुरा के सबरूम में भारत-बंगलादेश सीमा पर लगी तार की बाड़ का निरीक्षण किया। शाह के साथ केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला भी हैं। शाह ने दक्षिण त्रिपुरा के कथलचेरी में सबसे पुरानी सीमा चौकियों में से एक का दौरा किया और एलीयामारा तथा आनंदपारा के बीच 3 किमी के खंड का निरीक्षण किया। इस इलाके में भारत एवं बंगलादेश दोनों के बीच हुए समझौते के लगभग एक दशक बाद बाड़ लगाने का काम चल रहा है।

बंगलादेश बॉर्डर गार्ड्स (बीबीजी) की आपत्ति के बाद पिछले कई वर्षों से बाड़ लगाने का काम रोक दिया गया था। बीबीजी ने आरोप लगाया था कि भारत सीमा के भीतर 100 गज की दूरी पर बाड़ लगाने के नियम का पालन नहीं कर रही है। शाह ने 70 किमी की दूरी के भीतर चटगांव बंदरगाह तक पहुंचने के लिए फेनी नदी पर सबरूम को दक्षिणी बंगलादेश के रामगढ़ से जोड़ने वाले भारत द्वारा निर्मित सबरूम सीमा चौकी और मैत्री सेतु (पुल) का भी दौरा किया।

ANCHOR | **अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर जिला स्तरीय समारेह सम्पन्न**

सामाजिक कुरीतियों रूपी बंधनों को तोड़ आगे बढ़े महिलाएँ-कलक्टर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जालोर। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर जिला प्रशासन व महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को जालोर क्लब में आयोजित जिला स्तरीय समारोह में जिला कलक्टर नम्रता वृष्णि ने कहा कि सामाजिक कुरीतियों रूपी बंधनों को तोड़कर महिलाओं को आगे बढ़ना होगा जिससे महिला सशक्तिकरण की मूल भावना को मूर्त्त रूप दिया सकता है। कलक्टर ने सकारात्मक सोच के साथ आत्मबल को मजबूत रखते हुए महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ने की बात कही। पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला ने कहा कि अब महिलाएँ प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं जिससे समाज और देश को नई दिशा और प्रेरणा प्राप्त हो रही है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अनुकृति उज्जैनिया ने महिलाओं को आत्मरक्षा के गुर सीखने के साथ-साथ हर क्षेत्र में आगे आने की बात कही। कार्यक्रम पूर्व जालोर क्लब परिसर में जिला कलक्टर द्वारा दिव्यांगजन स्कूटी योजना के तहत दिव्यांग महिलाओं को 13 स्कूटियाँ वितरित की गई। महिला एवं बाल विकास विभाग के उप निदेशक अशोक विश्नोई ने बताया कि जिला स्तरीय समारोह में जिलेभर में महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर ग्रामीण महिलाओं को ड्राइविंग लाइसेंस वितरित किये गये, आंगनवाड़ी केन्द्रों पर कार्य करने वाली 24 आंगनवाड़ी कार्यताओं व सहायिकाओं को माता यशोदा पुरूस्कार से सम्मानित करते हुए प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गये। समारोह में स्कूली बालक-बालिकाओं ने एकल, युगल एवं सामूहिक नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति दी वही वरिष्ठ अध्यापक विक्रम पुरी ने 'जिन्दगी प्यार का गीत है......' की तर्ज पर 'नारी शक्ति का अवतार है, इसे सबको बताना पड़ेगा.......' गायन की आकर्षक प्रस्तुति देकर वाहवाही बटोरी। मांगू खाँ भादरेस मांगणियार ग्रुप द्वारा लोक गायन एवं पपेट शो द्वारा बालिका शिक्षा का संदेश दिया गया। इस दौरान जालोर क्लब में बड़ी संख्या में महिलाएँ एवं छात्राएँ मौजूद रही।

संवेदनशील हरिया एवं गुड्डी के नाट्य मंचन पर छलके आंसू

जिला स्तरीय समारोह में सामाजिक कुरीतियों के विरूद्ध संघर्ष का पर्याय 'हरिया एवं गुड्डी' के नाटक मंचन के दौरान संवेदनशील एवं मार्मिक प्रस्तुति से अतिथियों सहित उपस्थित दर्शक भावविभोर हो गये। नाटक मंचन की प्रस्तुति के दौरान अम्बिका प्रसाद तिवारी ने हरिया के चरित्र को उकेरते हुए समाज को सामाजिक कुरीतियों के विरूद्ध संघर्ष का संदेश दिया वही विक्र म पुरी एवं नरपत आर्य ने अपनी प्रस्तुति के माध्यम से कन्या भ्रूण हत्या, दहेज प्रथा की कुरीति को मंचित किया। गुड्डी के पिता के रूप में प्रमोद वैष्णव, पुत्री के रूप में बाल कलाकार नंदिनी चौधरी व खुशी वैष्णव के अभिनय ने संवेदनशील विषय को जीवन्त करते हुए दर्शकों को आंखों में आंसू लाने को मजबूर कर दिया। वही 'छोटी चिरैया नन्हीं सी चिड़िया, अंगना में फिर आजा रे.....' गीत के माध्यम से पिता-पुत्री के रिश्तों को जीवंत किया। इस अवसर पर जिला कलक्टर नम्रता वृष्णि, जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अनुकृति उज्जैनिया, पीआरओ वेदप्रकाश आशिया, महिला एवं बाल विकास विभाग के उप निदेशक अशोक विश्नोई, हरिया के लेखक एवं निर्देशक गौतम बोहरा, उद्यमी रमेश जैन सहित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, आशा सहयोगिनी, एनसीसी छात्राएँ सहित अधिकारी-कर्मचारी व बड़ी संख्या में महिलाएँ उपस्थित रही।

आयोजित हुई विभिन्न गतिविधियाँ

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में जिले में विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गई जिसके अंतर्गत जिले में विद्यालयों में 'नो बैग डे' पर प्रत्येक पंचायत समिति की किसी एक राजकीय स्कूल में रस्सा-कस्सी खेल आयोजन व अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस थीम पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई व प्रतियोगितायों को पुरूस्कार दिए गए। 6 मार्च, रविवार को जन्मी बेटियों का जन्मोत्सव का जिला अस्पताल में जन्म दिवस मनाया गया वह जिला स्तर पर रैली तथा साथिन द्वारा विशेष जाजम बैठक कर उड़ान योजना पर चर्चा आदि के लिए कार्यक्रम आयोजित हुए। ग्राम पंचायत एवं पंचायत समिति स्तर पर राजीव गांधी भारत निर्माण सेवा केन्द्रों एवं ई-मित्र प्लस मशीनों के माध्यम से तथा जिला स्तर पर जालोर क्लब में पेडमैन फिल्म का प्रसारण किया गया जिसमें किशोरियों एवं महिलाओं की सहभागिता के साथ ही जनप्रतिनिधियों, जिले के समस्त अधिकारियों, स्वयं सहायता समूहों, स्वयसंवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों एवं ब्राण्ड एम्बेसेडर आदि ने 'पैडमैन' फिल्म देखी।

महिला सशक्तिकरण

8 मार्च को हम सभी ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के रुप में मनाया। जहां देखो वहीं महिला सशक्तिकरण की बातें हैं अच्छा है कोई एक दिन तो तय है इन सबके लिए। आसान है ना कहना।

नविता मिश्रा
एंटप्रेन्योर /लेखक
@jagrukjanta.net

चलिए मैं आपको एक ऐसी कहानी से रुबरू कराती हूं, जो मैंने अपने छठी कक्षा में पढ़ रहे बेटे से सुनी। हुआ यू की अंग्रेजी विषय की परीक्षा में मेरे बेटे और उसके दोस्त को एक पाठ को समझने में बड़ी दिक्कत आ रही थी। जिस पाठ की नायिका एक महिला पत्रकार थी जिसने पूरी दुनिया का भ्रमण 72 दिनों में करने की ठान ली जी हां मैं बात कर रही हूं निली बेल्ले की। जिनका जन्म 5 मई 1864 में अमेरिका में हुआ। शीर्षक पढ़कर मैंने वह पाठ बच्चों को समझाने का जिम्मा ले लिया और जब मैंने पाठ पढ़ा, उस समय महिला सशक्तिकरण का इतिहास का एहसास हुआ। इस पाठ की लेखिका बोनी क्रिस्टिनसिन ने बड़े ही सहज ढंग से बच्चों तक महिला सशक्तिकरण का विषय पहुंचाया। सन 1889 नीले बल्ले ने 72 दिनों में दुनिया का चक्कर लगाकर पूरी दुनिया को अचंभे में डाल दिया जिस समय 500 किलोमीटर जाने के लिए हफ्ता 10 दिन लग जाते उस समय कभी जहाज ,कभी रेलगाड़ी , तो कभी घोड़े पर सवार हो इस महिला पत्रकार ने 72 दिनों में अपनी यात्रा पूरी की। यात्रा शुरू होने से पहले न्यूज़ पेपर के एडिटर साहब ने उन पर थोड़ा अविश्वास जताया था, कि एक महिला 2-3 बक्सों के साथ अकेली यह यात्रा पूरी नहीं कर सकती, मगर बल्ले अपना मन बना चुकी थी उन्होंने 2-3 बक्सों की जगह अपने टेलर से एक ड्रेस तैयार करवाई जो वह लगभग 3 महीने तक पहन सके और एक लंबा डीलर कोट, साथ ही 16*17 का एक हैंडबैग जिसमें सिर्फ अपने जरूरत का सामान रख लिया। अब तो ऑडिटर साहब का भी समर्थन मिल गया। बल्ले का जहाज अगस्ता विक्टोरिया, 14 नवंबर 1889 सुबह 9:40 न्यू जर्सी से रवाना हुआ उसे सर्दी, गर्मी, तूफान से सचेत रहने को कहा गया मगर उसे बस अपना सपना देख रहा था, जो उसने खुली आंखों से देखा था। बल्ले अपनी यात्रा के अनुभव को अखबार के माध्यम से दुनिया तक पहुंचाती रही। कभी सी-सिकनेस से जूझती तो कभी तूफानी सर्द रात से, कभी कोई अदृश्य डर डराता, तो कभी अनजान लोगों की नजरें। मगर इन सब को नजरअंदाज करते हुए वा कहीं अपने हर डर पर जीत हासिल करते हुए न्यू जर्सी से इंग्लैंड, इंग्लैंड से फ्रांस, फ्रांस से इटली, इटली से हांगकांग, फिर जापान, जापान से सन फ्रासिस्को और फिर अमेरिका जहां से उसने शुरुआत की थी। बस सब ने उनके अद्भुत जज्बे का खुले दिल से स्वागत किया दुनिया भर से उनके लिए बधाई संदेश और तोहफे आए। पाठ समझाते -समझाते , समझ आया महिला सशक्तिकरण कोई नया मुद्दा नहीं सदियों से चला आ रहा और सिर्फ भारत में ही नहीं हर स्थान पर अपने आप को प्रूफ करने के लिए थोड़ा एक्स्ट्रा एफर्ट्स लगाने पड़ते हैं महिलाओं को। मगर नीली बल्ले के इस सफर में उन पुरुषों का योगदान नकारा नहीं जा सकता जिन्होंने उनके सफर को थोड़ा कम जोखिम भरा और पूरा करने में सहायता की थी। चलिए हर महिला के लिए यह सफर थोड़ा आसान थोड़ा कम जोखिम भरा बनाने के लिए एकजुट हो। और ना स्त्री दिवस ना पुरुष दिवस बस मानवता दिवस की ओर सब कदम से कदम मिलाकर चल पड़े। आशा है वो समय भी आए जब सिर्फ मानवता के आधार पर सब का आकलन हो, ना की उनके स्त्री या पुरुष होने पर।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर महिलाओं का किया सम्मान

28 हस्तियां नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान के लिए 28 महिलाओं को वर्ष 2020 और वर्ष 2021 के नारी शक्ति पुरस्कारों से सम्मानित किया। राष्ट्रपति भवन में मंगलवार को आयोजित एक समारोह में इन हस्तियों को ये पुरस्कार प्रदान किए गए। इन हस्तियों में त्रिपुरा की डॉक्टर इला लोध भी शामिल हैं जिन्हें मरणोपरांत इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उनके पुत्र ने यह पुरस्कार प्राप्त किया।

वर्ष 2020 के नारी शक्ति पुरस्कार पाने वालों में गैर सरकारी संगठन चलाने वाली बिहार के भोजपुर की अनीता गुप्ता, उत्तर प्रदेश के खेरी की हथकरघा बुनकर और अध्यापक आरती राणा , तमिलनाडु की एंग्रीप्रेन्योर कारीगर जया मुथु और तेजअम्मा, मध्य प्रदेश की आदिवासी कलाकार जे भाई बैगा , पंजाब की सिक्की ग्रास कलाकार मीरा ठाकुर, जमीनी स्तर पर नवाचार करने वाली जम्मू कश्मीर की नासिरा अख्तर , सेमीकंडक्टर चिप बनाने वाली कर्नाटक की निवृत्ति राय, लद्दाख की पारंपरिक वेशभूषा को संरक्षित रखने वाली पद्मा यंगचान, जम्मू कश्मीर की दिव्यांग सामाजिक कार्यकर्ता संध्या धर, जेनेटिक रोग से ग्रसित महाराष्ट्र की कथक नृत्यांगना एस नंदकिशोर अगवाने, नेत्रहीनों के लिए काम करने वाली केरल की टिफनी बरार, ऑर्गेनिक खेती करने वाली गुजरात की ऊषाबेन दिनेश भाई वासवा और वन्य जीव संरक्षण के क्षेत्र में काम करने वाली महाराष्ट्र की वनीता जगदेव बोराडे शामिल हैं।

वर्ष 2021 के लिए नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित किए जाने वाली हस्तियों में हिमाचल प्रदेश की हथकरघा विशेषज्ञ अंशुल मल्होत्रा, राजस्थान की लोक गायक भटोल बेगम, पशुपालन क्षेत्र की उद्यमी महाराष्ट्र की कमल कुंभार, छत्तीसगढ़ की सामाजिक कार्यकर्ता मधुलिका रामटेक, पश्चिम बंगाल की गणितज्ञ और प्रोफेसर नीना गुप्ता, उत्तर प्रदेश की हिंदी लेखिका नीरजा माधव, गुजराती लेखिका निरंजना बेन मुकुल भाई, हरियाणा की किसान एवं उद्यमी पूजा शर्मा, देश की पहली मर्चेंट नेवी महिला कैप्टन कर्नाटक की राधिका मेनन, आंध्र प्रदेश विश्वविद्यालय की प्रोफेसर प्रसन्ना श्री, कर्नाटक की सामाजिक कार्यकर्ता शोभा गस्ती, दिव्यांग जनों के अधिकारों के लिए काम करने वाली ओडिशा की श्रुति महापात्रा, अरुणाचल प्रदेश की उद्यमी टी आर ताखे और तमिलनाडु की मनोचिकित्सक तारा रंगास्वामी शामिल हैं।

विधानसभा में शिक्षा मंत्री डॉ. बीडी कल्ला ने मान्यता देने का मुद्दा उठाया...

राजस्थानी को संवैधानिक मान्यता के लिए हम सबको एक होना होगा

राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करवाने के लिए हम सब को पीएम के पास चलना चाहिए...

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। विधानसभा में शिक्षा मंत्री डॉ. बीडी कल्ला ने राजस्थानी भाषा को संवैधानिक मान्यता देने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। शिक्षा मंत्री डॉ. बीडी कल्ला ने विधानसभा में शिक्षा की अनुदान मांगों पर बहस के जवाब में राजस्थानी भाषा को संवैधानिक मान्यता की पैरवी की। कल्ला ने राजस्थानी भाषा में ही बोला। हाल के वर्षों में यह पहला मौका है, जब किसी शिक्षा मंत्री ने राजस्थानी में अपनी बात रखी हो। शिक्षा मंत्री ने कहा - हम सबको मिलकर प्रधानमंत्री के पास चलना चाहिए। उनसे मांग करनी चाहिए कि विधानसभा से सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित करके भेजने के इतने साल बाद भी राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में क्यों शामिल नहीं किया? संवैधानिक मान्यता क्यों नहीं दी गई? हम सब मिलकर चलेंगे तो जरूर राजस्थानी को आठवीं अनुसूची में शामिल करना पड़ेगा। मान्यता मिल गई तो नई शिक्षा नीति में राजस्थानी को मातृ भाषा का दर्जा मिल जाएगा और प्राथमिक शिक्षा में इसी माध्यम से पढ़ाई शुरू हो जाएगी। राजस्थानी की संवैधानिक मान्यता के लिए हम सबको एक होना पड़ेगा।

पुरानी मांग : राजस्थानी को संवैधानिक मान्यता की मांग लंबे समय से चल रही है। संविधान सभा में भी राजस्थानी को मान्यता की मांग उठी थी, लेकिन आजादी के बाद से लेकर अब तक इस मांग को पूरा नहीं किया।

अकेले ऊंट के 200 पर्यायवाची

कल्ला ने कहा- राजस्थानी भाषा बहुत ही समृद्ध है। अकेले ऊंट के 200 पर्यायवाची शब्द हैं। हिंदी में कहते हैं राम एक अच्छा लड़का है। अंग्रेजी में कहेंगे राम इज ए गुड बॉय। इसी राम नाम के लड़के को राजस्थानी में क्या-क्या कहकर संबोधित करेंगे, इसकी बानगी देखिए- अरे रामूड़ा आज फटबाल खेलबा कौनी चालकैं। अर, रामल्या, दूध लेन आ। अर, रामसा, आज काईं डील ठीक कोनी क। ऐ म्हारे रामजी हैं। यह बात कौन कह सकता है, पत्नी कहेगी। पत्नी रामूड़ा, रामल्या या रामा नहीं कहेगी, रामजी कहेगी। विश्व में ऐसी कोई भाषा नहीं है, जिसमें प्रथम व्यक्ति को उसके संबंध के हिसाब से पुकारा जाता हो।

कल्ला की घोषणा- पंचायत मुख्यालयों के स्कूल प्रमोट होंगे

शिक्षा मंत्री बीडी कल्ला ने अनुदान मांगों पर बहस के जवाब में कई घोषणाएं कीं। कल्ला ने कहा- अब से डाक देने-लेने कोई शिक्षक नहीं जाएगा। स्कूलों में वार्षिक उत्सव का समय 26 मार्च तक बढ़ा दिया है। 3820 स्कूलों को सीनियर सेकेंडरी में प्रमोट किया जाएगा। रेगिस्तानी जिलों में स्कूल खोलने के मापदंडों में छूट दी जाएगी। 200 प्राथमिक स्कूल खुलेंगे। ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर प्राथमिक स्कूलों को उच्च प्राथमिक में और उच्च प्राथमिक स्कूलों को सेकेंडरी में प्रमोट किया जाएगा।

सरकार ने देश में सबसे ज्यादा दिव्यांग हित में किए कार्य

दिव्यांगजनों को बीपीएल के समकक्ष लाभ देने की प्रक्रिया लगभग पूर्ण -राजस्व मंत्री

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्व मंत्री रामलाल जाट ने कहा कि दिव्यांगजनों को बीपीएल के समकक्ष लाभ देने की प्रक्रिया लगभग पूर्ण हो चुकी है और इस संबंध में शीघ्र आदेश जारी कर दिए जाएंगे।

जाट मंगलवार को विधायक पब्बाराम द्वारा रखे गये ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री की ओर से अपना वक्तव्य दे रहे थे। जाट ने कहा कि विशेष योग्यजन निदेशालय द्वारा दिव्यांगजनों के कल्याण हेतु निरंतर कार्य किए जा रहे है। प्रतिभावान दिव्यांग विधार्थियों के लिए प्री-मैट्रिक, पोस्ट- मैट्रिक एवं मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति योजना में वृद्धि की गई है। उन्होंने बताया कि सुखद दाम्पत्य योजना के तहत दिव्यांग दम्पत्ति को 50 हजार रूपये दिए जा रहे है।

राजस्व मंत्री ने बताया कि एक परिवार में दो या दो से अधिक दिव्यांगजन होने पर बीपीएल के समकक्ष सुविधा देने के लिए आस्था कार्ड जारी किए जा रहे है। इस कार्ड के माध्यम से बीपीएल की सभी सुविधाएं जैसे राशन एवं चिकित्सा सुविधा दी जाती है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2021-22 की बजट घोषणा के अनुसार ऐसे दिव्यांगजन जो सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं का लाभ ले रहे है उन्हें बीपीएल के समकक्ष माना जाएगा। इस संबंध में विभागीय कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

जाट ने बताया कि दिव्यांगजनों को आस्था कार्ड का पात्र मानकर सुविधाएं दी जा रही है। उन्हें दो रुपये प्रति किलोग्राम गेहूं , 50 यूनिट्स बिजली निःशुल्क दी जाती है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने दिव्यांग आरक्षण को 3 से 4 प्रतिशत कर दिया है जबकि पदोन्नति में 4 प्रतिशत आरक्षण भी दिया है। इसी तरह मुख्यमंत्री ने दिव्यांगजनों की देख-रेख करने वाली संस्थाओं के अनुदान को भी 25 से 100 प्रतिशत तक भी बढ़ाया है।

राजस्व मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने देश में सबसे ज्यादा दिव्यांग हित में कार्य किए है। विभाग द्वारा 1700 आस्था कार्ड जिला कलक्टर्स को भेजे गए है, ताकि उनको भी सभी सुविधाएं मिल सके। उन्होंने बताया कि प्रशासन गांवों के संग अभियान के तहत 10 हजार 286 विशेष योग्य जन पेंशन के प्रकरण आए है। दिव्यांगजनों को 2000 स्कूटी वितरित की गई है। हाल ही बजट में 5000 स्कूटी की भी घोषणाएं की गई है। उन्होंने आश्वस्त किया कि प्रदेश में दिव्यांगजनों की बेहतरी के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं दी जा रही है।

देश की प्रगति में वित्तीय संस्थानों की भूमिका महत्वपूर्ण- मोदी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत की प्रगति में इसके वित्तीय संस्थानों की सहभागिता बहुत महत्वपूर्ण है। मोदी ने आर्थिक वृद्धि और अकांक्षा की अर्थव्यवस्था के वित्त पोषण विषय पर बजट पश्चात एक ऑनलाइन संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे व्यवहारिक वित्तीय मॉडलों के निर्माण की जरूरत है, जो देश में प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को प्रोत्साहित कर सके और दूसरे देशों पर भारत की निर्भरता कम हो। प्रधानमंत्री ने कहा कि विश्व में सबसे बड़ी महामारी के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था गति पकड़ रही है। उन्होंने कहा कि यह सरकार के वित्तीय निर्णयों और अर्थव्यवस्था की मजबूत बुनियाद के कारण हो रहा है।

मोदी ने कहा, भारत की प्रगति को 21वीं शताब्दी में और अधिक गतिवान बनाने के लिए प्राथमिकता वाले सभी क्षेत्रों के लिए वित्त पोषण के व्यवहारिक मॉडल बनाने की आवश्यकता है। भारत की अकांक्षाओं और जिस दिशा में आगे बढ़ना चाहता है उसे देखते हुए वित्तीय संस्थाओं की सहभागिता महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने आत्मनिर्भर भारत अभियान इसलिए लागू किया है ताकि दूसरे देशों पर हमारी निर्भरता कम हो सके। उन्होंने कहा, ऐसे हालात में हमें उन परियोजनाओं के वित्त पोषण के लिए अलग-अलग वित्तीय मॉडल विकसित करने की जरूरत है जो दूसरे देशों पर हमारी निर्भरता को कम करने वाली हैं। मोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री गतिशक्ति वृहद योजना के क्रियान्वन की सफलता में वित्तीय संस्थानों की भूमिका महत्वपूर्ण होने जा रही है। मोदी ने बजट 2022-23 के बारे में कहा कि इसमें आर्थिक वृद्धि को और अधिक गति देने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। इनमें विदेशी पूंजी प्रवाह को बढ़ाने, बुनियादी ढांचा क्षेत्र में निवेश पर कर का बोझ कम करने, एनआईआईएफ, गिफ्ट सिटी और नए विकास वित्त संस्थानों (डीएफआई) के गठन जैसे कदम शामिल हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें 8-10 ऐसे क्षेत्र चुनने चाहिए जहां भारत दुनिया की तीन प्रमुख ताकतों में गिना जा सके। इन क्षेत्रों की कंपनियों को वित्तीय संस्थानों से मदद की जरूरत होगी।

जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की 11 वीं बैठक

तय समय सीमा में पूर्ण करें लक्ष्य-जिला कलक्टर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की 11 वीं बैठक मंगलवार को जिला कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। बैठक में जयपुर जिले में जल जीवन मिशन के अंतर्गत अब तक की प्रगति की समीक्षा की गई। जिला कलक्टर राजन विशाल ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि जल जीवन मिशन को सफल बनाने के लिये तय समय सीमा वर्ष 2024 को दृष्टिगत रखते हुए प्राथमिकताएं तय कर लक्ष्य को शीघ्र पूर्ण करवाने का प्रयास करें। उन्होंने ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति की समय-समय पर सरपंच एवं बीडीओ की बैठक व प्रत्येक ब्लॉक स्तर पर कार्यशालाओं का आयोजन करवाने के निर्देश दिये। बैठक में अधीक्षण अभियन्ता एवं जिला जल एवं स्वच्छता मिशन के सदस्य सचिव आरसी मीना ने बताया कि जयपुर जिले में 18 गांवों में 100 प्रतिशत क्रियात्मक नल कनेक्शन उपलब्ध करा दिये गये है। इसके साथ ही 70 गांव ऐसे है जहां 90 प्रतिशत क्रियात्मक घरेलू नल कनेक्शन करवाये गये है। जल जीवन मिशन के तहत जयपुर जिले में 5 लाख 81 हजार 312 परिवारों में से 01 लाख 81 हजार 846 परिवारों को क्रियाशील नल कनेक्शन का लाभ दे दिया गया है। शेष 3 लाख 98 हजार 466 परिवारों को वर्ष 2024 तक नल कनेक्षन प्रदान किया जाना है। विद्यालय, आंगनबाड़ी, ग्राम पंचायत भवन, हेल्थ सेंटर, कम्यूनिटी सेंटर, आश्रय शाला, सामुदायिक षौचालय, अन्य शासकीय कार्यालयों सहित कुल 10 हजार 704 संस्थाओं में से 7 हजार 167 संस्थाओं में पाइप लाइन के माध्यम से क्रियात्मक नल कनेक्शन उपलब्ध करवाये जा चुके है। शेष संस्थाओं में भी शीघ्र पाइप लाइन के माध्यम से क्रियात्मक नल कनेक्शन उपलब्ध करवा दिये जायेगें। जल जीवन मिशन के अंतर्गत गठित कुल 2139 ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों के गठन का शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त कर लिया गया है। साथ ही ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक सम्पन्न करवाया जा चुका है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत नियुक्त आईएसए (इम्पलीमेन्ट सपोर्ट एजेन्सी) टीम द्वारा भी ग्राम कार्य योजना सामुदायिक अंशदान आईसी गतिविधि आदि का कार्य भी अनवरत जारी है। बैठक में जल जीवन मिशन के अन्तर्गत स्वीकृत योजनाओं की तकनीकी स्वीकृतियां एवं निविदा कार्यदेश की वर्तमान स्थिति, आईएसए/ थर्ड पार्टी निरीक्षण के गठन की स्थिति, ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति के बैंक खाते खुलवाने एवं सहभागिता राशि संग्रहण की प्रगृति, के निर्धारित लक्ष्य, राजकीय विद्यालयों, आंगनबाडी केन्द्रों, स्वास्थ्य केन्द्रों एवं राजकीय संस्थानों में नल कनेक्शन की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई।

B.Ed अभ्यर्थियों ने सुप्रीम कोर्ट में लगाई गुहार, कोर्ट ने प्रार्थना पत्र पेश करने के दिए आदेश

जयपुर @ जागरूक जनता। रीट लेवल वन में सिलेक्शन को लेकर बीएसटीसी और बीएड अभ्यर्थियों के बीच विवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। मंगलवार को B.Ed फिर क्यों नहीं सुप्रीम कोर्ट में जल्द मामले की सुनवाई की मांग की। जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को प्रार्थना पत्र पेश करने के आदेश दिए। ऐसे में अब उम्मीद लगाई जा रही है कि जल्द ही B.Ed.-बीएसटीसी विवाद पर फिर से सुनवाई हो सकती है। वहीं, इससे पहले राजस्थान में रीट के लिए B.Ed.अभ्यर्थियों को सुप्रीम कोर्ट से झटका पहले ही मिल चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान हाईकोर्ट जोधपुर के फैसले को बरकरार रखते हुए B.Ed. अभ्यर्थियों को रीट प्रथम लेवल के लिए अयोग्य ठहराया था। दरअसल, राजस्थान में REET के लेवल वन में B.Ed. धारियों को शामिल करने के खिलाफ BSTC (बेसिक स्कूल टीचिंग कोर्स) अभ्यर्थियों ने 2 महीने तक आंदोलन किया था। इसके बाद यह मामला राजस्थान हाईकोर्ट में पहुंचा था।

फ्लैट्स में आसानी से मिलेगा पानी कनेक्शन

जलदाय मंत्री की घोषणा- फ्लैट्स-कृषि भूमि पर बसी कॉलोनियों में पेयजल कनेक्शन पॉलिसी आसान बनाएंगे

जयपुर @ जागरूक जनता। जलदाय मंत्री महेश जोशी ने प्रदेश भर में फ्लैट्स और कृषि भूमि पर बसी कॉलोनियों में पानी कनेक्शन देने की पॉलिसी को सरल बनाने की घोषणा की है। जलदाय की अनुदान मांगों के बहस के जवाब में महेश जोशी ने सदन में कहा कि कृषि भूमि पर बसी कॉलोनियों और फ्लेट्स को पानी कनेक्शन के लिए पहले पॉलिसी बनी थी, लेकिन उसे लोगों ने स्वीकार नहीं किया, उसका फायदा नहीं हुआ। मैंने विभाग के अफसरों से कहा है कि पॉलिसी को व्यावहारिक बनाया जाए। अब उस पॉलिसी को इस तरह बनाया जाएगा कि फ्लेट्स में रहने वालों और कृषि भूमि पर बसी कॉलोनियों के लोगों को पानी कनेक्शन मिल सके। कोई कहीं पर भी बसा है उसे पानी पिलाना सरकार की प्राथमिकता है और हम इसे पूरा करके रहेंगे। जलदाय मंत्री महेश जोशी ने हर संभाग में पिंक डिवीजन बनाने की घोषणा की है, उस डिवीजन ऑफिस में पूरे स्टाफ में केवल महिलाएं ही होंगी। जोशी ने कहा कि संभाग मुख्यालय पर एडिशनल चीफ इंजीनियर ऑफिस में एक डिवीजन ऑफिस को पिंक डिवीजन बनाया जाएगा।

ANCHOR

अखिल भारतीय ब्राह्मण परिषद (रजि) उदयपुर इकाई

संगठन की समाजसेवी बहनों का किया सम्मान

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

उदयपुर। अखिल भारतीय ब्राह्मण परिषद (रजि) उदयपुर इकाई द्वारा आज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर संगठन की समाजसेवी बहनों का सम्मान किया गया। संगठन की महिला प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष आचार्य अनीता पालीवाल ने बताया कि संभाग प्रभारी केशव मोड़ एवं विजय जोशी ने इस मौके पर संगठन की मातृशक्तियों को वंदन करते हुये समाज सेवा एवं मानव सेवा के लिए किये जा रहे उनके कार्यो की सराहना की। उन्होने बताया कि जिस समाज की महिला प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष स्वयं इस शहर की जानी-मानी योग सेविका अनिता जी की योग सेवा से शहर के आमजन भी लाभ उठा रहे है, वही उनकी प्रेरणा से सभी बहनों ने समाजसेवा से जुड़कर सेवा कार्यो को आगे बढाया है। कार्यक्रम संयोजक विजय जोशी ने बताया कि अखिल भारतीय ब्राह्मण परिषद (रजि) उदयपुर इकाई द्वारा आज मानवेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में समाज सेवा में अग्रणी भूमिका निभाने वाले संगठन की सभी बहनों को स्मृति चिन्ह और ऊपरना उढाकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर बहनों ने लोक नृत्य और लोकगीतों से उपस्थित समाज जन का मन मोह लिया, साथ ही मातृशक्ति ने मंदिर प्रांगण में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का भी संकल्प लिया। इस कार्यक्रम का लाभ उठाते हुए सभी ने संगठन की मासिक बैठक कर आगामी 2 अप्रैल को संगठन का फाग उत्सव बनाने का निर्णय लिया। संभाग प्रभारी केशव मोड़, युवा संभागीय अध्यक्ष पंकज सुखवाल, जिला युवा अध्यक्ष अरुण पाठक, जिला संयोजक हेमन्त रावल, जिला प्रभारी जयन्त मेनारिया, जिला सचिव दीपक मेनारिया, उपाध्यक्ष अधिवक्ता योगेश मेनारिया, मंत्री प्रदीप पानेरी, गोरव नागदा, महामंत्री दीपक जोशी, मिडिया प्रभारी उदित चौबीसा, नगर अध्यक्ष दीपक शर्मा, नगर सचिव मिहिर जानी, प्रहलाद नागदा, नगर प्रभारी ओम प्रकाश जोशी, विनोद चौबीसा, कमलेश, दीपेश मेनारिया, धीरज शर्मा, महेश नागदा, गोतम शर्मा, गोपाल पुष्करणा, महिला प्रकोष्ठ की अनिता जोशी, निमिषा जोशी, सुमन मेहता, महामंत्री मधु मेनारिया, करुणा मेनारिया, दुर्गा मेनारिया, सरोज मेनारिया, पल्लवी सारस्वत, संगीता माण्डावत, सरस्वतती, मिनाक्षी, मिथलेश मिश्रा, दीप्ति पालीवाल, अनीता शर्मा आदि का सक्रिय सहयोग रहा।